HRCI की राजपत्र The Gazette of India

्पाधिकार से प्रकाशित १५६८/५५६० हरू ४८/४५०६८/

सं० 34]

नई बिल्ली, शनिवार, अगस्त 20, 1983 (श्रावण 29, 1905)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 20, 1983 (SRAVANA 29, 1905)

इस जाग में भिग्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संजलन के रूप में रखा जो सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

HIM III-WES 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखायरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसुचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 18 जून 1983

सं० ए० 11016/1/83 प्रणा०—iii—संघ लोक सेवा आयोग के निम्निलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रस्येक के सामन निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्य नियुक्त किया जासा है।

क्रम सं० नाम (सर्वश्री	া) খৰ্ষি
1. एस० सी० जैन	9-6-83 से 8-9-83 तक
2. पी० एस० राणा	9-6-83 से 8-9-83 तक
 जीत राम 	11-6-83 से 30-7-83 तक
4. एन० एम० एल० भट	नागर 11-6-83 से 18-6-83
•	तक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक मुधार विभाग के काल जाल मंत्र 12/1/75-सील एसल (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्ती के अनुसार कल 75/प्रल माल की दर से विणेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 29 जून 1983

सं० ए० 32015/3/83 प्रणा० iii—राष्ट्रपति हारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामने निर्विष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानायन रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क सं नाम (सर्वश्री)	पदोन्नति की अवधि
 जी० टी० रामनानी भगवती चरण एस० के० बंसल एस० के० अवस्थी 	6-7-83 से 31-7-83 तक 11-6-83 से 31-7-83 तक 11-6-83 से 30-7-83 तक 13-6-83 से 25-6-83 तक

दिनांक 13 जुलाई 1983

सं० ए० 32014/2/83-श्रमा० --संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० म० स्टे० मे० के निम्नलिखित वैयन्तिक सहायक) चयन ग्रेड वैयन्तिक सहायक को राष्ट्रपति वारा उनके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के निए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयन्तिक सहायक (कैं० स० स्टें० से० के ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋ० सं० नाम	अवधि	अभ्युक्ति
 श्री सुन्दर लाल श्री आर० पीं० डंग 	6-7-83 से 5-10-83 तक 13-7-83 मे 12-10-83 तक	श्री आई० एन० शर्मा के निं० स० के पद पर पदोन्नत हो जाने पर उनके स्थान पर । श्री तरसेम सिंह के निं० सं० के पद पर पदोन्नत हो जाने पर उनके स्थान पर।

- 2. उपर्युक्त व्यक्ति अवगत कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।
- 3. सर्वश्री मुन्दर लाल और आर० पी० डंग की नियुक्ति कार्मिक और प्रणासनिक मुधार विभाग के अनुमोदन के अधीन .है।

दिनांक 14 जुलाई 1983

सं० ए० 11016/1/83-प्रशा० iii—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रस्पेक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों सक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उस्क अधिकारी के पव पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. भी के० पी० अय्यर 11-6-83 से 8-7-83 स	कर्पं नाम .	अवधि
9 MT TIH MARTO 18-6-82 BY 0-7 02 9	भटनागर	19-6-83 से 30-7-83 तक 11-6-83 से 8-7-83 तक 18-6-83 से 8-7-83 तक

उपर्युक्त श्रिष्ठकारी कामित श्रीर प्रणानिक सुधार विभाग के का० जां० सं० 12/1/74—सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की णतों के अनुसार ६० 75/-प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करें।

सं० ए० 11016/1/83-प्रशा० ili(1)—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सिववालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री: एस० के० अवस्था को 26-6-83 से 4-7-83 तक तथा 6-7-83 से 30-7-83 तक अथवा आगामो आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जुलाई 1983

सैं॰ ए॰ 32014/1/83-प्रशा॰ 1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (कि॰ स॰ स्टे॰ से॰ का ग्रेड "ख") को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए अधवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ आधार पर निजी मचिय (के॰ स॰ स्टे॰ से॰ का ग्रेड "क") के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाती है।

फ़॰ सं॰ नाम	अवधि
1. श्री आई० एन० शर्मा 2. श्री तरसेम सिह	6-7-83 से 5-10-83 तक 13-7-83 से 12-10-83 तक
	म० पा० जैन अवर सचिय (प्रशा०) संघ लोक सेंद्रा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं० प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० के०-12/65-प्रशासन-5-समसंख्यक अधिसूचना विनांक 31-1-1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० के० चतुर्वेदी को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 1-6-1983 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर तथा दिनांक 2 जून, 1983 से नियमित आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन उप-विधि सलाहकार के रूप में नियक्त करते हैं।

सं० के०-37/65-प्रणासन-5-सम संख्यक अधिसूचना दिनांक 31-1-1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री कृष्ण कुमार को दिनांक 2-3-1983 से दिनांक 1-6-1983 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर दिनांक 2 जून, 1983 से नियमित आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एम०-57/65-प्रणा०-5-समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 31-1-1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० पी० जौहरी को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 1-6-1983 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर तथा 2 जून, 1983 से नियमित आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि संलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० वी०-26/66-प्रणा०-5-समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 9-2-1983 के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी० एस० दिवेदी को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 1-6-1983 तक की अविधि के लिए तदर्थ आधार पर तथा दिनांक 2-6-1983 से नियमित आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जुलाई 1983

सं० एस०-169/68-प्रणा०-5-राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लि०, फरक्का में वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी के रूप में नियुक्ति हो जाने पर, श्री एस० एन० मुखर्जी, पुलिस उपाधीक्षक, किन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को 31 विसम्बर, 1982 के अपराह्म सं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अपने कार्यभार से मुक्त कर विद्या गया। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उनका पुनर्गहुण धिकार उनकी कार्यभार मुक्ति की तिथि से दो वर्ष तक की अविध के लिए रखा जाएगा।

सं० यू०-2/72-प्रशासन-5-दिनांक, 11 जुलाई, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री यू० एस० प्रसाद को दिनांक 1-7-1983 से दिनांक 31-12-1983 तक की अवधि के लिए पूर्णतया नदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्त वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियक्त करते हैं।

सं वी 0-8/72-प्रणासन-5-विनांक 11 जुलाई, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी ० एन ० श्री जास्तय को दिनांक 1 जुलाई, 1983 से दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 तक की अवधि के लिए पूर्णत्या सवर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापन्न व्ररिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० आर०~14/72~प्रणा०~5—समसंख्यक अधिसूचना, विनांक 11 जुलाई, 1983 के कम में राष्ट्रपति अपने प्रसाद से एनद्द्वारा श्री आर० कि० वर्मा को दिनांक 1 जुलाई, 1983 से दिनांक 31 दिसम्बर, 1983 तक अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पूर्णनया तद्दर्थ आधार पर वरिष्ठ लोक अभियोजनक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-27/72-प्रशा०-5-विनांक 11 जुलाई, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० भट्टाचार्जी को विनांक 1-7-1983 से विनांक 31-12-1983 तक की अवधि के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर केन्द्रीय

अन्वेषण अपूरो में स्थानायन्त वरिष्ठ लोक अभियोजक के इस में नियुक्त अरते हैं।

सं० एस०-32/72-प्रशा०-5-विनांक 11 जुलाई, 1983 के समसंख्यक अधिस्चना के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से भी एस० पी० श्रीवास्तव को विनांक 1-7-1983 से विनांक 31-12-1983 तक की अवधि के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर किनीय अन्वेषण न्यूरों में स्थानापन्त वरिष्ठ सोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, (स्थापना) केन्द्रीय अन्त्रेषण अ्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पृलिस बल नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई 1983

सं० ओ० दो० 1774/83-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर सुरेन्दर कुमार परिमल को 2 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमति नियुक्ति होने तक इनमें जो पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

> ए० के० सूरी सहायक निवेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1983

मं० 11/52/81-प्रशा०-1--राष्ट्रपति, मणिदूर सिविल सेवा के अधिकारी श्री ए० इबोचा सिंह को मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निवेणालय में तारीख 8 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निवेशक जनगणना कार्य के पद पर सह्म नियुक्ति करते हैं। 2. श्री ए० इबोचा का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

दिनांक 29 जुलाई, 1983

सं ० 11/11/82-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, निम्नलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने कालम 3 में दिशत जनगणना कार्य निदेशालय में तथा कालम 4 में वी गई तारीख से, एक वर्ष से अनिधक अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, पूर्णत: अस्थायी और तवर्थ आधार पर विद्यमान शर्तों के अधीन पदोन्नित द्वारा सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहये नियक्त करते हैं:---

ऋ० सं० नाम	कार्यालय जिसमें सहायक निदेशक (तकनीकी) के पर कार्यरत है।	पद पर नियुक्ति की तारीख	मुख्यालय
सर्वश्री		,	
1. वी०पी० कटारिया	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली	76-83 (पूर्वाञ्च)	नई विस्सी
2. पी० एन० सिह्ना	जनगणना कार्य निदेशालय, बिहार, पटना	9-6-83 (पूर्वाह्र)	पटना
3. ए० एल० दास	जनगणना कार्य निदेशासय, बिहार, पटना	13-6-83(पूर्वीह्न)	पटना
4. पी० वी० जैम्स	मनगणना कार्य निवेशालय, कर्णाटक, बंगलौर	20-8-83(पूर्वाह्न)	बंगलौ र
5. जी० एम० डी० लोन	जनगणीना कार्य निदेशालय, महाराष्ट्र, बम्बई	23-6-83 (पूर्वाह्न)	सम्ब र्ड
6. आ र ० एस० पाण्डे	जनगणना कार्यं निवेशालय, उत्तर प्रवेश, लखनक	10-6-83(पूर्वाह्न)	लखनऊ

दिनांक 30 जुलाई 1983

सं 11/12/81-प्रशा०-I-इस कार्यालय की तारीख 15 जनवरी, 1983 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में, राष्ट्र-पित, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारी श्री एन० एक० गुप्ता की उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशालय में, संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 31 अगस्त, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री गुप्ता का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

पी० पद्मनाझ भारत के महारजिस्टार

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखाकार परीक्षक का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1983

सं० के० वा० ले० प० 1/62-69—कार्यालय सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा नई दिल्ली में कार्यरत श्री एस० बी० एल० सक्सेना लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवाषिता आयु प्राप्त करने पर 30-6-83 अपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गये।

एम० ए० सीमेक्बर राव संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1983

सं० प्रशा० 1/का० आ० संख्या/85—इस कार्यालय के स्थायी लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एस० के० वर्मा का 20-7-83 को निधन हो गया है इसके परिणामस्वरूप इनका नाम 21-7-31983 से कार्यालय की सूची से निकाल दिया गया है। श्री वर्मा की जन्मतिथि 1-5-1927 है और सरकारी सेवा में आने की तिथि 3-7-56 (अप०) है।

विनांक 1 अगस्त 1983

स० प्रशासन-1/का० आ० संख्या 189—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली ने मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय परन्तुक के अन्तर्गत इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभाग-अधिकारी श्री बृजभूषण अग्रवाल की 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान के समयमान में लेखापरीक्षा अधिकारी के ग्रेड में 31-3-1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश मिलने तक पदोन्नति की है।

सं प्रशासन-1/कार्यालय आदेश संख्या 100-निवेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय राजस्व इस कार्यालय के स्थानापन्त लेखा- परीक्षा अधिकारी श्री आनन्दसरूप शर्मा को 840-1200 रू के समयमान में दिनांक 21-7-1983 से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> न्न० तिपाठी संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० प्रशा०/1/1150/1/III—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग ब्रारा सन् .1981 में ली गई सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा के परिणाम के आधार पर निम्नलिखित व्यक्तियों को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में परिवीक्षाधीनों के रूप में उन के नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, सहुष नियुक्त करते हैं:—

% 0	सं॰ नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	कुमारी बीणा एस० पनिकर	01-09-82 (पूर्वाह्न)
2.	श्री उमंग मोहन	01-09-82 (पूर्वाह्न)
3.	कुमारी सबीना वेल्सन	• • •
	ें (अब श्रीमती सबीना वी० पिल्लै)	02-09-92 (पूर्वाह्न)
4.	कुमारी मधूलिका प्रसाद	01-09-82 (पूर्वाह्न)
5.	श्री दिनेश चन्द्र एस० नेगी	13-12-82 (पूर्वाह्म)
6.	्श्री टी० एस० कृपानिधि	01-09-82 (पूर्वाह्म)
7.	कुमारी संहिता घोष	01-09-82 (पूर्वाह्न)
8.	श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा	04-01-83 (पूर्वाह्न)
9.	श्री गुर स्वरूप सूद	31-12-82 (पूर्वाह्म)
10.	श्री प्रणांत नारायण शुक्ल	03-12-82 (पूर्वाह्म)
11.	श्री ए० विद्यासागर	30-12-82 (पूर्वाह्म)
12.	श्री पी० सो० वियाकसियामा•	01-09-82 (पूर्वाह्न)
13.	श्री डब्ल्यू० एल० हेंगिशिंग	18-12-82 (पूर्वाह्म)

वी० एस० जफा रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 25 ज्लाई 1983

सं० प्रगा०/1/1171/1/I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्निलिखत अधिकारियों को उवसमेवा के विरुद्ध प्रशासिक ग्रेड के स्तर—I (रु० 2500-125/2-2750) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, अगामी आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

1 श्री आर० कृष्णामूर्ति	17 जून, 83 (पूर्वाह्न)
2. श्री वी० एस० जफा	3 जून, 83 (पूर्वीह्य)

सं० प्रशा० /11/2606/83--I---वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्निलिखित लेखा श्रधिकारियों को, प्रत्यक के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीकों के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया :----

क ं सं० नाम, रोस्टर सं० सहित ,	ग्रेड	तारीख, जिमसे पेंशन स्थापना को अंतरित किए गए	संगठन संगठन
1 2	3	4	5
सर्वश्री			هي المنا المناسب
1. टी॰ सी० डावर (पी०/279)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) चण्डी गढ़।
2. जय लाल उत्थू (पी०/230)	<i>II</i>	31-3-83	रक्षा लेखा नियंत्रक, (उत्तरी कमान) जम्मू
3. धरमपाल लूथरा (पी०/143)	n	30-4-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) चण्डीगढ़।
 टी० आर० सरीन (ओ०/246) 	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-83	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना ।
5. पूरन सिंह बेदी (पी०/150)	स्थायी लेखा अधिकारी	30~4~83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक मध्य प्रदेश नागपुर।
6 पी०एन०एस० राघवन (पी०/325)	n	30-4-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास।
7. जगवीम चन्द्र कथूरिया (पी०/66)	11	30-4-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून ।
8. सुरेन्द्र सिंह स्याली (ओ०/284)	स्थानापन्न लेखा	31-5-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून ।
	अधिकारी ''		u
9. राम किशन सिंह (ओ०/528)	,,	315-83	2 - F-i (-1-F-)
10. पी॰ सुब्रह्मणियन् (ओ॰/115)		31-5-83	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकसा ।
11. एस० एम० कुमार (पी०/161)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे ।
12. एम॰ जे॰ संधाना (ओ॰/397)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-5-83	
13 एम० एम० शर्मा (पी०/32)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (मध्यम कमान) मेरठ ।
14. नित्यानन्द मुखर्जी (पी०/165)	17	30-6-83	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
15. जी० ई० कृष्णम्ति (पी०/332)	1)	30-6-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्थ रैंक) दक्षिण मद्रास ।
16. सीताराम गुप्ता (ओ०/590)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-83	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधी) मेरठ ।
17. एच० एस० मलिक (पी०/61)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-83	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान भेरठ।
18. एम० सी० मलहोला (ओ०/2)	स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी	30-6-83	रक्षा लेखा नियंत्रक (पश्चिमी कमान) चण्डीगढ़ ।

ए० के० घोष रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशा०)

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 28 जुलाई, 1983 आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1409/83-प्रशासन "राज०"/5097-सेबा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई में श्री एन० एच० खेर, नियंत्रक, आयास-निर्यात को 30 जून, 1983 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रवान की गई है।

> वी० के० मेहता उप -मुख्य नियंत्रक, आयात-नियति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंद्यालय

औद्योगिक विकास विभाग

सीमेण्ट नियन्त्रक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1983

सं० 7(5)/83/प्रशासन/5095--सीमेण्ट नियन्त्रक (विभागाध्यक्ष) श्री एम० टी० आहूजा, वरिष्ठ अन्वेषक को दिनांक <math>9-6-83 (पूर्वान्त) से अनुभाग अधिकारी के पव पर वेतनमान द० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर नियमित रूप से नियुक्त करते $\overline{5}$ ।

दिनांक 7 जुलाई 1983

सं० 7(5)/83/प्रशासन/156—सीमण्ट नियन्त्रक (विभागा-ध्यक्ष श्री एम० राजगोपालन, वरिष्ठ आशुलिपिक को दिनांक 30-6-83 (पूर्वाह्र) से वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद वेतन-मान रुपया 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1040 पर नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

> के० आर० अरुवामुधन संयुक्त सीमेण्ट नियन्त्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001 दिनांक 11 जुलाई 1983

सं० ए०-17011/219/83-प्र०-6-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने जमशेदपुर निरीक्षणालय की भण्डार परीक्षक (एसे इंग) कुमारी अमिता तरफंदार को दिनांक 16-6-83 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक तवर्थ आधार परस्थानापन्न रूप में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु रसायन) के कृप में उसी कार्यालय में नियक्त कर दिया है।

दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० प्र०-6/247(620)—राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक, बस्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री ए० एस० माथुर को दिनांक 7 मई, 1983 के पूर्वाह्म से 6 मास की अवधि के लिए कलकत्ता निरीक्षणालय में तदर्थ आधार पर निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) (भारतीय निरीक्षण सेवा पूप "ए" के ग्रेड-III इंजीनियरी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री माथुर ने दिनांक 30-4-83 के अपराह्म को सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी), बम्बई के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा दिनांक 7 मई, 1983 के पूर्वाह्म से निरीक्षण प्रधिकारी (इंजीनियरी), कलकत्ता के पद का कार्यभार संभाल निया है।

दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० ए०~17011/221/83~प्र००6 ~महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान बम्बई निरीक्षणालय के भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री कमला प्रसाद को दिनांक 1 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 जुलाई 1983

सं० ए०-17011/222/83 प्र०-6-्महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता निरीक्षणालय के भंडार परीक्षक (अभि-यांत्रिकी) श्री जी० एच० मंडल को उसी कांर्यालय में दिनांक 28 जून, 1983 के पूर्वाह्म से आगामी आदेश दिए जाने तक सदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/224/83 प्र०-6---महानिदंशक पूर्ति तथा निपटाना उत्तरी निरीक्षण मंडल नई दिल्ली के भंडार परीक्षक श्री आर० के० मिश्रा को 11 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेश दिए जाने तक निरीक्षण मंडल कलकत्ता में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जुलाई 1983

सं० ए०~17011/220/83 प्र०-6—महानिदेश एं पूर्ति तथा निपटान ने बम्बई निरीक्ष णालय में भंडार परीक्षक (इंजीनियरी) श्री आर० के० मलहोत्रा को उसी कार्यालय में दिनांक 27 जून, 1983 के पूर्विद्ध से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर नियुक्ति की है।

मं० ए०-17011/223/83-प्र० 6-महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान ने कलकत्ता निरीक्षणालय के भंडार परीक्षक (अभि०) श्री ए० के० बन्धोपाध्याय को उसी कार्यालय में दिनांक 28-6-83 के पूर्वाह्न मे अगले आवेश दिए जाने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांनिकी) के पद पर सदर्थ आधार पर स्थान।पन्न रूप से नियुक्त किया है।

> एस० एल० कपूर उप निदेशक प्रशासन कृले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान्

दिनांक 23 जुलाई 1983

सं० प्र०-6/247(323)—श्री आर० सी० भट्टाचार्या स्थायी निरीक्षण अधिकारी (धातु) और निरीक्षण निदेशक (धातु) बर्णपुर के अधीन उप निदेशक निरीक्षण (धातु), दुर्गपुर के कार्याक्षय में स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय

निरीक्षण सेवा समूह "ए" के ग्रेड-3) (धानुकर्म गाखा) को दिनाक 16 जून, 1983 के अपराह्म से अनिवार्य रूप से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिया गया है।

मोह्न लाल कपूर उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय-700016 भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता, दिनांक 20 जुलाई 1983

सं० /ए०-19012(3-एम० आर०)/83-19की ०---श्री मोक्ष राम को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650--- 30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 10-6-83 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6505 बीं o/एं -19012(3-एचं o पीं o एसंo)/83-19बीं o-श्री हरपाल सिंह को सहायक रसायतंत्र के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810- दं रों o- 35-880-40-1000- दं रों o-40-1200 हं के स्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, अगामी आदेश होने तक 15-6-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिवेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० 6655 बी०/ए०-19012 (बी० आर० एच०)/82-19ए०--महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री बी० आर० होशिंग को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन जियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-6-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 27 जुलाई 1983

सं० 6663 बी॰/ए०-19012(3-जी॰ एस० आर०)/
83-19बी॰--महानिदेशक, भारती भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण डा॰
जी॰ एस॰ रेड्डी को महायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 65030-740-35-810-द॰ रो॰ -35-880-40-1000द॰ रो॰-40-1200 ह॰ के त्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हों,
अस्याई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28-6-83 के
पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 28 जुलाई 1983

मं० 6687 बी॰/ए०-19012 (अ-एज० ओ० जी०)/83-19बी०--महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री हरि ओम गुप्ता को सहायक रमायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो० 40-1200 र० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला है, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 10-6-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 6698 बी॰/ए०-19012(3-ए० कि० जी॰)/83-19बी॰---महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री अणोक कुमार णोयल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमा-नुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-880-द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्याई क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 0-5-83 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

मं० 6710 बी०/ए०/19012 (3-एन० आर०)/83-19बी०-महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एन० राजाणेखरन को महायक रसायनज के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण श्री एन० राजाणेखरन को महायक रसायनज के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुमार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०- 40-1200- ६० के न्यूनतम वेतन में जैमा मामला हो, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 23-6-1983 के अपराह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 29 जुलाई 1983

सं० 6801 बीं०/ए०-19012 (3-आर० एस० ए०)/83-19बीं०-महानिदेशकः, भारतीय भूवैज्ञानिक, सर्वेक्षण श्री आर० एस० आल्ते को महायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वैतन में, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 15-6-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कृशारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण

कलकसा-16, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० 4-190/83/स्थापना--श्रीमती आशा दास, रिसर्च एसोमिएट (शारीरिक) को 15 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक मुख्यालय कलकत्ता में सहायक मानव विज्ञानी, भुप--ख, राजपन्नित के पद पर प्रोन्नित स्थानापन्ने किया जाता है।

दिनांक 26 जुलाई 1983

मं० 4-191/83/स्थापना—श्रीमती लिलता बोस, रिसर्च एसोसिएट (शारीरिक) को 15 जुलाई, 1983 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक मुख्यालय कलकत्ता में सहायक मानविज्ञानी (शारीरिक) ग्रुप-ख, राजपितित के पद पर प्रोन्निति स्थानापनम किया जाता है।

एम० एस० राजागोपालन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जुलाई, 1983

सं० 6(106)/63-एस०-1-श्री डी० अरुमुगम, कार्य-फ्रम निष्पादक, आकाशवाणी मद्रास का 17-5-83 की निधन हो गया है।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1983

सं० 1/12/83-एस०-2--महानिदेशक, आकाणवाणी एतद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के आगे लिखी तारीखों और कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर छेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं :---

लेखा अधिकारी का नाम व वर्तमान पदनाम	कार्यालय जहां इस समय कार्य कर रहा है	कार्यालय जहां नियुक्त किया · गया है	नियुक्तिकी तारी ख
2	3	4	5
ी आर० बेदवल्ली इंठ लेखा अधिकारी सं एल० सी० हिंगोरानी	वेतन और लेखा कार्यालय सूचना और प्रसा- रण्मंत्रालय, मद्रास वेतन और लेखा कार्यालय (इरला) सूचना	मुख्य अभियन्ता (दक्षिणी क्षेत्र), मद्रास । मुख्य अभियन्ता (उत्तरो क्षेत्र),	1-6-83 (पूर्वाह्न) 16-7-83 (पूर्वाह्न)
	वर्तमान पदनाम 2 ी आर० बेदवल्ली इठ लेखा अधिकारी	वर्तमान पदनाम 2	वर्तमान पदनाम गया है 2 3 4 ग्रिआर० बेदवल्ली वेतन और लेखा कार्यालय सूचना और प्रसा- मुख्य अभियन्ता (दक्षिणी इठ लेखा अधिकारी रण मंत्रालय, मद्रास क्षेत्र), मद्रास । स० एल० सी० हिगोरानी वेतन और लेखा कार्यालय (इरला) सूचना मुख्य अभियन्ता (उत्तरो क्षेत्र),

रकमिणी दास गुप्ता उपनिदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

भाष्मा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 30 जुलाई 1983

सं ० वी०/881/एफ० आर० डी०/स्था०-II/3162--श्री वेरुपतुरे रंगाचारी वरदन वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' पद का पदभार 30-4-1983 अप्रराह्मन को त्यागपत्र देने पर छोड़ दिया ।

एन० वी० रमणन उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 21 जुलाई 1983 तं० डी० पी० एस०41/2/83-प्रशा०/23154--परमाणु कर्जा विभाग के ऋय और भंडारि निवेशालय के निवेशक ने सहायक भंडार अधिकारी, श्री के० चन्द्रशेखरन की भंडार अधिकारी (सदर्थ) के पव पर पवीन्नत किए जाने पर स्थाई भंडारी श्री नीलकंठ बाबू रावनाइकर्णी को रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ता० 21-2-83 (पूर्वाल्ल) से 16-4-83 (अपराह्ल) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

विनांक 22 जुलाई 1983

सं० डीं० पी० एस०/41/2/83/प्रशा०-23280--परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निवेणालय के निदेशक
ने सहायक भंडार अधिकारी, श्री बीं० बीं० प्रभु, की छुट्टी
मंजूर किए जाने पर स्थायी भंडारी, श्री वामुदेव जिवाजी
देशपांडे को रुपए 650-30-740-35-810-द० रों०-35880-40-1000-द० रों०-40-1200 के वेतनमान में
ता० 9-5-1983 (पूर्वाह्न) से 18-6-1983 (अपराह्न)

सक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेणालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है ।

> पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैबराबाद-500762, दिनांक जुलाई 1983

सं०: ना० ई० स०/का० प्र० भ०/1603/2033—
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक जी वैज्ञानिक
सहायक ('सी') श्री वी० आर० म्हान्ने को नाभकीय ईंधन
सम्मिश्र में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०--35880-40-1000-द० रो०--40-1200 के वेसनमान में
६० 810/- प्रसिमाह के प्रारंभिक वेतन पर दिमांक
1-2-1983 से आगामी आदेशों पर्यंत अस्थाई तौर पर ''एस० बी॰''
श्रेणी में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी के रूप में नियुक्त
करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1983

सं० ए०-32013/13/82-ई०-I--राष्ट्रपति ने श्री प्रेमनाथ, विमान क्षत्र नियंत्रक को दिनांक 11-5-1983 से छ: मास की अवधि के लिए या नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निदेशक विमान क्षेत्र के ग्रेड में प्राक्षम पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 19 जुलाई 1983

सं० ए०--19011/36/80-ई०-І---श्री एस० के० बोस, निदेशक विमान क्षेत्र, कलकत्ता निर्वेतन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप दिनांक 30 जून, 1983 अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए०-32013/14/81-ई०-ि---बंगलौर में तैनात श्री टी० के० के० नायर, निदेशक वैमानिक निरीक्षण दिनांक 30-6-1983 अपराह्म से निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांफ 23 जुलाई 1983

सं० ए०-32013/6/82-ई० सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग में निम्नलिखित अधिकारियों की संचार अधिकारी के रूप में की गई तदर्थ नियुक्ति को प्रत्येक के सामने दी गई अवधि के लिए या पदों के नियमित आधार पर 2 206 GI/83 मरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है:--

क्रम नाम सं०	अवधि	τ
40	से	ःसक
1 2	3	4
सवश्री		7.1.
1. एस० आर० सेठी	1.7.82	24-8.82
2. वी०एन० अय्यर	$1 \cdot 7 \cdot 8 \cdot 2$	24.8.82
 टी० एस० प्रकाशम 	1.7.82	30.6.83
 एस० कृष्णामूर्ति 	1.7.82	30-6-83
5. के० गोपालकृष्णन	1.7.82	30.6.83
 द्वी० पी० चौहान 	1.7.82	30.6.83
7. एस० सरकार	1.7.82	30.6.83
8 एस० के० निआगी	30.5.82	30.6.83
9. के ० वी० वासुदेवन	1.6.82	30.6.83
10 वी० आर० श्रीनिवासन	10.6.82	30.6.83
11. के० डी० तुली	30.5.82	30.6.83
12- सी०एल०खेरा 13- एस०एस०चौधरी	30.5.82	30.6.83
13. एस० एस० चावरा 14. जी० एस० वेदी	17.6.82	30.6.83
14. जा० एस० जुदा 15. के • के ० सिद्धार्थन	30.5.82	30.6.83 30.6.83
16. के० सी० विस्तास	30.5.82 30.5.82	30.6.83
17. पी० आर० नायर	30.5.82	30.6.83
18. पी० के० दत्ता	16.6.82	30.6.83
19. एम० बी० के० मूर्ति	30-5-82	34.8.82
20. जे० भट्टाचार्जी	30.5.82	30.6.83
21. पी० एम० सुब्बद्दया	30.5.82	30.6.83
22. एम० एस० पाल	30.5.82	30.6.83
23. डी० पाल	26.6.82	30.6.83
24. पी० रामदास	30.5.82	30.6.83
25. एम० एस० सचदेव	2.12.82	30.6.83
26. घी० रंगानाथन	1.7.82	30.6.83
27. बी० बी० दत्ता	30.5.82	30:6.83
28. रामजी सिंह	5.6.82	30.6.83
29. एस० के० सेन	30.5.82	30.6.83
30. के ं.सी० सेन गुप्ता	30.5.82	30.6.83
31. एच० देव	2.6.82	30.6.83
32. एस० गोविन्दराजन	12.9.82	30.6.83
33. एस० बासु	12.9.82	30.6.83
34. आर०वी०खरे		30.6.83
35. पी० एन० मलिक	12.9.82	
36. टी० वी० नटराजन		30.6.83
37. एस० एस० दत्ता	12.9.82	
38. एस० एल० चेडा	12.9.82	
39. ए स ० एन० सेन		30.6.83
40. सी० आर० नारायनन	29.11.82	30.6.83

1 2	3	4	1 2 .	3	4
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			52. ए० के० मुल्ली	30.9.82	31.12.82
41. साइबल गुप्ता	24.9.82	30.6.83	53. एस० ही ० घोपड़ा	13.9.82	31.3.83
4.2. ए० के० मुखर्जी	1.12.82	30.6.83	54. জঁ ০ সার্জ	20.9.82	30.6.83
43. के० एस० गोपालन	2.12.82	30.6.83	0.4.		
६५. के० एन० नायर	1.7.82	24.8.82			
•	1.7.82 1.6.82	24.8.82 30.6.82	2. उपर्युक्त अधिकारियों	•	-
45. जी० कन्नाय्यान	*		पर वे नियमित नियुक्ति का दा	ावा करने के हक द	र नहीं होंग
15. जी० कन्नाय्यान 16. एस० आर० अय्यर	1.6.82	30.6.82	पर वे नियमित नियुक्ति का दा तथा तदर्थ आधार पर की गई	वा करने के हकद सेवाइस ग्रेड में न	ार महीं होंगे सो वरीयत
45. जी० कन्नाय्यान 46. एस० आर० अय्यर 47. एस० मनीक्कम	1.6.82 11.6.82	30.6.82 31.12.82	पर वे नियमित नियुक्ति का दा तथा तदर्थ आधार पर की गई के प्रयोजन के लिए औरन ही	वा करने के हकद सेवाइस ग्रेडमें न अगरुं उच्चतरग्रेड	ार महीं होंगें सो वरीयत
45. जी० कन्नाय्यान 46. एस० आर० अय्यर 47. एस० मनीक्कम 48. पी० एस० एन० मूर्ति	1.6.82 11.6.82 1.7.82	30.6.82 31.12.82 30.6.83	पर वे नियमित नियुक्ति का दा तथा तदर्थ आधार पर की गई	वा करने के हकद सेवाइस ग्रेडमें न अगरुं उच्चतरग्रेड	ार महीं होंगे सो वरीयत
 44. के० एन० नायर 45. जी० कन्नाय्यान 46. एस० आर० अय्यर 47. एस० मनीक्कम 48. पी० एस० एन० मूर्ति 49. वी० वी० हरनाल 50. एम० के० देसाई 	1.6.82 11.6.82 1.7.82 2.7.82	30.6.82 31.12.82 30.6.83 30.6.83	पर वे नियमित नियुक्ति का दा तथा तदर्थ आधार पर की गई के प्रयोजन के लिए औरन ही	वा करने के हुकद सेवाइस ग्रेड में न अगले उच्चतरग्रेड एगी।	ार महीं होंगें सो वरीयत

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० ए० 32014/2/63-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित अधीक्षकों को, जो इस समय प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में सदर्थ आधार पर कार्यरत हैं, दिनांक 23 जुलाई, 1983 से र० 650-30-740-35-810-30-35-880-40-1000-द० रो०<math>-40-1200 के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी कार्यालय में नियमित आधार पर पदोन्नत करते हैं:—

ऋ० सं०	नाम	मौजूदा तैनाती स्टेशन जहां पर तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं			स्टेशन जहां पर नियमित आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के रूप में तैनात किया गया		
 1. প্রী	आर० जी० शिन्दे	क्षेत्रीय (नि देश क,	नम्ब ई	क्षे०		वस्बई
. 2. "	एस० सी० मलिक	n	"	मद्रास	11	**	मब्रास
3. "	वी० आर० एस० नायर	"	11	मद्रास	n	77	मद्राक्ष
4.	के० टी० सीन	n	11	कलकत्ता	1)	,,	कलक ता
5. "	एच० जी० दास	, <i>"</i>	"	कलक रा	"	17	कलकता

दिल्ली 27 जुलाई 1983

सं० ए०--22015/4/83-ई० एस०--महानिदेशक नागर विमानन ने श्री कें० एल० ग्रोवर, भण्डार अधिकारी का विनांक 21-6-83 (पूर्वाह्म) से पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशक में परावर्तन हो जाने पर उनका ध्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सं० ए.०-32016/9/83-ई० एस.०--महानिदेशक नागर विमानन ने सर्वश्री डी० एस० धुर्वे और अमृतलाल भंडार सहायक को दिनांच 23-7-83 से रु० 650-30-740-35-810-द० चो०-35--880-40-1000-द० रो०--40--1200 के वेतनशान में कमश : क्षेत्रीय निदेशक कलकत्ता और भेन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो अधिकारी (समूह 'ख') के पद पर नियमित रूप में नियुक्त किया है।

जगदीण चन्द्र गर्ग सहायक निवेशक प्रशासन

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1983

सं० 6-4/82-ई०-ई०-निम्निलिखित कर्मचारियों को उनके नामों के सामने लिखित तिथि से अगले आदेश नक केन्द्रीय भूमि जल कोर्ड में सहायक अभियन्त। के पव पर जी० सी० एस० श्रेणी 'श्रे' (राजपन्नित) वेतनमान १० 650-30-

740-35-810-द॰ रो॰-35-880-40-1000-द॰ रो॰-40-1200 में अस्थाई तौर पर मियुक्त किया जाता है।

क्रम संख्या	नाम	नियुक्ति की तिथि		
1 श्री 2 श्री	इंकबाल अहमद कें० पूरनाचन्द राव	21-12-1982 (पूर्वाह्न) 8-4-1983		
	एस० के० मानकताला	(पूर्वाह्म) 6-4-1983 (पूर्वाह्म)		

एस० के० धास, मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य

फरीदाबाद, दिनांक 3 अगस्त 1983

सं० 3-594/82—सी० एच० (स्था०) — श्री ए० के० नन्दी को साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ख' (राजपतित) में रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-40-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक जल-भूबिज्ञानी के पद पर अस्थाई आधार पर, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में, 16-7-1983 (पूर्वाह्र) से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-597/82-सी० एच० (स्था०)--श्री जी० सुदर्शन की साधारण केन्द्रीय सेवा समूह खं (राजपितत) में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 व० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक जल भूविज्ञानी के पद पर, अस्थाई आधार पर, केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में, 15-7-1983 (पूर्वास्त्र) से अगले आदेश होने तक नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल मूजिज्ञानी तथा सदस्य

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1983

सं० 27-ई०/एम०(28)/69-ई० सी-2-राष्ट्रपति, के० लो० नि० वि० के स्थाई सहायक इंजीनियर (सिविल) और स्थानापन्न कार्यपालक इंजीनियर (सिविल), फिलहाल आयकर विभाग, बड़ीवा में मूल्यन अधिकारी के नाते कार्यरत, श्री पी० एम० मेहता की दिनांक 30-4-83 की स्विच्छिक सेवा निवृत्ति के लिए दी गई मूचनों को स्वीकार करते हैं और फलस्वरूप उन्हें दिनांक 31-7-1983 (अपराह्म) से समय-सयम पर संशोधित केन्द्रीय सचिवालय सेवा (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48-ए के अधीन किए गए प्रावधानों के निबंधनों के अनुसार सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्ति करते हैं।

नीना गर्ग, प्रणासन उप निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्यं मंत्रालय (कम्पनी कार्यं विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

नम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हरियाणा हूम पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1983

सं० 6718—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा 560 (3) के अनुसरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं अधियाणा हुम पाइण्स प्राइवेट लिमिटेड दा नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

सूष्य बलूर, कम्पर्नः रीजस्थार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कपूर चिट फण्ड्स एण्ड फाइनेंस प्रा० लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1.983

सं० 3821/242/18195—कम्पनी अधिनियम, 1956 की बारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतवद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैं० कपूर चिट फण्डस एण्ड फाइनेंस प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पना विघटित कर दी जाएगी।

जेड० एस० नेगी, सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा कम्पनी अधिनियम, 1956 और आपेक्ष कर्माणयल एण्ड फाइनसिएल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1983

सं० 669/560/मीं० पीं० कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतदहारा सूचना धी जाती है कि आपेक्ष कर्माशयल एण्ड फाइनेंशियल कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस० बी० मास्टर, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और केरला क्लियरिंग ऐजिसिज प्राइवेट लिमिटेड

सं० 2273/लिक्वि०/560(3)/83— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदब्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर क्लियरिंग एजेंसिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पंचापकेशन, कम्पनी का रजिस्ट्रार

केरल

आयकर अपीलीय अधिकरण

वम्बई-400020, दिनांक 16 जुलाई 1983

सं० एफ०-48-एडी०/एडी०/1983--श्री एस० वी० नारायन, वरिष्ठ आशुलिषिक आयकर अपीलीय अधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ, हैदराबाद जिन्हों तदर्थ आधार पर, अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पव पर आयकर अपीलीय अधिकरण, वम्बई न्यायपीठ, इम्बई में छः माह की अबधि के लिए विनांक 1-12-1982 से 31-5-1983 तक कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना कमांक एफ० 48-एडी०/एटी०/ 1983 दिनांक 21-3-1983 को ग्रव आयकर अपीलीय अधिकरण, वम्बई न्यायपीठ, बम्बई में उसी आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 1-6-1983 से 31-8-1983 तक और तीन माह की अबधि के लिए या जब तक उक्त पद पर निममित भर्ती नहीं की जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमित प्रदान की जाती है।

उपर्यक्त नियंकित तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० वी० नारायन को उसी श्रेणी में नियमित नियंक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार प रप्रदत्त सेवाए न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जाएगी और न ही दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्तत किए जाने की पालता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ०-48-एडी०/एटी०-1983-श्री एन० मी० चतुर्वेदी, स्थायी, हिन्दी अनुवादक आयकर अपीलीय अधिकरण, इलाहाबाद न्यायपीठ, जिन्हें तदर्थ आधार पर: अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में तीन माह की अवधि के लिए दिनांक 16-2-1983 से कार्य करने की अनुमति प्रवान की गर्य खी, देखिए इस कार्यालय की अधिसूचना अमांक एफ०-48-एडी०/ एटी०/1983 दिनांक 31-3-1983 को अब आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में उसी आधार पर सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 16-5-1983 और तीन माह की अवधि के लिए या जब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती, जी भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्यूक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एन० सीं० चतुर्वेदी की उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगा और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जाएगी और न ही दूसरी उच्चत्तर श्रेणी में प्रोक्षत किए जाने की पावना ही प्रदान करेगी।

> र्टा० डी० सुग्ला, अध्यक्ष

कार्यालय आयकर आयुक्त लखनऊ, दिनौंक 28 जुलाई 1983 अ।यकर विभाग

सं० 94—श्री ओंकार प्रसाद श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, इलाहाबाद प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग 'ख') के पद पर आफिसिएट करने के लिए ६० 650—30—740—30—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नन पर उन्होंने 24+6—83 के पूर्वाह्म में आयकर अधिकारी (संग्रह) कार्यालय आयकर आयुक्त , इलाहाबाद के रूप में कार्यभार सभाला।

सं० 94—-श्री बृजराज सिंह, आयकर निरीक्षण, लखनऊ, प्रभार की आयकर अधिकारी (वर्ग 'ख') के पद पर आफि-सिएट करने के लिए रु० 650—30—740—30—810—द रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के वेतन, मान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नत पर उन्होंने दिमांक

24-6-83 के अपराह्म में कर वसूली अधिकारी, बरेली के रूप में कार्यभार संभाला।

'सं० 96--श्री श्याम किशोर श्रीवास्तव, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी (वर्ग 'ख') के पद पर आफिसिएट करने के लिए ए० 650-30-740-30-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के

वेतनमान में प्रदोसन पिया गया है। प्रदोन्नति पर उन्होंने आयकर अधिकारी, अन्मोडा के रूप में 23-6-83 के पूर्याह्न में कार्यभार संभावा।

> धरनी धर, आयकर आयुक्त लखनऊ

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस. ----

नाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर,दिनांक 1 जलाई 1983

निदेश सं० ए० एम० आर०/83-84/65---अतः मसे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो सरवपुरा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हैप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति संस्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गद्दं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- b) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियीं को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) र उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ं अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियाँ अर्थात् :---

(1) श्रोमती अर्रविदर कौर पत्नी श्री श्रीतपाल सिंह, गली नं० 4, सरवरपुरा, अम्तमर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती धरमजीत कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह, गली नं०, 4, सरवरपुरा, अम्तसर ।

(बन्तरिती)

(3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी। जानता है कि वह संपत्ति में हित-घढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यू क्तुया मी सी किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता**रीख सै** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो। उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो गली नं० 4, सरवरपुरा, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12460/18-11-1982 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहला आई० आर० एस० यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 1-7-1983

मोहर:

प्ररूप आइ. टी एन एस . ----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ं धारा 269- घ (1) के अधीन स्चरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई 1983
निदेश सं० ए० एम० आर०/83-84/66--अतः भुझे,
सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु० से प्रधिक है

और जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो सरवरपरा, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वों क्ल संपरित के उचित बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान ग्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्ल सम्पर्तित का उचित आजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती [अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नां जित उदद्येष्य में उचन अन्तरण लिस्ति में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्द में कमी करने या उससे वचने में सृक्षिधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या निया होता जीहिए था, जिसाने में त्विथा के सिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ः—— (1) श्रीमती अरिवन्दर कौर पत्नी श्री प्रीतपान मिह, गली नं० 4, मरवरपुरा, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री मिया सिंह, मकान नं० 9799/37, गली नं० 4, सरवरपुरा, अमृतसर।

(अन्तिरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताकरी
 जानता है कि वह
 संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के <mark>जिए</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्यों कर अविश्व में से किसी व्यक्ति ख्वारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की द्वारी **च से**45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिश्णः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पूर्वों का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हो।

अनुसूची

एक जायदाद जो गली नं० 4, सरवरपुरा, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12601/22-11-1982 को रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

मी० एम० काहलों आई० आर० एम० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज अनृतसर

तारी**ख** : 1--7-1993

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयु,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमतसर, दिनांक 1 जुलाई 1983 निदेश सं० ए० एस० म्रार०/83-84--67--अतः मुझे, सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रज. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गुरू नानक नानक नगर, बटाला में स्थित है (और इसमे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमा करन क उसम बचन में भूषिकः के लिए; कौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

क्ता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री अवतार सिंह पुत्र श्री दीवान चन्द, गुरूसानक नगर, बटाला।

(अन्तरक

(2) श्री सौवागर सिंह पुत्र श्री बुआ विक्ता मेहरा, वासी बटाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिकोग में संपक्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी— हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताअदी के शास निवित में किए जा सकोंने।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनसची

एक भिमा का प्लाट 16 मरले जो गुरू नानक नगर, बटाला में हैं दिंसा सेल डीड नं० 4380/10-11-82 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, बटाला में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस०. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमतसर।

तारीख : 1-7-1983

मोहर ः

प्ररूप आर्ड .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/68--अतः मझे, सी०एस०काहलों आई० आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजीत नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबब अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अभः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--3--206 GI/83

(1) शिरोमणी गरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी द्वारा श्री मनजीत सिंह पुत्र श्री इकबाल सिंह, मार्फत प्यारा सिंह सिंधी, गाव वैरोवाल, तह्मील जिला अमृतसर।

(अन्सरक)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता हैकि वह मंपत्ति में हितबद्ध है) (अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है । 45 दिन की अविधि या तरसंत्रधी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ख्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अमुस्पी

एक जायदाव जो अजीत नगर, अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं 1234 ता 16-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षमः प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-7-1983

मोहर :

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/69 अतः मुझे, सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो राम नगर, सुलतान विंड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के किए तय पामा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त अंतरण लिखिता में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निकित अपित्तयों, अर्थात् ह--- (1) श्री गुरिदयाल सिंह पुत्र हजूरा सिंह, वासी राम नगर, अमृतसर अब 131, रानी गार्डन, शास्त्री नगर, नई दिल्ली द्वारा : श्री संतोष सिंह पुत्र अछर सिंह, 484, ईस्ट मोहन नगर, ग्रमृतसर।

(2) श्री अवतार सिंह पुत्र सोहन सिंह, मकान नं० 1201/12 गली अरोड़यां चौक,

> फरीद अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता – क्षरी जानता है कि बह संपत्ति में हितबद्ध है).

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन! की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीभा से 45 दिन के भीतः उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितः बढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा समोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त भिक नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अन्सूचा

एक जायदाद नं० 4710 जो रामनगर, सुलतान सिंह, अमतसर में है जैसा सेलडीड नं० 13154 तारीख 1-12-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (दिरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-7-1983

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , मब्रास मब्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निषेश सं० ए० एस० आर०/83-84/70-अतः मझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसरों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाव है तथा जो राम नगर, सुलतान विंड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबंड अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मूम्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का ग्लूड प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री गरिदयाल सिंह पुत्र हजूरा सिंह, बासी राम नगर, अमृतसर अब 131, रानी गार्डन, शास्त्री नगर, नई दिल्ली द्वारा: श्री संतोष सिंह पुत्र अछर सिंह, 484, ईस्ट मोहन नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री हरचरन सिंह सचदेवा पुत्र श्री सोहन सिंह सचदेवा, वासी 1201/12, गली अराड्यां चौक, फरीद अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
 में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

एक जायदाद नं० 4710 जो राम नगर, मुलतान विंड, अमृतसर में है जैसा सेलडीड नं० 12975 तारीख 29-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 1-7-1983

मोष्ट्र :

प्रकृप बाइ . टी . एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 1 जलाई 1982

निवेश सं० ए० एस० आर० /83-84/71--अतः मुझे, ती० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो राम नगर सुलतान विंड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कस, निम्निसित उद्वेद्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवभा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिंश व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्री गरिवयाल सिंह पुत्त हज्रा सिंह, बासी राम नगर, अमृतसर अब 131, रानी गार्डन शास्त्री नगर, नई दिल्ली द्वारा : श्री संतोष सिंह पुत्र अछर सिंह, 484, ईस्ट मोहम नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्दर सिंह पूज सोहन सिंह, सच्देवा, वासी 1201/12, गली अरोड़यां चौक, फरीद अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्बी

एक जायदाद नं० 4710 जो राम नगर मुलतान विड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12976 तारीख 29-12-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख: 1-7-1983

मोहर:

प्रकार कार्युः टी. एत्. एत्. एत्.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक मायुक्त (निरीक्ष्ण)

अर्जन[्] रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 1 जलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/72--अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नावार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाय है तथा जो आर० बी० बुनी चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पर्नोक्त सम्पत्ति के खिलत काजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रद्व प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलित उद्देश्य से एकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत जक्त श्रिक्तियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तूरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम; या धनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के किए;

नतः प्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-श्ररण में। में। उक्त मधिनियम की धारा 299-व की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नितिषित व्यक्तियों धर्यात:--- (1) श्री भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, ग्रेटर कैलाश, दिल्ली द्वारा श्री सुरजन सिंह पुत्र गंडा सिंह, 38, ह्लाइट एक्च्य, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, कटड़ा मित्र सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में बकाशन की सारीच से
 45 दिन के जीतर जक्त क्यावर संपत्ति में
 हितवक्ष किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी
 के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण !--- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उनल प्रक्षितियम के प्रत्याय 20-स में परिचाषित हैं, नहीं धर्म होगा जो उस प्रण्याय में विवा गया है।

अनुसूची

एक जायदाव जो आर० बी० दुनी चन्द रोड, अमृतसर में है जैसा सेलडी ह नं० 12284 तारीख 12-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर 😗

त्ररूप बाइं. टी. एवं. एस. - - - ----

नायकर गौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जलाई 1983

निदेश सं ए० एस० आर०/83-84/73-अतः मुझे, सी० एस० काँहलों, आई० आर० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

औरजिकी सं० एक जायदाद है सथा जो आर० बी० दुनी रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) मा धक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निश्चित क्यक्तियों, जनति ध---

(1) श्रो भूपिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, ग्रेटर कैलाग, विल्ली द्वारा सूरज सिंह, पुत्र गंडा सिंह, 38, व्हाइट एवन्य्०, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, कटड़ा मित्र सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी क्रांस्के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

जन्सूची

एक जायदाद जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में है जैसा मेलडीड नं० 13349 तारीख 6-12-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० स० कॉहलों,आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर:

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमतसर, दिनांक 11 जलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/74--अतः मुझे, सी०एस० कॉहलों,आई० आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन स्थ्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनु— सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ये यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री भूषिन्दर सिंह पुत्र करतार सिंह, ग्रेटर कैलाग दिल्ली द्वारा सुरजन सिंह पुत्र गंडा सिंह, 38, व्हाइट एवन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदीप सिंह पुत्न श्री हरभजन सिंह, कटड़ा मित सिंह, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह संपत्ति हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

ननुसूची

एक जायबाद जो आर० बी० दुली चन्द सी० एस० एस० ग्राई ग्रार एस रोड भ्रमृतसर में है जसा चेल डीड न 0 रजिस्ट्री-कर्ती ग्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एस॰ कॉहलों, ग्राई॰ ग्रार॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर

प्रस्प वार्ड . टी . एम् . एच . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/75--अतः मुझे, सी० एस० कॉहलों, आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. - से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो आर० बी० दुनी जन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिद्द; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सी सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो भूषिन्दर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, विल्ली द्वारा सुरजन सिंह पुत्र गंधा सिंह, 38, व्हाइट एवन्यू, अमृतसर ।

(अन्तरक)⁻

(2) श्री सतपाल महिन्दू पुत्न श्री किशनचन्द महिन्दू, बारा मकान, इस्लामाबाद, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हित**बढ़ है**)

का यह सूचना धारी करके पृत्रों कर स्पृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से
 45 दिन की जबिंध या तत्स्वी मिन्स्यों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी
 अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स
 मिन्स्यों में से किसी व्यक्ति इवाहा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस-विश्व किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताआरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वधाकरण्ड-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-निक्ष के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो आर० बी० दुनीचन्य रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12075 तारीख 8-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में वर्ज है।

सी० एस० कॉहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

सारीख: 11-7-1983

पोहर ः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत' सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर,दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेण सं०ए० एस० आर० 83-84/76-अत: मझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से विधिक है

और जिपकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतभर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अशोन, नारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वरस करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक क्ष्म से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—4--206 GI/83

(1) श्रीमती दलबीर कौर उर्फ बीर कौर, श्री रघबीर सिंह पुत बीर रघबीर सिंह, दिल्ली ग्रेंटर कैंजाण, अमृतगर द्वारा श्री सोहन सिंह पुत श्री करतार सिंह, बासी बहादुर नगर, सुलनान सिंह रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश महेन्द्र पुत्न सतपाल महेन्द्र बारा मकान इस्लामाबाद, अमतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराए दार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) औरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी— हस्ताक्षरी सम्पत्ति हैं कि वह में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो श्रार० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में है जैमा सेल डीड नं० 12063 तारीख 8-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> ए, सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर 🖫

प्रकथ बार्ष: टी. एस. एस.

. <mark>आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4</mark>3) की धारा 269-**व** (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/77-अ-अतः: सीं० एस० काहलों आई० भ्रार० एस०

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार कें कार्यान्य, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्दुष्टेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरंण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्थिश के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अभ, उत्सत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उस्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को सभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीममती परिमन्दर कौर पत्नी

 पत्नी मनोहर सिंह,
 बहादुरर नगर,
 मुलतान रोड निड
 अमृतसर,
- (2) श्रीमती विजय महिन्दू पत्नी श्री अविनाश महिन्दू, बारा मकान इम्लामाबाद, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा अपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

जन (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारें भें अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितव**ह है**)

को यह मुखना जारी करके पृष्यांक सम्पन्ति के ज्यान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्त्वतंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद फिसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो आर० बी० दुनीचन्द रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12073 तारीख 8--11--1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी॰ एम॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारी**ख** : 11-7-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/78--अतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी एक भूमि का प्ताट है तथा जो आर० बी० दुलीचन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्तः, अब रक्तः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री सुरजन सिंह, 38, व्हाइट एवेंन्यू, अमृतसर।
- (2) रमेंग महेंद्र पुत्र (अन्तरक) श्री सतपाल महिन्दू, बारा मकान इस्लामाबाद, अमृतसर।

(अस्तरितो)

- (3) जैसा ऊपर स॰ 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिलड़ कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इंगर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन कर बारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो आर० बी० दुलीचन्द रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा सेल डीड सं० 12074 तारीख 8-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में वर्ज है।

> सी० एम० काहलो, आई० आर० एस० सक्षम प्रतिभकारी सहायक गायकर आयुक्त (निहासिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

गारीख: 11-7-1983

मोहर:

त्रस्य नार्षः ठौ. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-न (1) जो न्भीन सुम्ता

भारत सहकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतस

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/79-अतः, मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमिं का प्लाट है तथा जो बी०बी० स्कीम तंगवाला अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से तुइ किसी जाय की बाबता, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कभी करने या उससे बचने से सुजिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आगं वा किसी भनं या अन्य आस्तियों का, जिन्हें शारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना काहिए भा छिपाने में स्विशा को बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिम्बित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र श्री महिन्दर सिंह, 28, गार्डेन कालोनी, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी श्री इकबाल सिंह, भाम तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार है। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके द्यारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के वर्षन के लिह कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की जनिय ए तत्सावना, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जा भी अगीध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वावस व्यक्तियों में से फिली क्यक्ति हैं।
- (ख) इस एचना के राजपथ भी प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मा हितवहुम किसी जन्म स्थापत अपाहस्ताकरी के पास लिखिल मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः - इतमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह¹, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह²।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 200 व० व० जो टी०पी० स्कीम, तंग वाला अमृतसर में है जैसी सेल डीड नं० 12842 तारीख 25-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आप्रें, टी. एन, एस. -----

आयुक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/80--अतः मुझे, सीं० ए० काहलों, आई० आर० एस०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो टी॰ पी॰ स्कीम तुंग वाला, अमृतसर में स्थित है (और इनते उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किर्स, शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे जिसी अप या किसी धन या जन्न अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हरीपाल सिंह पुत्र
 श्री महिन्दर सिंह,
 १८० गार्डेन कालोनी,
 अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीप कौर पत्नी श्री मखान सिंह, गांव भंडेर, तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ब किसी व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अमुसुची

एक भूमि का प्लाट 200 वर्व वर्वो टीर पीर स्कीम, तंगबाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 12843 तारीख 25-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी॰ एस॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीखा : 11-7-1983

मोहर 😗

प्रकप् वार्ड .टी . एन् . एस् . ------

नामक्र निर्मानस्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भवीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/81—अतः, मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

आवकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो टी० पी० स्कीम तुंग वाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतमर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्ष का जिल्लीकित उद्देशिया प्रका अन्तरण लिभित्त में बान्तिविक्ष से किथत नहीं किया ग्या है ध---

- ्या अन्तरण्य स ह्यू किया आय की बावत, उक्त श्रीभाष्यम अ अशीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विशा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मजिसित व्यक्तियों, अधीत् ॥—— (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र श्री महिन्वर सिंह, 28, गार्डेन कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुलदीय कौर पत्नी श्री साजन सिंह, भंडेर तहसील अजनाला, जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु संपत्ति में हिसबद्ध है)

सो यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्पृत्ति क्षे अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:~~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारोंन की तारील रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 200 व० ब० जो टी॰ पी॰ स्कीम, तुंगवाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 12844 तारीख 25-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० काह्नलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीय : 11--7-1983

मोहर:

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमनसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

Same C, 14.11.1 11 Squite 1883

निदेश सं० ए० एस० आर०-83-84/82-अतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो टी० पी० स्कीम, तुंगवाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के पर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पर्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पांया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असेरिनी दवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री हरीपाल सिंह पुत्र श्री महिन्दर सिंह, 28, गार्डेन कालोनी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री इकबाल सिंह पृत श्री तेजा सिंह, गांव भाम तहसील बटाला जिला गुरदासपुर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोद्दस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 200 व० व० है जो टी० पी० स्कीम, तुंगवाला, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12841 तारीख 25-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> सी॰ एस॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ता**रीखा** : 11-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983 निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/83--अतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

भायकर मिर्धिनयम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त यिवितम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करते का कारण के कि ह्यावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ध्रु से ग्रीसक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रं करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख नवम्बर को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम प्रतिकाके लिए धन्तरित **है भीर मुझे** य_{ें} विश्वास करने का का**रण** है कि यथापृषीक्ष संपत्ति का उचित बरजार दुण्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत प्रधिक है भीर अस्परक (अन्तरकों) धीर धन्सरिती **बैद्धाला रि**नियो े के तील ऐसे अन्तरण के लिए, त्या पाया गणा प्रति⊸ फल निम्नानिष्यान उद्देश्य से उथत अन्तरण किन्तित में आस्त्रिक 💌 ने कथित नहीं किया एपा 🗄 🚎

- (क) अस्तरण से ६५ किसी आप ही साबत उकत स्रिक्त वियम के अधीत कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्पादन में सृक्षिश के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उपत धीकिनियम, या धनकर धीकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान हैं सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, सकत अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीर, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री सुरजीत चन्द पुत्त
 श्री किणन चन्द,
 गली नं० 5,
 तहसीलपुरा, अमृतसर।
 - (2) श्रीमती नीलम कांता पत्नी श्री विजय कुमार, 164, शरीफपुरा, (अन्तरक) अमृतसर।
- (1) श्री दलबीर सिंह,
 श्री हरविन्दर सिंह, पुत्रान
 श्री गुरचरन सिंह,
 खाडूर साहब तहसील तरन तारन,
 जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपरसं० 2 में कोई किराएदारहो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. और कोई।

्वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :——
 (क) अप सूचमा के राजपात में प्रकाशन की तारीख में 45
 विज की प्राप्ति मा तरम-बन्धी व्यक्तियों पर गुजना की शमील से 30 दिन की प्राप्ति, जो भी प्राप्त बाद में ग्राप्ति होती हो, के मीतर पूर्वीक्त क्यांकित पर्विक स्थापति सारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो मजीठा रोड, सर्कल नं० 110, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11761 तारीख 2-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> ी॰ एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर:

प्ररूप बार्ड दी एन एस ..-----

भायकर स्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीतृ सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेश सं० ए० एस० आर०/83-84/84--अतः मुझे, सी॰ एस० काहलों, आई० आर० एस०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तुंगबाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्विक्ष सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दिह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कर्मे या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

(1) श्री तिलक राज पुत्न श्री ईशर दास, पवन नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी श्री सुरिन्दर सिंह चाहल, 3961, विजय नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती).

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

उक्त संपत्ति के अर्जन् के संबंध् में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उनतः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक भूमि का प्लाट 150 व० ग० जो तुंगबाला, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12928 तारीख 26-11-1983को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में दर्ज है।

सी॰ एस॰ काहलों; आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर 🗈

प्रस्तप आहें . टी., एन . एस . : :----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/85-- अतः मुझे, सी॰ एस० काहलों, आई० आर० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो बाजार पापड़ा, अमृतस र में स्थित. है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या य, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई हिस्सी आय की बाबत, उत्कत सिंपिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ठ; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुरा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री दिग्विजय सिंह मान पुत्र मेजर बलबीर सिंह मान, मानावाला खुदं, तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रवतार सिंह पुत श्री किरपाल सिंह, बाजार पोपड़ा, अमृतसर ।

(अन्तरितो)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगं में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

स्त्रो यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत में प्रकाशन की तारी हैं के 45 किन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वान की तामीन से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्थाप्त के 45 विन के शीतर उच्चत स्थायर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य क्यांत क्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों मीड पर्वो का, जो उनत् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

एक जायदाद 434 वर्ण मीर्व जो बाजार पापड़ा, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नंव 11807 तारीखा 3~11~1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

सी॰ एस॰ काहलों, आई॰ आर॰ एस॰ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर ः

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक अत्यहर आयुरत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए०एस० अमृतसर/83-84/86--अतः मझे, सीं एस० काहलों आई० आर० एस० भायवर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे बनमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास क'रने का कारण है कि रूपावर सम्पन्धि, जिसका खर्चित बाजार मृत्य 25,000 /- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो तुंग बाला, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण परू रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमतसर में सै विणत है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्नेयह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्नींक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का विन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्यक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में

> (क) अन्तरण से हुई जिल्ही आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

वास्तविक रूप से कश्वित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बानां चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मृत: गया, उन्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं उन्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ओम प्रकाण पुत्ने श्री दीवान चन्द, पवन नगर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री तिजक राज पुत्र श्री ईगर दास, पवन नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितवद्व है) .

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरी।

स्पृष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, यो उक्छ किंपिनयम यो अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमागया है

अनुसूची

एक जायदाद 1 कनाल 12 मरले जो तुंग बाला, अमृतसर में है जैसा सेल ढींड नं० 12701/23-11-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोह∵र∵ः

प्ररूप आहे. टी. एम्. एस्. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चु (1) के मुधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकद आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर,विनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० अमृतसर/83-84/87--अतः मुझे, सी० एस० काहलों, आई० आर० एस०

नायकर निभिनित्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्सें इसके पश्चात जकत निभिन्यम कहा गया है) की भारा 269-ख के निभीत सक्षम प्राधिकारी को, वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी ० टी ० रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नवम्बर, 1982

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्त्रण से धुद्द किती आयुकी बाब्त, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्व में कभी करने या उससे बुखने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, किया जाना के लिए;

ज्ञाः नवु, उन्तु अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सूरती उर्फ सूरता सिंह पुन श्री वधावा सिंह, पटी सुलतान सुलतान विड, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिविन्दर सिंह रंधावा पुत्न श्री सुरेन सिंह , गांव विलाटेजा, तहंसील बटाला, जिला गरवासपूर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊंपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोगें में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपरित्य के वर्णन के सिए कार्यनाहियां कारता हूं ॥

उन्तु सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वनित स्मृतितयों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में दित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा भृषाहस्ताकरी के पास निविद्य में किए जा सुकांगी।

स्पव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में पृरिभाषित हैं हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विय गुया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो जी० टी० रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13009/29-11-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ेंप, अमृतसम्

तारीख: 11-7-1983

मोहर 🕄

प्रकप बाई • ठी • एत • एस •----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269क (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निवेश सं० अमृतसर/83-84/88-- अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई०आर०एस० आयकर प्रश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25;000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जी० टी० रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास् करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है चौर घन्तरक (घन्तरकों) घोर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिकित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औरू/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य कास्तियों को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: प्रव, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुरती उर्फ सूरता सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह, पटी सु तान सुलतान विड, अमृतसर।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती तजिंदर कौर पत्नी श्री दिवन्दर सिंह रंधावा, श्रांच मैनेजर पंजाब एण्ड सिंध बैंक, धारीवाल जिला गुरदासपुर।

(अम्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपक्षि में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आबेप।---

- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध को भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतच पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के कींतर उक्त स्वावर सम्बक्ति में हित-वद किसी घन्य व्यक्ति हारा; बधोहस्ताखरी के पस सिवात में किए जा सकोंगे।

स्यव्योक्तरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को जनत श्रिमियम: के श्रध्याय 20-क में परिकाचित है; वही जब होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो जी॰ टी॰ रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 13008/29-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई०आर०एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर ।

प्ररूप आहैं. टी. एन. एस. - - - ----नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर,दिनांक 11 जु<mark>लाई</mark> 1983

निदेश सं० श्रमृतसर/83-84/89-- अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई०आर०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करुमें या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ु— (1) श्री कुंदन सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह, द्वारा श्री केवल किशन पुत्र श्री मदन लाल, सामने बिजली घर वेरका, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बूज लाल पुत्र श्री मोहन लाल, लोहगढ़, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

थनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 12520/19-11-1982 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहरु 🕃

प्ररूप बार्ड, टी. एन्. एस. ===--=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसः

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/90-- यतः मुझे, १० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो तिलक नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कंदन सिंह पुत्र इंदर सिंह द्वारा श्री केवल कियान पुन्न श्री मदन लाल, विजली घर के सामने, वेरका, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मैं० आर० आर० वेअर हाऊस, 358, तिलक नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोस्हताक्षरी जानता है कि बह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के गर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो तिलक नगर, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं॰ 12521 तारीख 19-11-1982 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० ंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) निरेज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/91-- यतः मुझे, सी॰ एस० काहलों आई० आर० एस०

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो निरंकारी एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रनजीत सिंह पुत्र श्री प्रधान सिंह, गली मोचियां कटड़ा महा सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मेजर गयान सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह पासी श्रयोबाला, तहसील तरन तारन, जिला अमृतसर।

(अन्सरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
 संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में विया गमा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो निरंकारी एवेन्यू, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12681 तारीख 23-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहर 🖫 🕆

प्रकल आहे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर० /83-84/92--यतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ट्रा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. रो अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो पुरानी मार्किट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), तथा र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंसरिती की गई है और मृक्षे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि प्रथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एंसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के सिए; और/या
- (भा) एसी किसी आय था वित्सी धन था अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आय-कर विविनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था के विविद्य जाना वाहिए था, स्थिन में स्विंग के लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् :---

(1) श्री किदार नाय पुत्न श्री सन्त राम, गली नं० 3, बाग रामानन्य, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीमा मल्होत्रा पत्नी श्री धर्मवीर मल्होत्रा, गली नं० 3, बाग रामानन्द अमृतसरः।

(अन्तरिती)

- · (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
 - (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को शह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी क्यितिहारों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ल) इस सृष्यना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ण किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निस्ति में किए का सकीं थे।

स्व्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्तों तरीर पदों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिवा

अनुसूची

एक जायदाद जो पुरानी भाकिट, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12469 तारीख 17-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> मी० एस० काहलों आई आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारक सरकार

कार्यालय , सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/93--यतः मुझे. सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो मसून रोष्ट, पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उदबेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथि-नियम के अधीत कर दोनें के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उपसे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धूरी सिंह पुत्र केहरो, गांय मधून, तहसील पटानकोट, जिला गुरदारपूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतिन्दर कुमार पुत श्री प्रका लाल गुप्ता, भारत फ्लोर मिल, इनहौजी रोड, पठानकोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जैया अपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एक भूमि का प्लाट 19 कनाल $\cdot 14$ मरले जो ममून रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 2467 दिनांक 8-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के नार्यालय, पठानकोट में दर्ज है।

सीं० एम० काहलों आई० आर० एस० संक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 11-7-1983

मोहर 🗯

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण

अजेन रेंज, अमृतसर

अमृतस्र, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं । ए० एस० आर०/83-84/94--- अतः मुझे, सी० एस० काह्लां आई० आर० एस०

आयकार अंबिनियम, 1961 (1961 वर्ष 13) (जिस इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अभिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जवम्बर, 1982

को पूर्वीवत संपत्ति के उचित वाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हीं भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः अब, उपल अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, भी, उपल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री पूरन चन्द, आप व जनरल एटार्नी, कटड़ा आहलुकालिया, अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार पुत्र श्री बृज मोहन , गली गुलेरियां चौक, दरबार साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

*(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में संपत्ति है)

*(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता हैकि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

जकत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया ही।

अभूस्ची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12240 तारीख 12-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> संग्रं एस**् काहलों आई० आर० एस०** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **रेंज,** अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/95—अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— (1) श्री वेद प्रकाण पुत्र श्री पूरन चन्द, आप और जनरल एटार्नी, कटड़ा आहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री बृज मोहन, गली गुलेरियां चौक, दरबार साहब, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

*(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

*(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियौं में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12239 तारीख 12-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एसं० काहलों आई० आर्० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूपु आहर्, टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एग० आर०/83-84/96--अतः मुझे, सी० एस० काहलो आई० आर० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूषि का प्लाट है तथा जो न्यू नार्डेन कालोनी, अमृतरार में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में पित्रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वो क्त संगत्ति के उचित हाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, जिम्मिलिखित उद्दोख से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित वही किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुद्दं जिसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकालनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपयारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वेद प्रकाण पुत्न श्री पूरन मन्द, आप व जनरल अटार्नी, कटड़ा अह्लुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र बूज मोहन, गली गुलेरियां चौक, दरबार साहब, अमृतसर।

(अन्तरिनी)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (5) आरकोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना भारों करके पूर्वोक्त सम्मिक्त अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षर :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीगर पूर्वीकत व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीप्ट नं० 12879 तारीख 26-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्षा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर 👉

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के बुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निवेश सं० ए० एस० आर०/83-84/97--अतः मुझे, सीं० एस० काहलों आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

ततः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वेद प्रकाश पुत श्री पूरन चन्त्र, आप व जनरल अटार्मी, कटड़ा आहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार पृत्न श्री वृज मोहन, गली गुलेरियां चौक, दरबार साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएबार हो। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (5) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो– हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्त की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतमर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12880 तारीख 26-11-1982 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

सी॰ ए॰ गकाहलों आई॰ आर॰ एस॰ मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारीख: 11-7-1983

भोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/98—अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहर, उसके रहममान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अंतरण निक्ति में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने से बचने में सूविधा के लिए; आर्र/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोज गर्ध अंतरियनी दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन घन्य, आप व अटार्नी जनरल, कटड़ा अहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार, अशोक कुमार और दीपक कुमार पुद्धान श्री बृज मोह्न, गसी गुलेरियां चौक, दरबार साहब, अमृतसर।

(अन्तरिंती)

*(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

*(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिनबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त श्रस्तों आरे पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 13200 तारीख 2-12-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> मी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

नारी**ध** : 11—7—1983

प्रचय दार्के ही एन एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/-99-अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आरं० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस के दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसित में बास्तिबक रूप सं किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कन्नी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

्(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द, आप व जनरल अटार्नी, कटड़ा अहलुवािलया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्न बृज मोहन, गली गुलेरियां, चौक दरबार साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो– हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 12878 तारीख 26-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

तारीख: 11-7-1983

मोहार :

प्रकृष बाई .टी .हन .एस .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/100-अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 •(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बौर/वा
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 7—206GI/83

(1) श्री वेद प्रकाश पुत्र पूरन चन्द, अप व जनरन अटार्नी, कटड़ा अहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र बृज मोहन, गली गुलेरियां, चौक दरवार साहव, अमृतसर।.

(अन्तरिती)

•*(3) जसा ऊपर स० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोइस्ताक्षरी जानता है किं वह संपन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सबत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्री कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गई लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गाउँन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12472 तारीख 19-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृत- में डर्ज है।

> मा० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन, एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83~84/101—अत: मुझे, सी० एस० काहलीं आई० आर० एस०

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विकित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में निज़र्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कि जिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किए। आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्ले भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा िया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविया के तिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्यत् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वेद प्रकाण पुत पूरनचन्द. आप व जनरल अटार्नी, कटड़ा अहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुन्न बृज मोहन, गली गुलेरियां, चौक दरबार साहब, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा श्रें उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में हैं जैसा सेल डीड नं० 12238 तारीख 12-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज हैं।

> सीं एस० काहलों आई० आर० एस० मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-7-1983

मोहर ;

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एम० आर०/83—85/102—अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो न्यू गार्डेन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन; तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत रो अधिक है और अंतरक (अंतरवर्गे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्युदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री वेद प्रकाण पुत्र पूरन चन्द, आप व जनरल अटार्नी, कटड़ा अहुल्वालिया, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार पुत्न बृज मोहन, गली गुलेरियां, चौक दरबार साहब, अमृतसर ।

(अन्तरिंबी)

- (3) जैसा उपर सं० 2 में कोई किराएदार हो (वह व्यक्तित, जिसके अधिभोग में संपत्ति **इ**)
- (4) और कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानता है कि बह गंगत्ति में हिनुबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध मी कोई अक्षी :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अबर्धि या तल्सम्बद्धि क्योक्तयों पर सूचना की राजीन ने 30 दिन की बद्धि , को भी अवध्य कद मा समक्त है। तो हो, के भौतर पूर्वीक्स व्यक्तिनों मी से किसी व्यक्तित दुन्दा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकारन की तारीख से 45 थिए के भेटार उपत स्थानर गामाभ मा हित-ब्यूय किभी अन्य व्यक्तित द्यान अधारुकाश सी के पास विभिन्न मो किए या सहयो।

स्पष्टोकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दा और १८६१ तो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20 ५ में परिसापित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

जधुसुद्धी

एक भूमि का प्लाट जो न्यू साईस कालोगें. अपून्तार में हैं। जैसा सेल डीड नें० 12471 सारीख 19-11--1982 में र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतनार में दर्ज है.।

> सी ० ए० कारती आई आर० एस० अक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 11-7-1983

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनंब रिंग, अगुल्पार

अमृतन्नर, दिनांदर 11 जुलाई 1-083

निदेश सं० ए० एस० आर०/४३-४४/१४३--अतः मुझे, सी० एस० कौहलों आई० आर० मुख०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राणिकार। को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विश्वत बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं े एक भूति का प्याट है तथा जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित है, (और इनने उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्षित लिखकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिकिश्य, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नक्षका, 1962

को पूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित अध्या स्वा ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अप्तरित को स्वा है जो गाँउ ग्रेड यह विश्वास करने का कारण है कि युग्छश्या समानि का उचित आजार मुख्य, असके दृश्यमान प्रतिकृत में पूर्व प्रतिकृत प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हो कोर अप्रस्था (अत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच मुखे बन्दरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचिश्वित स्कुद्धिया से उन्नत अन्तरण लिखित में गास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई िकही आप की बाबत, उक्त अधिनियम के लखीत कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करी का उससे बचने मो सुविधा के लिए; और/सा
- (स) एसी जिस्ती का पर विकास ता अन्य आस्तियों की, जिस्तों सारकार कार किया की नियम, 1922 (1922 की 11) के किया की जीवानसम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकाट कहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने मो स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कर भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनित्त के भारा 260-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिय व्यक्तिहों, वर्षक .---- (1) श्री वेद प्रकाश पृष्ठ पूरन चन्द. ओप व जनरल अटार्नी, कटड़ा अहलुवालिया, अमृतसर।

(अन्तरक).

(2) श्री दीपक कुमार पृत्न बृज मोह्न, गली गुलेरियां, चौक दरवारी साहब, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर मं० 2 में कोई किराएदार । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)
- (5) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूर्यः

एक भूमि का प्लाट जो न्यू गार्डन कालोनी, अमृतसर में है जैसा सेल घीड नें० 12470 तारीख 19-11-1982 को - रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलां आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

नारीख: 11-7-1983

मेहर 🤌

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर,दिनांक 13 जुलाई 1983

् निदेश सं० ए० एस० आ४०/83-84/104--अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आ४० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजनाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था .या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निमन्तिमित लिक्ति लिक्तिमें, अर्थात् :--

(1) श्री वलजीत सिंह, कमलजीत सिंह, (नावालिग) सरदूल सिंह, वासी गुमटाला द्वारा गाडियन: सरदूल सिंह पुत्र सुदागर सिंह, गुमटाला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर कौर पत्नी श्री धरम सिंह गुरखरूण सिह, 439, गरीन एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपरमं० 2 में कोई किराएदार है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबंद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो अजनाता रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11825 तारीख 3-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है :

> नी० एस० काहन्तों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/105--अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजनाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) थन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, 'उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तिस्थां, अर्थान :---

(1) श्री गरजीत सिंह, रनजीत सिंह . पुतान श्री लखा निंह, गुमटाला द्वारा गाजियन : श्री लखा सिंह पुत्र मुद्दागर सिंह, गुमटाला, असृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवित्दर गौर पर्ना श्री धरम सिंह गुरबंख्य सिंह, 193, गरीन एवन्य, अमृत्रसर।

(अन्तरिदी)

- (3) जैसा क्रयरसं० 2 में कोई विराः्दारहो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(बहर्क्जन, जिनके बारे में अधो-इस्ताक्षरी जानता है कि बह संपत्ति में हिनबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अविष की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वारिताओं में के दिल्ली वार्कित वारास;
- (ख) इस सूचना के जजपश में प्रकाशन की तारीच न 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनस् अधिनियम, के अध्याग 20-दा में यथा परि भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याप में दिया गया हो।

अग्सूची

एक जापवाय जो अजनाता रोड, अमृतसर म है जैसा सल डीड नं० 1182। तारीख 3-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतगर में दर्ज हो।

सी विषय काहलों, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयवत (निरीधण)
अर्जन रंज, अमृतसर

नारीख : 13 -7--1983

गा∂्र ↓

प्रकृष आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अथीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतगर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निवेश सं० ए० एस० आर०/83-84/106--अतः मुझे, सी० एस० काहलो, आई० आर० एस०

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुग में अधिक है

और जिसकी सं ० . एक जायदाद है तथा जो अजनाला रोड, अमृतसर में स्थल है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी खे, नवस्त्रर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मधिनदर सिंह, गमटाला तह्मील, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर गौर पत्नी श्री धरम सिह, 493, गरीन एवन्यू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(बह्ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोक्त हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हि**तबद्ध है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू.।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद जो अजनाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं 11822 तारीख 3-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> मी० एस० काहलो आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतूसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/107--अतः मुझे, सी० एस० काहलो आई० आर० एस०

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजनाला रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1382

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री करमबीर सिंह मनजीत सिंह पृवान थी जोगिन्दर सिंह,, पुमटाला तहरीच, अमृतसर !

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दिवन्दर कौर पत्नी श्री धर्म सिंह, 493, गरीन एवन्यू, अमृतसर।

(अत्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराए दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो**हस्ताक्षरी** जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक जायदाद जो अजनाला रोड, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 11823 तारीख 3-11-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है ।

> भी० एस० काहलो आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-7-1983

प्ररूप आहं . टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सें० ए० एस० आर०/83-84/108--अतः मझे, सीं० एस० काहलो, आई० आर० एस०

आयुक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिह्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गुमटाला तहसील, अमृतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

की पूर्वीक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य जे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस की अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की लिये; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृष्यंत् ः—— 8—207 GI/83 (1) श्री लखपत राय मेहता, पुत्र लाला जगन्नाथ, गुमटीला तहसील, जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा परया पत्नी श्री विजय कुमार परया, फतेह गढ़ तहसील, बटाला, जिला गरदासपुर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपरसं० 2 में कोई किराएदारहो। (वेह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपंत्ति है)
- (4) और कोई । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षेरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबंद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओंप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्क्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त एव्दों और पर्दों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

अनुसूची

एक जायदाद 295 वर्ण गर्ण जो गुमटाला सहसील, अमृतसर में जैसा सेल बीड नंर्ण 11902 तारीख 5-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-7-1983

मोष्टर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/109--अतः मुझे. सी० एस० काहलों आई० आर० एस०,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गांव नंगली, अमृतसर में स्थित है (और इसससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया?

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों., अर्थाक्ष :--- (1) श्रीमती अमरजीत कौर पत्नी श्री सोहन सिंह, गांव नंगली, तहसील व जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्यार कौर पत्नी श्री हरदीप सिंह उदोवाल, तहसील बटाला, जिला गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक भिम का प्लाट जो गांव नंगली, तहसील अमृतसर में जैसा सेल डीड नं० 12291 तारीख 12-11-82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 13-7-1983

मुक्त बार्व हो, एवं, प्रा.--

नायकर अभिनित्न्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

बारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 13 जुलाई 1983 निदेश सं० ए० एस० आर०/83-84/110-अतः मुझे, सी० एस० काहलों आई० आर० एस०

भायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उच्यत् अभिनियमं कहा गया है), की भाष 269-य के अभीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपरित जिसका उचित वाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो गांव नंगली, अमृतसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान शृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विक्शास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क न निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कांग्रित नहीं किया क्या हैं---

- (क) अन्तरण वे हुइ किसी बाव की बावत उचतु अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में काबी करने वा संख्ये ब्यने में कृषिणा के निये; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, किन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिर्यों, अर्थात् ः—

(1) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री जवाला सिंह, नंगली तहसील व जिला, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजिसंदर कौर पत्नी श्री सुरजन सिंह, गलीनं० 14, लोवर बाजार, शिमला।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो~ हस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त् संपति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 1000 व० ग० जो नंगली सहसील, जिला अमृतसर में जैसा है सेल डीड नं० 12185 तारीख 6-11-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में धर्ज है।

सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 13-7-1983

मोहर 🕃

प्ररूपः आर्द्दः टी. एतः एसः -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं आर० ए० सी० नं० 280/83-84-अतः मध्ये एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवार्त जिसे अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7 है तथा जो एस० पी० रोड, सिकृत्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफुल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अफ़िनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी: किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म सूर्विस्था के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैसर्स भानोदया बिल्ड्सं, प्लाट नं० 1218, रोड नं० 36, जुबली हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्सरक)

(2) श्री राम भूपाल, 5-8-37, फते सुलतान लेन, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षरेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सें। 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पह सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष, जरे भीत अविध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरि के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट .नं० 7, प्रंथम तल, एस०पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 940 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत किलेख, नं० 27.33/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्रकप आहोत दीत एकत एस ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 281/83-84--अतः मुक्को, एस० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो आलवाल आर० आर० जिला में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनमूजी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वस्लभ नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करते का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रसिधत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येष्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर धेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य असिसयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पी० बासम्या औरअन्य, 4/26, ओल्डआलवाल, आर० आर० जिला।

(अन्तरक)

(2) फादर आलानगर को-आपरेटिय हाऊसिंह सोसाइटी लिमिटेड, आलवाल, सेक्रेटरी : श्री पी० आनन्द राव, कैंटीन मैनेजर, लायल अकादमी, आलवाल, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागतः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसं सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्धें। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणितः हैं, वहीं कर्ध होगा थे। उस अध्याय के दिवाः गया है।

अनस्ची

खुली बंजर भूमि, विस्तीर्ण 8 एकड़, आलवाल गांव, आर० आर० जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2300 और 2301/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंबराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बाय्क उ म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 282/83-84-अतः महो, एम० जेगन मोहन,

मायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अं सुविधा के लिए;

ज्तः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निधित व्यक्तियों, अर्थात् ७(1) गर नानक को-आपरेटिय हाऊसिंह सोसाइटी, $8-3-320/\mathbb{Q}/1$, वेल्लारे**ड्डीगुडा**, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें ० सुव्रमन्यस्वर राव, दोसापाडू, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्वति के अर्थन के निष्

ब क्य सम्पत्ति को कर्जन के सम्बन्ध में कोई जाक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्ना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पध्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

मन्सूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1050 घौ० गज, बेगमपेट, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2517/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वस्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्रसप धाई• डी• एन० एस●-----

भागकर गाँधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालच, सहायक बायकर वायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 283/83-84--

अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विश्वका उचित वाजार मृत्यू 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खली जमीन है तथा जो मलकाजगिरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर] में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों अर्थात ध--- (1) श्री एस० मधुसूदन रेड्डी,6-11, मलकाजगिरी,हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दी सेन्टरल इंस्टीट्यूट आफ इंगलिश और फारेन लागवेजेस, को०-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लि०, उस्मानिया यूनियसिटी, कम्पर्स हैसराबाद

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यां क्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 15 एकड़ 34 गूंठे, मलकाजिगरी सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2400/82, 2409/ 82, 2396, 2393, 2508, 2538, 2552, 2302, 2244, 2317, 2228 और 2235/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभनगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

मोहरः

श्रुक्ष्य मार्दे . टी . एन . ऐस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 284/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसि किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर मृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया थन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यन्तित्यों, अर्थात् :— गुरुनानक को-ऑपरेटीव्ह हाऊजींग सोलाइटी,
 8-3-320/ए/1, येल्लारेड्डीगृला, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2 श्री श्राइ०मारूर्ता राम 8-3-320/ए/1, येल्लारेड्डीगुडा, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्थन् के संबंध् में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पेर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंतं बंदें किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 955 चौ० गज, **बेगमपेट, हैदराबाद,** रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2516/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं अार ्ए० सी० न ० 285/83-84 अतः मुक्के, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्द अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं कथा गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कसी करने या छलसे मचने में सृविभा को लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सृविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—206 GI/83

(1) गुरु नानक को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, 8-3-320/ए /1, वेल्लारेड्डीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आई० आचता कुमारी,
 8-3-320/ए/1,
 बेल्लारेड्डीगुडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिका)

भा यह सुमना जारी करके पृत्रों कत सम्मृत्ति के अर्थन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षारी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्पी

खुली जमीन धिस्तीर्ण 1019 चौ० गज, बेगममेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2515/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लम नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 286/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नगम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के। 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्ल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गुरू नानक को०-आपरेटिव सोसाइटी हाऊसिंग लिमिटेड, 8/3/320/ए/1, वेल्लारेडीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक श्रीवास्तव,8-3-320/ए/1,वेल्लारेड्डीगुडा,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध • किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**त्र**

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1042 चौ \circ गज, बेगमपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं \circ 2511/82, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, वल्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

ोहर

प्रस्प भार्द^क्टी , एन , एस , ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना शार्द शुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 287/83-84-अतः मक्षे, एम० जेंगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है'), की भारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्मिति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बल्द्रह प्रतिकात से अधिक है और खंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के तिए तय पावा गवा प्रति-फल निम्नीसीयत उद्धेश्य से उचत संतरण निष्यत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है——

- (क) क्लाइण वे हुन्द किन्नी जाव की बाबत खबत किंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए और्/का
- (य) वृत्ती विश्वती भाव ना विश्वती भन वा अन्य नास्तियों को, विज्व भारतीय कावकर निभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर भृषिनियम, या भनकर विश्वनियम, या भनकर विश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा में निष्;

सोसाइटी लिमिटेड,
8-3-320/ए/1,
बेल्लारेड्डीगुडा,
हैदराबाद ।

(1) नानक को०-आपरेटिव हाऊमिग

(अन्तरक)

(2) श्री के० पूरनाचन्द्राराव, यूडूपूगाली, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारहै करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी लाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 774 चौ० गज, बेगमपेट, हैदराबाद. रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2513/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वस्लम नगर।

> एम० जेगन मीहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख: 13-7-1983

प्रकृ बादी, टी. एम. एवं. -----

स्रायक विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

नारंत परक्रम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 288/83-84--अतः मुभै, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्तक प्रचाद 'एक्ट्रं विधिन्यम' कहा नवा है), की भारा 269-स के अधीन समन प्राधिकारी को यह दिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बल्लभनगर में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को प्राधित संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाजिए था. खिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के स्थीन, निम्निसिद्दि व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) गुरू नानक को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, 8-3-320/ए/1, येलारेड्डीगुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० नागभूषनम,. 1-1-380/38, ए न्यू काकाराम, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकींगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

वनसूची

खाली जमीन, विस्तीर्ण 664 चौ० गज, बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2514/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983 मोहर

प्ररूप भाई० ही॰ इन॰ इड॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत समुख्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 289/83-84-अतः मधे, एम० जेगन मोहन, स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के वधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्म 25,000/० ६० से धिवक है और जिसकी सं० खुली जमीन है नथा जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभ नगर

अधीन, तारीख नवम्बर, 1982
को पूर्वीकत सम्मित के जिंबत वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मृज यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का खिलत बाजार मृत्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह
प्रतिग्रत प्रधिक है भीर जन्तरक (प्रन्तरकों) और बक्तरिती
(प्रन्तरितिगों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त यग्तरण किखित में
वास्त्विक कप से किथत नहीं किया गया है।——

में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; जाँदु/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी घन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या छक्त घ्रविनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में बुविधा के बिए;

(1) गुरू नानक को०-आपरेटिय हाऊसिंग, सोसाइटी लिमिटेड, 8-3-320/U/1, येलारेड्डीगडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पीर्कृष्णां कुमारी, निदमानूरू, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रताक राज्यत्व में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूत्रता की लामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योकरण :---इसमें प्रमुक्त सन्दो और पर्या का, जो उक्त अधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 754 चौ० गज, बेगमपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2509/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बल्लभ नगर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

जतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन,, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र—

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आड². टी. एन. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 290/83-85—अतः मुक्के, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 711 है तथा जो जनवाडा गांव, आर० आर० जिला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, रंगारेड्डी जिला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित नपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से करैंयत नहीं किया नवा है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के सुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त बीधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोधनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

सतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डीं॰ एन॰ जनाय, केयर आफ जनाय नर्रासग न, ईस्ट माडेरपल्ली, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती ए० शारदा देवी और अस्य, जनवाडा, आर० आर० जिला।

(अन्तरक)

का यह सूचना चारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त तम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सुमाप्ता होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोक स्प: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधानमम के बध्धाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

खुली जमीन विस्तीर्ण 8 एकड़, 37 गूंठे, जनवाडा गांव, रंगा रेड्डी जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8161/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, रंगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

मोहर

प्ररूप काइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैयरायाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 291/83-84-अतः मुक्को, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8-2-438/5 है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबल, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुंभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० एस० मूर्ति,
 पिता लेट श्री बी० आर० मूर्ति,
 सइफाबाद, टेलीफोन एक्सचेंज,
 हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती_न रइता बजाज पति हरिन्दर सिंह 8~2~438/5, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख : 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्राहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

घर संपत्ति नं० 8-2-438/5, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2238/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 13-7-1983

प्रक्य बार्च . दी . एन . एस . --------

शंगिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 292/83-854-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त नोभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उद्युक्त नाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8-3-222/1/4 है तथा जो वेल्लारेड्डी गुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालया हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1900 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की एई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :---

 श्री ए० राजा रवुनाय पिता श्री ए० मैंसम्या,
 1-6-147/1,
 खंडोजी बाजार,
 सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहोंमद आतुर रहमान फर्की, पिता मोहिमद इस्माइल, धर नं० 1-19-1, रसुलपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्पन के स्वान्य में कोई भी बाबोप्:---

-) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्वी

घर संपत्ति नं० 8-3-222/1/4, बेल्लारेड्डीगुड़ा, हैवराबाद, विस्तीर्ण भूमि 500 चौ० गज, प्लीथ एरिया, 144 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7517/82, रजिस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा^द

तारीख: 13-7-1983

मोहरः

प्रकप् वार्षं. टी., एन., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत त्रकार

कार्यांतयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 293/83-84-अतः सुक्ते, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 404 है तथा जो कोंडयापालम, नेलौर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के जीवत बाजार मूस्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है:——

- (क) अन्तरण्ं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पी० सुब्बारामया, पूनुर गांव, इंदूकूरपेट तालुक, नेलीरजीला

(अन्तरक)

(2) श्री डी॰ चलमरेड्रडी पिता लिगा रेड्डी, और श्रन्य 21/80 बालाजीनगर, नेलौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारी स से 45 दिन की अविधि या रात्सम्बन्धं। व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यवित्यों में से किसी व्यवित वृशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रव। । की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मितित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 व में गरिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया ही।

मन्स्ची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 132 1/2, अंकानामस, कोंडया-पालम, नेलौर जिला, ऱिजस्ट्री कृत विलेख नं० 5333/82, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्रकप भाई। डी। एन। एस।---

भायकर **श्रिष्टियम, 1961 (1961** का 43) की भाषा 28 कम (1) के अभीन सूबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराँबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 294/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन *

धायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269 का के घंधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25;000/- वपये से अधिक है

और जिसकी सं एस० नं 70, 72, 73 और 74 है तथा घोकाटा गांव में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माडेरपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 166) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है पोर मुझे यह विश्वान इस्ते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्वी (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) कर्न्दरण से हुई किसी भ्राय की बाबत छक्त श्रीवियम के भ्रीवीन कर देने के भ्रश्तरक के वायिरव में कमी करने पा उससे अवने में स्विधा के किए धीर या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या भ्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रीविनयम, या भ्रम कर ग्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिस्हा

ग्रतः श्रवः, प्रकतः अधिनियम की धारा 288-ग के अनुसरण में, में, उत्तत प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अभीन मिम्नक्षिकित व्यक्तियों अर्थात्।— श्री बी० व्ही० प्रकाश रेड्डी,
 1-12-195, तारवंड,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स संजीवय्या नगर को०-आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी , 1-10-170, बोबेनपल्ली, सिकन्वराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकानन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, बही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया !

अनुसुची :

खुली जमीन विस्तीर्ण 2420 यौ० गज, थोकाटा गांव, बोबेनपल्ली, सिकन्दराबाद, कोंटेनमेंट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2877/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1982

प्रस्य मार्च .टो .एन .एस . ------

मायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत् (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 205/83-85—अतः मुक्के, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8-2-120/86/4/ए/25 है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एक दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीप, निम्नीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० सी० श्रीवास्तवा पिता
लेट डाक्टर डी० एल० श्रीवास्तवा,
4/1/912/5,
दीनाबाद इस्टेट,
तिलक रोड,
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० इंदीरा वेंकटरमन, पति टी० आदिनारायणा, घर न० 11-6-655, नमपल्ले, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्दित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

अनुसूची

घर संपत्ति न० $8-2-120/86/4/\overline{\nu}/25$, बजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 350 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2138/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 206/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं ब्युली जमीन है तथा मलकाज गिरी, सिकन्दरा जो बाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

- 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निखित में वास्त्र्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—
 - (क) असरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

भतः अव, उन्ते आधानयम का धारा 269-ग क अनुसरण भं, मं, उन्ते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री नरस लाल, मलकाजगिरी, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) दि संजीवा नगर को-आपरेटिव हाऊसिग सोसाइटी , 595, चींतला, कूलबूलापूर, मेडचेल तालूक, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 2430 नौ. गज, मलकाजगिरी, सिकंदराबाद, रिज़स्ट्रीकृत विलेख नं० 2219/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर

> एम० जेगन मोह सक्षम प्राधिका सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जान रेंज, हैदराब

तारीख: 13-7-1983

प्रकृप बाह् . टी . एम . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 297-83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रलेट नं 12 ए है तथा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में, और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उसत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया बाना वाहिए था, कियाने में स्विभा के निए;

कतः वय, उक्त विश्वित्वय की बाउा 269-म के वनुकरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स भानोदया बिल्डसं, प्लाट नं० 1218, रोड नं० 36, जुबोली हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

(2) श्री आर० गोविन्दराजन, फ्लैंट नं० 12-ए, पद्मा अपार्टमेंट्स, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूंक करता हुं।

उसत सम्परित के नर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख भे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस वृद्ध किसी व्यक्ति वृद्धारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिहिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरुणः — इसमें प्रयुक्त शुख्यों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12-ए, दूसरा मंजिला, एस० पी० रोड, सिकन्बराबाद विस्तीर्ण 803 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2732/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई टी. एच. एफ. -----

आयुक्तर अधिनियमः, 1961 ((1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 208/83-84--आतः मझे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्रशिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आफिस नं० 12, तीसरा मंजिला है तथा जो एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अधिनियम नधम्बर, 1982

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निस्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनिया, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उक्त सिपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री भरद एस० आदित्या,
 1-11-251/2,
 वेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यम्रार्ल्ड बिल्डर्स केर आफ तोता राम सागर लाल , 4-1-968, आबीद रोड, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से िक सी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति या
- (■) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्ति रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 12, तीसरा मंजिल, यमराल्ड हाऊस, एस० डी॰ रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 360 चौ॰ फीट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7885/82, राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1083

प्ररूप आहु". दरी. एन्. एस्. ----------

जाबकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) की बारा 2€9-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयक र आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 299/83-84-अतः मुक्षे, एम० जेगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की बारा 269 ज के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादर संपत्ति जिसका स्वित बाजार भूत्य 25,000/- दे से स्वांक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5 है जो एस० पी० रोड, सिंकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेणपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पृथोंकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृख्य, उसके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गग्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अध्य बास्तियों हो; जिन्हें बारतीय घाय-कर प्रधिनियम; 1922 (1922 का 11) या धक्त अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थं घन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के जिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रे- (1) मैसर्स भानोदया बिल्डर्स, प्लाट नं० 1218, रोड नं० 36, जुबली हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

श्रीमती टी० ऊषा रामनाथ, 5-9-202/1, चीराग-आली लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने ।

स्पक्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं नर्थ होगा को उस अध्याय जें दिवा सुवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 5, प्रथम तल, पेग कालोनी, यस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 803 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख ं० 2730/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेड पल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबा**द**

तारीख : 13-7-1983

मोहरु 🖫

प्रस्य वाद् , का. एम् , एस् , ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन सूचना '

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 300/83-84--अतः भृक्षे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16 है तथा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माडेरपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौध एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्, निम्निलिखित व्यक्तियों → अर्थात् ः—— (1) मैंसर्स भानोवया बिल्डर्स,
 प्लाट नं० 1218, :
 रोड नं० 36,
 जूबिली हिल्स,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस॰ के॰ कपूर, 30, वेलिंगटन रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपकृ में प्रकाशन की तारीख से 45 विम् की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 15, तीसरी मंजिल, पेग कालोनी, एस० पी० रोड, सिकन्वराबाद, विस्तीर्ण 893 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2735/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मो**ह**न सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धारा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983 निदेश मं० आरं० ए० सी० नं० 391-83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है:

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० है तथा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपयबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माडेरपल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 182

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छ्प से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पुने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृक्षिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
11—206 GI/83

(1) मैंसर्म भानोदया बिल्डर्म, प्लाट नं० 1218, गोड नं० 36, जुवली हिल्स, हैदराबाट ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ ब्ही॰ जी॰ कृष्णामूर्ति और अन्य, 1-8-200/10, नल्लाकुंठा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 12, दूसरा मंजिला, पेग कालोनी, एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 893 चौ० कीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2722/82, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख** : 15-7-1083

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 302/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 223 से 225 है तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैंसर्स बाबूखान बिल्ड्स,
 5-4-86/92,
 एम० जी० रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० चिरंजीवी, शाप नं० 223, 224 और 225, रानीगंज, सिकन्दराबाद.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

शाप नं० 223, 225 और 225, इन 5-4-86 से 02, रानीगंज, सिंकन्दराबाद, विस्तीर्ण 1173 चौ० फीट, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7848/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1083

मोहर 🐠

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद; दिनांक 13 ज्लाई 1083

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 303/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 9 है तथा जो एस० पी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मारेडपल्ली में तारीख नवस्त्रर, 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तित उद्देश्य से उथ्श अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मैसमं भानोदया बिल्डर्स,
 पलैट नं० 1218,
 रोड नं० 36,
 जुबली हिल्म,
 हैदराबाद।

(अन्तरका)

(2) श्री बी० पार्थसारथी, फ्लैंट नं० 9, पक्मा अपार्टमेंट्स, पेग कालोर्ना, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

, उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में =कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकार म की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यां क्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9, दूसरी मंजिल, एस० पी० रोड, सिकन्बराबाद, विस्तीर्ण 803 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2731/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडपल्ली।

एम० जेगन मोहन सक्षम[,] प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप बाइं.टी. एन. एस. ------

भ्रायकर अवितियम; 1961 (1961 का 43) की बार 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983

आर० ए० सी० न० 304/83---84--अतः मुझे,एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो नामपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त , निम्नलिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उनत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मैंसर्स नंदनम ऋस्ट्रवणन को० बाइ० शिवकुमार रही, 5-8-1942, फते सुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डा॰ वी॰ संतराम पिता जगन्नाथ शास्त्री, 38/4, आरटी, बरकतपूरा, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति को अर्थन को स्म्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 •स्चना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 •सक्तियों यों से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण्— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

ंअनुसूची

फ्लैंट नं० बीं०/202/22, फतेसुलतान लेन, हैदराबाद विस्तीर्ण 1104, चीं० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7201/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-1983 मोहर: प्रकल्प आहे. टी. एम. एस.----

भायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983 आरं ए० सी० नं० 3057/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

श्रायंकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बेगमपेंट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यमान प्रतिफल से, एसे शश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किला निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/भा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) गुरुनानक को-आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी 8-3-32/ए/1, येलाश्ररेड्डी गुडा, हैदरा-बाद।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री के० राधाकृष्णा दोसापाडू गांव, कृष्णा-जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त संपृतित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि-या सत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्विष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, जी उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित वही पर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 910, चौ० ग० ज० बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 2512/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-1983 मोहर:

प्रकप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 306/83-84--अतः मझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि है, जो तथा बेगमपैट हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वल्लभनगर, में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधि है है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुंई किसी बाय की वाबत, उक्त् किपिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--

(1) श्री गुरू नातक को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसा-इटी, 8-3-32/v/1, येलाश्ररेड्डीगुडा, हैदरा-बाद ।

(अन्तरक)

2) श्री बी० धनंजय राव, 16, सुंदरनगर, हैदरा-बाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यमाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जे भी अविधि शव मों समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षदी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण, 788 चौ० ग० बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2519/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी 'वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-1983

त्रक्षं वादः .दी . एन् . एस् ,-------

गायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 307/83-84--अतः मुझे; एम० जेगन मोहन

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है जो बेगमपैट हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभन्नगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्बर 1982

को प्रवेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-'नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थे, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गुरू नानक को-ओपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० ए० एल० नरसिम्हा राय, तस्लाबाली. नलगोंडा जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्थानतयों में से किसी स्थनित द्वारा;
- (=) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-वियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1042/ची० फुट बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2510/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 308/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिख में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

(1) श्री माक्षां फरहातूल्लाबेग, 10-3-14/बी/ 4/1, हिमायुननगर, हैदराबाद

(अन्तरक)

(.2) श्रीमित के० पद्म्मा, पित लेट के० रामचंद्रारेड्डी, मुगोंडा गांव, नलगोंडा जिला

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों का सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 833 चो० गज बंजारा हिल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7709/82, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 13-7-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं 309/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय वल्लभनगर में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति की उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेद्यों से उस्त अन्तरण लिसित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्रीमित मंता दी० शास्त्री और अन्य 3-5-1090, लक्ष्मी कालोनी, आपोजीट बाइ० एम० सी० ए० नारायगुडा, हैदराबाद ।

(म्अन्तरक)

(2) श्रीमित हन्सा विलम कोठारी, पति विमल कोठारी 49, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद । (अन्तरिती)

को यह स्वां जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृजाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 327 चौ० गज० बेगमपेट, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2527/82, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराखाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के ब्रामीन निम्नितिखित व्यक्तियों वर्षात् :——
12—206GI/83

दिनांकः 13-7·1988

मोहर '

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1982

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 310/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि है जो बंजारा हिल्स, हैदरा-बाद में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्कास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से एसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री गुलाब चन्द पिता आमीचंद 98, टावर स्ट्रीट, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्री राघवा रेड्डी पिता चंद्रा रेड्डी, 2-2-1108/ ए, इंदीरानगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्यां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीणं 1008 चौ० ग० बंजारा हिल्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 2199/82, रजिस्ट्री-कर्ती अधिकारी, खैरताबादः।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

दिनांक 13-7-1983

त्रुक्ष्य वार्षे . टी. एव . एस<u>.</u> ----

आयंकर अधिनियमं, 1961 (1961 की 43) भी भारो 269-स (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 311/83-84---ग्रतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है, जो बंजाराहिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्वेष्यों से स्कृत अन्तरण लिश्ति में अस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई जिसी जाय की बाबतु, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्व् में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वं) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्रीमित नजमुनिसा बेगम पति सुलतांन सलाहुद्दीन, 16-8-238/8, न्यू मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित पी० अनुराधा पति पी० रामेश्वररेड्डी है) पार्टनर, विजया बिडी लिल्ज, को० घर नं० 5-11-47, श्री नहमनगर, हनमकोंडा, वरंगल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

वर्स्यो

खुली' जमीन, विस्तीर्ण 833 की गज, बंजाराहिल्स, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7721/82, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 13-7-1983

प्रस्प **वाह**े, टी. पुन्, पुस्, न्डन्ट्यन

भागकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 312/83-84---श्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

25,000/- रुत. से अधिक हैं और जिसकी सं भूमि है, तथा जो बेगममेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. वल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन के अधीन नवम्बर को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमं के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्सके दृश्यमान प्रतिफाल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियनें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों कां, जिन्हें भारतीय व्ययकार व्यिविन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्षिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

मृतः मृतः, उनतः मृषिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनते अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (₁) के मधीनः, निम्निसित्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री गुरू नानकं को-ओपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी 8-3-320/ए/1, यैल्लारेड्डीगुडा, हैदरा-बाद

(अन्तिती)

(2) श्री एम० चन्द्रा शेखर राव, दोसापाडू, कृष्णा जीला, श्रीध प्रदेश

(अन्तरिती)

को यह सूचना षारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खूलो जमीन, विस्तीर्ण 1066 चौ० गज बेगमपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2523/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 13-7-1983

प्रकप आह्र'.टी.एन.एस. -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, स**हायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 313/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण 'हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्त रो अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की 'बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित् :--- (1) गुरू नानक को–ओपरेटिव हाउसिंग सोसाइी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें० कोटेम्बर राध, युडूपगल्ली, कृष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पृवां कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए शा सकेंगे।

स्पर्छक्रिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

खुली जमीन विस्तीर्ण 774 चौ० गज बेगमपेट, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2522/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जेगन मोहंम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन्रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निद्येश सं. आर. ए. सी. नं. 314/83-84---यतणः मुक्ते,

एम जंगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

आहर जिसकी सं भूमी है, तथा जो बंगमपंट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः——

- (1) श्री गुरुनानक को-आपरटेव्हि हाउन्सींग सांसाइटी, 8-3-320/ए/1, येल्लारेड्डीगुडा, हैंदराबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री आर. भास्कर राव, 8-3-320/ए/1, येला-रेड्डीगुडा, **ह**रैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त गड़ियां और पदों का; जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20 में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 746 चौ. गण. बैगमपेट, हैंदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2521/82, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वुल्लभनगर ।

> एमं. जेगन मोहन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन रोज, हौदराबाद

तारीब : 13-7-1983

मोहर 🐠

प्ररूप जाड . टी. एन . एस . -----

भायक**र शक्षित्यम, 1961 (1961 का 4**3) की धारा **269-व(1)** के **श्रमीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजनरेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 315/83-84-यत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बांजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो बेगमपेठ ईवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर म भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1982।

को पूर्वा कित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकक्त, निक्नितिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के मधीन केर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के किया

(1) गुरूनानक को-आपरेटिव हाउमिंग सोमाइटी,
 8-3-320/ए/1, येल्लारेड्डीगुडा,
 हैदराबाद।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमिति ए० एन० टी० सूदरी, दोसापाडू गांव, कृष्णा जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इरामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1080 चौ० गज० बेगमपेट, हैदराबाद , रिजस्ट्रीकृत विखे नं० 2520/82, रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी वस्लभ नगर ।

एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक: 13-7-1983

मोहर 📑

प्ररूप. आहर्र. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जुलाई/1983

निर्देण सं० आर्० ए० मी० नं० 316/83-84--मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है, जो बेगमपेट हैवराबाद है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लम नगर में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्विक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अज्ञ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 (1) गुरूनानक को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, 8-3-320/ए/1, येंलारेड्डीगुडा, हैदराबाट।

(अन्तरक)

(2) आइ० जयराम, 8--3-320|ए/1, येलारेड्डीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूर्चना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घृष्ट करता हु।

जनता सुम्प्रींस के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 833 चौ० गज० बेगमपेट, हैदरा-बाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2518/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वरलभनगर ।

> एम० जेगन मोहन समक्ष अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, डैटराबाद

दिनांक 13-7-1983

मोहरः

प्रस्त आई.टी.एन.एम. -------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

गारत सरकार

कार्यांलय सहायक आयक्रर आय्क्त निरक्षिण अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

.निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 317/83-80--अतः

मुझे एम० जेगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिल्लाका उन्तिय बाजार मृल्य 25,000/रुट से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो पेद्दा आंबर पेट 4 हैदरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्विक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तिक कम से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ने हुव किसी बाध की शकर, उक्त अधिनियम के अभिन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों चित्र, जिन्हीं भारतीय नायकार अधिनियम 1922 (1922 का∟ 11) या उक्त अधिनियम, वा भन्कर अधिनियम; वा भन्कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27; के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियां गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 13-206 GI/83

(1) मास्टर सी० एच० सूमन बाबू पिता सी० एच० रामाजो राव, घर नं० 3, चीकोटी गार्ड नं०, बेगमपेट, हैदराबाद [

(अन्तरक)

(2) श्री ऊमाणंकर ओझा पिता लालचंद ओझा, और अन्य दो, 15-1-414, फीलखाना, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्चरा प्रारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्पी

खुली जमीन विस्तीर्ण 5 एकड़, पेष्या आंबरपेट, हैदरा-बाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7886 7887, 7888, 7889, और 7891/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रेगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) धर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-7-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज.

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 318/83-84— अत:, मुझे एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० भूमि है, जो पैव्दा आंबरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेज के अनुसार अन्तरिति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरक) और अन्तरिति (अन्तरितयां) के बीच त्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिख्णित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधी के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अग्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 (1) श्री एम० राजेंद्वनाथ पिता शंकर लिंगम और अन्म दो,
 3-4-219,
 लिंगमपल्ली,
 हैदराबाद-27।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स उशोदया पब्लिकेशन्स प्रा० लि०, भेनेजिंग डायरेक्टर, आतलुरी, राम मोहन राव, इनाडू कम्पाउन्ड, स्नोमाजीगुडा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के स्थाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुलो जमीन विस्तीर्ण 4 एकड़, पेद्वा आंबरपेर, हैवराबाद, र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7915 7930, और 7931/82, र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-7-1983

प्ररूप आहं.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 13 जुलाई 1983 निर्वेश सं० आर० ए० सी० नं० 219/83-84--भ्रतः मुझे एम० जेगन मोहन,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मूंमि है, जो पेद्दा आंबरपेट, हैदराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रंगारेड्डी जिला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री पी० धमारेड्डी,3-4-219, लिंग्मपल्ली ।

(अन्तरक)

(2) हैपो होम इसूर प्रा० लि०, इनाडु कम्पाउन्ड, सोमाजी गुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के 'राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्चीं

भूमि विस्तीर्ण, 1 एकड़, पेव्दा आंबरपेट हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7929/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रंगारेड्डी जिला ।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-7-1983

प्ररूप् आर्थः .टी. एन . एस . ------

श्रीयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए०सी० नं० 155/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्याम् उकत अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अजीत सक्षम प्राधिकांरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्प 25,000/- धारे है अधिक है और जिसकी सं० 34 और 39 है, जो कोथापेटा, गृंहर स्थित में है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गृंहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिक्रल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उउने दृश्यमान प्रतिकृत ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत ते, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के प्रतिकृत के प्रतिकृत से प्रधिक है और प्रन्तरक (जन्तरकों) भौर प्रनृतिती (जन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप न कथित मुझी किया गया है:....

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कुए ध्राय या किसी धन या भन्य ध्रास्तियों को जिन्ते कारतीय धाय-कर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म के भ्रमुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की जपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के० एत० एत० संस्कृत कालेज, तेनाली ।

(अन्तरक)

(2) अध्यक्ष के० प्रसाद राव, विजयापुरी कालोनी, गुंटुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोध्स सम्पत्तिः के अर्जन के लिए जर्यवाहियां करता हु।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना र राजपल में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि पा तस्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. ये भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति हारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारी, प्रधोत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शक्यों ग्रीर पर्यो का, जो उक्स शक्यि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 34 और 39 विस्तीर्ण 1 एकड़, कोथापेटा, गुंटूर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10676/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटूर ।

> एम० जे**गन मोहन** सक्षम प्राधिका**री** सहायक_्आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज, हैयराबाद

दिनांक 6-7-1983 मोहर: प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 154/83--84-→ यत: मझे एम० जेगन मोहन

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है, जो कोपुराऊरू गुंदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुंदूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नयम्बर 1982

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ,अर्थात् :-- (1) श्रीके० लिलता वकामुडी भास्कर राव, गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति डी० ऊमा महेण्वरी देवी और श्रीदेवी एम० जी० डी० वन्तां कृष्णस्या, आरंदल पेटा, गृहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन कोप्पुराऊरू गुंटूर, डी० नं० 39, विस्तीर्ण 2 एकड़ 85 सेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10640/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गुंटुर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

ंदिनांक 6-7-1983 मो**हर**ाः प्रकाप बार्ड. टी. एच. ऐस.-----

भ्रायकर भ्रक्षिमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 153/83-84--यत: मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उनत अधिनियम' अहा गया है); को धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 251000/- द के से बिक है और जिसकी सं० 254 है, जो नाम्बूक गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिषक के लिए सम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिषक, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में शास्तिव के अने के विधत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ब्रास्सियों को, जिम्हें मारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री एस॰ पी॰ राजेश्वर राव पिता लिगय्या और अन्य 3 क्राडीपेटा, गुटूर।

(अन्तरक)

(2) डी॰ चेन्ना कृष्णाय्या, आरंदलपेटा, गुंटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नम्बर डी॰ नं॰ 254 विस्तीर्ण 0.37 एकड़, 0.25 एकड़, 0.12-1/2, एकड़, 0.25 एकड़, 0.25 एकड़, 0.50 एकड़, 0.50 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 10171/82, 10172/82, 10173/82, 10174/82, 10175/82, 10176/82, 10334/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गृंदूर।

एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 6-7-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 152/83–84––

यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उसित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25/सी है जो ओंगल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ओंगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) साजीद अहमद बाणा और अन्य टोबेका मर्चेंट, गांधी रोड, ओंगल ।

(अन्सरक)

(2) श्री के० सुब्जा राष, एकाउटेंट कनरा बैंक, चेराला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, ओंगल, प्लाट नं० 25 सी, घर नं० 37-1-459, (3)4(5) विस्तीर्ण 500-2/3, चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6134, 6135, 6136/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी ओंगल।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरास्राद

दिनांक: 6-7-1983

प्रकप धाई । टी० एन० एस --

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269=व (1) के मधीन म्वता

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदरावाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 151/83-84---अतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर सिधिनियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम गाधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से श्रिषक है

और जिसकी सं० एस० नं० 6/1, है, जो ओंगल स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओंगल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नबम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ये ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्ड प्रतिशत से मिश्रक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किया आय मा ब्राइन के किए अधिनियम के अधीन कर देने हैं प्रस्तरण के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मुविंदा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकैर स्रिधिनियम, 1925 (1922 का 11) या उक्त स्रिधिनियम, या धनकर स्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती एन० विजयालक्ष्मी पति नरसिम्हाय्या, मंगमुर, ओंगल ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० रंगाराव, लायरपेटा, ओंगल !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते हुर्याः स्मासि के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रभंत के यम्बन्त में कोई भी खाओप :---

- (क) इस सूचना क राजात में प्रकाशन की तारीबें ने 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी प्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाखत में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रदूध शन्दा और पर्दो का, जो उन। अधिनियम के प्रध्याय-20क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बस्त है।

अनुसूची

खुली जमीन, मंगामुरु डोंकां ओंगल, एस० नं० 6/1, विस्तीर्ण 0.26 सेंटस, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6021/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी ओंगल ।

ए**म**० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद

·दिनांक: 6-7-1983

प्ररूप नाइ. टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश मं० आर० ए० मी० नं० 150/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 रहा से अधिक हैं

और जिसकी मं० टी० एस० नं० 498 है, जो युल्रू में स्थित है (और इससे उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय युलुक में भारतीय रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वित्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिवास से अधिक हैं (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) बम्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) जे अधीतः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् 🕾

(1) श्री के० गांधी और अन्य, टाबागाईन वेक्षाक

(अन्तरंक)

(2) श्री व्ही० कृष्णामोष्टन और अन्य, आणोकनगर, येलच्छा

(अन्तरितीः)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन टी० एय० नं० 498 विस्तीर्ण 757.8 चौ० गज पावरपेटा, येलुक, र्जिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7697! 82. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी येलुकः ।

> एम० जेगन, मोहन मक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-7-1983

मोहर 🖟

14-206 G1/83

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 149/83-84--अतः मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एम० नं० 421 है, जो गुरूपुडी भीमावरम स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अपनियम, अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मी उक्त अधिनियम को धारा १००-ग की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कें बापीराजू वगैरा पिता सीतारामराजू पालकोंडेक, भीमावरम, . वेस्ट गोदावरी जिला

(अन्तरक)

(2) श्री के० सत्यनारायणामूर्ति, अध्यक्षा बी० भीमावरम राइस मिल्स एसोसिएणन, 9 वार्ड, भीमावरम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्चीं

खुली जमीन, विस्तीर्ण 1 . 40 मैंट्स, आर० एस० नं० 421, गुनुपुडी भीमावरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3812/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भीमवरम।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 6-7-1983

मोहर: 🌡

ध्रक्य व्यक्षः टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सन्यक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद के हैदराबाद के हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० भी० नं० 148/83-84----अत: मझे एम० जेंगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आर० एस० नं० 217/2 है, जो भीमावरम स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनपूर्वी में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीमावरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण िखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (क) एंसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिधित व्यक्तियों, अधृति :--- (1) श्री वी० वी० सत्यानारायणाराजू, 1ला वाई, भीमा वरम, वेस्ट गोधावरी जिला

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एन० वी० नरिसम्हाराजू कुमार, । 13वां वार्ड वेंकेय्यानायडू विधी, भीमावरम-1

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विगा गुमा है।

अनुसूची

खुली जमीन आर० एस० नं० 217/2, भीमावरम विस्तीर्ण 2 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3685/82, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी भीमावरम ।

> एम० जेगन मोहन् सक्षम अधिकार्र सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदरा**बाध

दिनांक: 6-7-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ---

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निर्देश सं० आर० ए० सीं० नं० 147/83-84--अत: मुझे एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 23312 है, जो काकीनाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काकीनाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्वर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिख्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्रिधा के लिए; और भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री वी. धी. कसलामनी पति सीवाजी राव, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी. मंगातयारः पति वेन्कटराज्, काकीनाडा ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हो, वही अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

भन्सची

् खुली जमीन एस० नं० 23312, काकीनाडा, मुनीसी-पालिटी विस्तीर्ण 913 और 870 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10462, और 10641/82, रिजस्ट्रीकृत अधि-कारी काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज,'हैदराबाद

विनांक: 6-7-1983

मोहर ः

प्ररूप बाहा, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 146/83-84- यतः मुझे, एन० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० एस० 396 है तथा जो साम्बस्ति नगर, काकीताड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्यिया का लए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—: (1) श्री की० वी० सत्यंद्रा मदन, आर० आर० कन्स्ट्रक्शन्स, श्रीराम नगर, काकीनाडा, ।

, (अन्तरक)

(2) श्री एम० वी० के० मोहनराव, काकीनाडा ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए आ सकोंगे.

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थां स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 744-4/9 चौ० गज, सम्बमुती-नगर, काकीनाडा, एस० नं० 396, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10316/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की . धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 145/83-84-- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो आर्यापुरम, काकी-नाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एन० रामलिंगय्या, वैगैरा डी० नं० 36-6-4, नलमवारी स्ट्रीट, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० एच० गंगीरेड्डी, पोलमुरु (पोस्ट) रायावरम तालुक, ईस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्यति में हितबद किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

खुली जमीन, निस्तीर्ण 800 चौ० गज, आर्यापुरम, 8वां बार्ड, राजमुंड्री, रजिस्ट्रीकृत निलेख नं० 10191/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, राजमुंड्री ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-7-1983

प्ररूप अ।इं. टी. एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 144/83-84- यतः मुझे, एम० जेगन मोहन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो काकीनाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्राई० एस० प्रकाणराव वर्गरा, समरलाकोटा (अन्तरक)
- (2) श्री ए० वी० एस० मुर्ती, र्बा० एस० श्राई० सं२० इम्पलाइज को-श्रापरेटिय बिल्डीग सोसायर्टा, काकीनाडा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप --

- (क) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

खुली जमीन, काकीनाडा, विस्तीर्ण 1 एकड़, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10076/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सृहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की.धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 143/83-84-- तः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-1 है तथा जो रामनयापेटा, काकीनाडा में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है (और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री बी० अप्पायम्मा रामञ्ज्या पेटा, सीवार, कोथ्र ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० सूर्यानारायण अध्यक्ष, दी गोदावरी को०-आपरेटिव हाऊस विल्डिंग सोसाइटी लि०, काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

् खुली जमीन, रामनयापेटा, अ० र० एस० नं० 12-1, विस्तीर्ण 1-18, सेंट्स रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9873/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 6-7-1983

मोहरः

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक '6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 142/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर एस नं 30 है तथा जो तन्कू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तन्कू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री एम० राधाकृष्णमराजू, तांडेपल्लीगुडम, वेस्ट गोधावरी जिला।

(अन्तरक)

(2) कास्मोपालिटिन क्लब, तनुकू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अविध, वो भी
 अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभूतुची

खुली जमीन, आर० एस० न० 30, सण्जापुरम, विस्तीर्ण 2645-2-48 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4551/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तनूकू।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7 1

मोहर १

प्रकृष प्राई० टा० एन० एस०-----

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अवीन नुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० एस० ती० तं० 141/83-84--यत, मुझो, एम० जेगन मोहन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के भिधीन पक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिनका उवित्त गाजार मूल्य 25,000/- परए से पश्चिक है

और जिसकी सं खुली जमीन है तथा जो वेमुलावालसा, भीमूनीपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित् है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमूनीपटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्थर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम कैरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से अप्ते दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिगतिसे प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त प्रस्तरण लिखिन में बास्तविक कर मे किया नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण ते दूई कियो प्राय की बायल, उक्त अधि-नियम क अधीन कर वैने के अन्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या.
- (ख) ऐसी किया आय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को जिस्हें भारतीय आय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म कें, भनुषरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी॰ आपपलास्वामी और अन्य, भीमृनीपटनम ।

(अन्तरक)

(2) प्रेस स्टील इंजीनियरिंग सर्विसेस लि॰, बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के मर्जा के सम्बन्ध में कोई भी अक्षी :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूजना के राजपन में प्रकालन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्मावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वष्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों श्रीर पदों का, जो उनत श्रिष्ठि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाप में दिवा मया है।

अमुस्ची

खुली जमीन, वेमुलावालसा, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2492/82, 2493/82, 2496/92 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भीमुनीपटनम, विस्तीर्ण 1 एकड़ 35 सेंट्स, 1 एकड़ 13 सेंट्स् और 1 एकड़ 35 सेंट्स ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 6-7-1983

प्रकप आई० ही। एम० एस०----

भायकर **अभिनियम;** 1981 (1981का 43) की बारा 269-म (1) के श्लीन भुजना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 140/83-84--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शांधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,900/- क्पये से धांधक है और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो वैज्ञाक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैज्ञाक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (प) एसी किसी बाय या किसी धन बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया भया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः ब्रां, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) हे अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अभीत् ः--- (1) श्री एम० य० ई० कुमार क्रुण्यावरमा वगैरह पिता लेट एम० टी० राजू, लेंड लॉर्ड, हैदराबाद।

(बन्तरक)

(2) मैसर्स विजया को-आपरेटिव हाऊंस बिल्डिंग सोसाइटी लि०, घर नं० 47-9-13, वैक्षाक।

(अन्तरिती)

को यह युचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन सम्पत्ति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी धानेपः

- (क) इन जुनता के राजपत में पकाशन को नारीख से
 45 दिन की प्रविध या सत्सवंधी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जा भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से खिसी व्यक्ति हारा
- (ख) इस स्वता के राजपत में प्रकाणत की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्पदरो हरण: --इसमें प्रयुक्त गढ़दों भीर पदों का, को उक्त प्रधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

खुली जमीन, पोंडस ले-आउट, तीम्पानी स्कूल के पास, वैझाक विस्तीर्ण 9.54 एकड़, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 11551/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैझाक ।

> एम० जेगम मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाह

तारीख : 6-7-1983

मोहर 🛭

प्रकृष कार्य , द्वी , प्रमृत प्रकृतकारकारक

कायकरं म्मिन्य्म; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाष

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं०, आर० ए० सी० नं० 139/83-84--यतः मुझे, एंस० जेगन मोहन,

जायकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी० नं० 16-1-16 है तथा जो वैद्याक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैद्याक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमाम प्रतिफल के अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) औड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया शया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, आहु/या
- (च) एँसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिर्ए;

नतः जब, उनत विभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उनत विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अचीन निम्मसिचित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) पैरामाउन्ट कन्स्ट्रमशन्स, बाई स्मीत डी० लक्ष्मी पति प्रभात कुमार, घर नं० 11-2-16, दास पल्ला, हिल्स, वैद्याक ।

(अन्सरक)

(2) जर० काकाराजू, पति जी० कामाराजू, गांधी नगर, विजयवाडा ।

(बन्तरिती)

को यह स्थना आरी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति, के अर्जनु के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीवा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पूर्वों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

घर संपत्ति घर नं० 16-1-16, प्रथम तल, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 1300 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10982/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख** : 6-7-1-83

मोध्रुष 😢

प्रस्पु आहाँ, टी. एन. एस. -- ----

जाककर जिम्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269∋व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाध

हैवराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 138/83-84- अतः सुम्रो, एम० जेगन मोहन,

धायकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-६पए से मिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 68/12 है तथा जो पोरलापालम, वैझाक में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की यह है बौर यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वेक्त तंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिम्लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कवित महीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरच से हुई किसी साय को बाबत जनत अधि-निवस के समीच कर दो के संश्वरक के बाबिस्व में कमी करने या उससे बचने में संश्वेद्या के किए; कौर/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जी० पी० सन्यासी, पोरला पालेम, वैसाक।

(अन्तरक)

(2) **दी** आन्ध्र को० लि०, सरोजनी देवी रोड, सिकन्दराबाद ।

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध की तामील स 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर अवतः श्राप्त संपत्ति में हित्बबुध किसी अब्द अपूचित क्राप्त स्थार स्थाहस्ताकरी के पास निवित में किए आ सुकार।

स्थव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त शरु शिर पदों का, जो उन्ते अधिनियम, के श्रीयार 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ हैं गा में उस अध्याय में वियो गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 5 एकड़ 15 सेंट्स, पोरलापालेम; वैझाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11110/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, वैझाक (सर्वे नं० 68/12)।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. बैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप् आर्च. टी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 137/83-84---अतः मृझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं टी एस नं 52 है तथा जो रेसापवानी पालेम, वैझाक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अगैर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैझाक में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वे अभीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात् ि (1) श्री य० वी० कृष्णाराव और अन्य, आर्टला हाऊस, गोखले रोड, पन्डीमेट्टा, महारानी पेट, धैझाक।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० चिन्ना आप्पाराव, अध्यक्ष, गोपालपटनम को०-आपरेटिव बिर्लंडिंग सोसाइटी लि०, गोपालपटनाम, वैक्षाक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्स संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वार अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 9490 चौ० गज, रेसापूचानीपालम, वैमाक, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11244/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैमाक।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**।

नारीख: 6-7-1983

प्ररूप आई• टी• एन० एस०----

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को पारा 269-व (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 136/83-84—यतः मुझे, एम० जैंगन मोहन, ग्रापकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण

है कि स्थाया सम्पन्ति, जिसकः उचित्रवाजार मूल्य 25,000/-इत्यमें अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 1031 तथा जो वैद्याक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वैद्याक में रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1982

को पूर्विकत सम्प्रति के उकित बाजार पूर्व ने कम के दूश्यमान शितिका के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का तारण है कि प्यापुर्वोक्त सम्मति का उजित बाजार मूल्य, उसके पुण्यमार प्रतिकत स, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिगत अधिक है और अन्तरका (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्रिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसा याय को बाअत उक्त ग्रांध-तियम के प्रधीन कर देते के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिगी की जिन्हें भारतीय प्राय-तर प्रधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम 1922 का नक्त प्रधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री आई० रामकृष्णाराव, 16-3-5, आफिशियल कालानी, वैभाक।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती कुमुद कुमारी, बोदरे, पति श्री रालीचंद बाबुदास घर नं० 10-1-40, ट्रा वेलर्न बंगला राड, वैशाका

अन्तरिती

को पर्मुचना जारी करके पृत्रींका तम्मील के अर्जन के लिए कार्यसाहियाँ करता है।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप। --

- (क) इस नुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी अविक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त ◆ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इप सूत्रता के राजरत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितम क्ष किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए अप सकेंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्थत अधिनियम, के प्रध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्स अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1019 चौ० गज ब्लाक नं० 44 टी० एस० नं० 1031, वैझाक, म्युनिसिपल कारपोरेशन, वाल्टीयर, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 110063/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी।

> एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्प (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैद**राबाद।

नारीखा: 6-7-198°

श्रुकप आहर् . टी . एन् . एस् . ------------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० 135/83-84 यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 45/1 है तथा जो मदीला पालम वैद्याक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख नवस्बर 1982

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिगत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उत्तर अधिनिय्म के अधीन कर वाने के जन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री टी०गंगाधर राव इंजीनियर कोसानापल्ली गांव भीमा दोलू जिला वेस्ट गोवावरी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० बसीर एडीसनल कलेक्टर आफ कस्टम कस्टम हाऊस महारानी पेटा वैभाक।

. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मृतित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों इर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पवों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 500 चौ० गण प्लाट नं० 2 एसः० नं० 45/1 मदलापालम वझाक रजिस्ट्रीकृत विखेख नं० 11310/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वैझाक ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ाायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

, तारीख: 6-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

<u> بعد بند از برود بند از بند از بروجه باز بروجه بند بروجه بوالم بروجه باز بود بروجه بروجه بروجه بروجه بازد بدو</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 134/83-84--अतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं टी० एस० नं 668 है तथा जो आलीपुरम वैद्याक में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वैद्याक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख नवम्बर 1982

कां पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ये अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायि:व वो कमी करने या उसमें बचने में स्थिधा के निए; अरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में 'स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम क्रियारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निभ्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रं: एउ० वॅकटराजू करालदोड्डा विधि, वैझाक ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एच० भास्कर रम्भाद्रा राजू 47-13-7 हारका नगर वझाक।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थापर संपत्ति में हिलबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ए० सी० सी० सीट हाऊय विस्तीण 405 चौ० गण आलीपुरम वार्ड विसाक (टी० एस० नं० 668 च्लाक नं० 23 द्वारका नगर रिजस्ट्रीहृत विलेख नं० 11523/82 रिजस्ट्री--कर्ता अधिकारी बैझाक ।

> एम**ं** जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

ारीख : 6-7-1983

ोहर:

प्रस्प ब्राई० टी० एन० एस०

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 133/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंड अधीन अभिम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसके सं० टी० एस० नं० 32-1-2 है तथा जो श्रीकाकूलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीकाकूलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखां उद्दोश्य में उक्त अन्तरण निष्टित में गुस्तिबक स्प में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रीधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्वैधधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए:

जतः जलः, उयत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० वराहालम्मा वगैरा श्री काकुलम ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० बी० नरसिंहम और अन्य गुजरातीपेटा श्रीकाकुलम ।

(अन्तरिति)

को यह सुनना जारी करके पृत्रेक्ति मंपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवाध गढ़ में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वो तारीस से
 45 दिन के भीतर उकते स्थावर सम्पत्ति में हितब
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारस्नाक्षणी के पास
 लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क या परिभाष्टि हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीणं 17833 चौ० गज टी० एस० नं० 32-1-2 श्री काकुलम र्राजस्ट्रीकृत विलेख नं० 3978/82 राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रीकाकुलम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, दैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

मोहर∵

प्ररूप आहं. टी. एन. एस. - - - - -

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 132/83-84-अत: मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र संअधिक है

और जिसकी सं० 27-7-7 है तथा जो कन्नावारी तोटा गूंटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगृत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गूंटूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल को एसे द्रश्यमान प्रतिफल को पद्गह प्रतिशन अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हा से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधित्य को कभी करने या उससे बुखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नितारती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनिशम की धारक 269-ग के अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डी० रामचन्द्राराव और अन्य प्रकाश नगर हैदराबाद ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री एम० वनमाला राव पिता कुटूंबा राव विजयवाडा ।
 - 2. श्री एम० कनका महालक्ष्मी विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

ज्यक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कर्वाध बाद में सभाष्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में ितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति के पास लिख्टि में किए जा सक्षी।

स्पष्टोकरणः --- इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याग ∠() 5 में परिभाषित हाँ, वहां वर्ष हाता, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसूची

घर संगति डी० त० 27-7-7 कस्रवरी तोटा गूंटूर विस्तीर्ण 422 चौ० गत रिजिस्ट्री इत विलेख न० 10685/ 82 और 10681/82 रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गूंटूर।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराब

तारीख: 6-7-1983

प्ररूप आइ^{*}. टी. एन. एसं. -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 व(1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1985

निदेश स० आर० ए० सी० न० 131/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

सामकर मिधितियम. 193 । (1961 को 13) (जिसे इसमें इसके परभात् देवत कोवितियम कहा पया है), की धारा 269-व के मिधीन सक्षम साधिकाची को, यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मूस्य 25,000/ ए० संजिधिक ही

और जिसकी सं० 105 है तथा जो पेदाताडीवेडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूजी में और पूर्ण रूप से वर्णित ह) चिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोगापुरम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाज़ार पूर्व उसके प्रयमान १००० के, विश्वास प्रवृद्ध उसके प्रयमान १००० के, विश्वास प्रवृद्ध अल्डान के प्रयमान १००० के, विश्व प्रम्तरित को उचित बाज़ार प्रवृद्ध अल्डान से प्रविष्ठ है और अन्तरिक (अन्तरिक) प्राप्त प्रतिकृत्व, विभ्वालिखन उद्देश्य से अन्तरित अन्तरण कि लिखन में वास्तरिक रूप न कायन नहां किया प्रया है .--

- (क) अन्तरण से दुई किया ग्राप की घायल केवल अधिक्यम के अवक कर देव के भारतश्व के दायश्य में क्या करन या उससे अवने में सुविधा के लिए। आर/या
- (ख) ऐनी किया प्राय या फियी घन या अन्य आस्तियों की, चिन्हीं भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 छा 11) या उस्त ग्रधिनियम, या नगर श्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनान धन्तिकी द्वारा प्रयट गहा कि । गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

(1) श्री पी० बी० बंगारयम्मा कोग्लमआडप्पा विधि विजयानगरम ।

(अन्तरक)

(2) विजयनगरम जिला अनिमल हासबंड्री इम्पलाइज को०-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड विजयानगरम ।

(अन्तरिती)

को **यह सूचना जारी करके पूर्वो**कन नम्पति है अर्जन के विष् कार्य**वाहियां** शुरू करका है।

उक्त, सम्पत्ति के अर्जन के अंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राज्यक्ष में प्रकाशन का तारी कसे 45 विन की भविष मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अवश्वि, जी भी भविष बाद के समाप्त होती था, के भीतर पृष्टिंगत क्यानितर्भी में से किसी क्यानित वाराह
- (ख) इस पुनवा के प्रविधा में प्रतालन को तालीख है उन्न दिन के भोरतर अबत स्थानर सम्पत्ति में हिल्जब किया अन्य व्यक्ति आदा प्रवीहरूतकारी का प्रव लिखन गांकर जा मर्जेंग

स्पन्धी हरणः -- इसले प्रजूबन गन्दीं और पदी हा जो छन्त श्रीविनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहा अर्थ श्रीमा, जो सस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

7 एकड खुली जमीन पेदाताङीवाडा भोगापुरम एस० नं 105 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 1154/82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भोगापुरम ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैवराबाद

नारीख: 6-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदरावाद

हेदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 130/83-84--अस मुझे एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- क. में अधिक है

और जिज्ञाकी सं 14-2-14 है तथा जो के० एस० वार्ड विजायवाड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वाक्त संपर्शित के उचित बाजार भूल्य में क्स के रूपमान प्रतिफाल के निष् अन्तरित की गई है और मूमो यह विश्वान कारने का आरण ही कि वथापूर्विक्त संपर्शित का उचित वाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मलिधित उद्देश्य से उक्त अनारण लिखित में वास्तिवक रूप से किथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बार्धानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः अव, उद्धा अधिनियम की धारा 269-म के. अनमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यक्तियों, नर्भात् :-- (1) श्री सी० एच० वेंकटराम हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० आप्पलराजृ विजयनगरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उंक्त स्थावा। संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे पयुक्त शब्दों और पदौ का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होंगा जो उस अध्यान में दिया गया है।

अनुस्की

टाइल्ड हाऊस और जमीन के० एस० वार्ड असेसमेंट नं० 10083 डी॰ नं० 143-2-14 विस्तीर्ण 357 ची॰ गज रिजस्ट्री $\frac{1}{5}$ त विलेख नं० 4800/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयनंगरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

नारीख : 6-7-1983

मोःहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 129/82-84--अतः मुझा, एम० जेंगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो राजमुंड्री में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजमुंड्री में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नयम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1/922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के, अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखन व्यक्तियों में अधीन हिन्स

(1) श्री के॰ पार्थसारथी श्रीर अन्य मेरका विधि राजमुंड़ी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ई० ललीतम्मा के० वी० आर० स्वामी रोड राजमुंड्री ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करकं पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की श्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोह-ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत 'अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

खुली जमीन 13 वार्ड लक्ष्मीयरापाटा विस्तीर्ण 340 चौ० गर्ज राजमुंड्री रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7493/82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजमुंड्री ।

एम० जेगन नोहन सक्षम प्रािकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैंदराबाद

तारीख : 6-7-1983

प्ररूप आइ. ं. टी. एन ् एस् ु-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश मं० आ२० ए० सी० नं० 128/83-84/अत: मुँझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी। सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का एं के धिक डैं

और जिसकी सं० 789—1 है, तथा जो ,आमलापुरम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमलामपुरम में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवंक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूला, उनको इन लगा विश्वास गो, एस इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिघात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व यों कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; सीक/गा
- ं।) एति किस्ते आय पा फिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का (1) या उन्ति अधिनयम, या -- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुतिधा के निए:

अतः अतः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग को अनुसरण भों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री के० अम्हम पिता मालय्या, बिजनेस, आमलाषुरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री वाई० वेंकटेश्वर लू०, पिता नरसका, आमलापुरम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर बहुध किसी कच्य व्यक्ति इंदारा भुधांहस्ताक्षरी के पास सिकास में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इमारत, जमीन विस्तीर्ण 824 चौ० गज, साँ मील के साथ, आमलापुरम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5580/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आमलापुरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-7-1983

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

मारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण्) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 127/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनित्तम, 1961 /1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के तथीन सक्षम पाधिका ने को, तह विश्वास कारते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-क. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-1-161 है तथा जो आग्राहारम, आमखापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आमलापुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन् रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्निलिखित उद्देश्य में उवत अन्तरण निष्कित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के न्यिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री डी० साम्बमूर्ति, हेड ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ इकोनामिक्स, एस० के० बी० आर० कालेज, आमलापुरम।

(अन्तरक)

(2) श्री पी. श्रीरामामूर्ती, हैंदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कटके पर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वंत के लिए कार्यभादिमा शुरू करता हूं।

उना पणाति हे प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) हार सुबना के राजपत में प्रकासन की तारीखसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रभोहस्ताक्षरी के पास निवित के किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरम:---र्यम प्रयुवत शब्दों श्रीर पदों का, जो सकत अधिनयम के अध्याय 20ना में गरिचाणित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो सम प्रध्याय में दिया गरम है।

अनुसूची

घर संपत्ति डी० नं० 3-7-161, नारायणपेटा रोड, के० आग्राहारम, आमलापुरम, विस्तीर्ण 540 चौ० गज, रजि-स्ट्रीकृत विलेख नं० 5551/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आमलापरम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—

तारीखं: 6-7-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 126/83-84---अतः मझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 35/4 ए हैं तथा जो कांतीपाड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कांतीपाड़ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्रवेसित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उन्धित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मत. अन., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---17 —206 GI/83 श्रीमती एस० रामलक्ष्मी, गव्हरनरपेट, विजयवादा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० गोपालकृष्णय्या, मनीकोंडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, आर० ए.स० नं० 35/4, विस्तीर्ण 0.34 सेन्ट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2440/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधि— कारी, कांतीपाडु ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नि.रीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद,।

नारीख : 6—7—1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 125/83-84—अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,006/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी संव आरव एसव तंव 109/1 और 2, कनुमुक्त है तथा जो मछलीपटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मछलीपटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवस्वर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिकल से कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरुम चंहुइ किसी भाष की बाबत, उक्त जीधनियम की जधीन कर दोने के बन्तरक की वाधिरव में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा के सिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् !:— श्री वाई० वेंकटेण्यर राव, सूर्यारावपेटा, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० जगन्ताथ रावकनुम्री, पामरु, क्रुष्णा जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथा कत सम्पत्ति के जर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ददों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

राइस मिल, नं० 109/1 और 109/2, कनुमुरु गांव, तालुका पामरु, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4065/82, रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी, मछलीपटनम ।

एम० जेगन मोहन सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-7-1983

मोहर 🗓

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

धारम सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 124/83-84-अतः मुक्को, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 27-18-49 है तथा जो गव्हरन पिट, विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; औद्य/या
- (स) एंसी: किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना था, िष्ठपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिलिह व्यक्तिस्यों, अर्थात् :-- (1) श्री पी० रामामूर्ति, कांग्रेस आफिस रोड, गब्हरनरपेट, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रसाद पिना क्रम्हानन्दम, हांडू साहब स्ट्रीट, इस्लामपेटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर संपत्ति, गव्हरनरपेट, विजयवाड़ा, घर नं० 27–18–49, विस्तीर्ण 450 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 11444/8.2, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा 1

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाँयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-7-1983

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा ७६०-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 123/83-84— श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 27-18-49 है तथा जो गवर्नरपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिस्तियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूर्विभा के लिए:

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री पी० अंजनया गर्मा और अन्य, कांग्रेस आफिम रोड, गवर्नरपेट, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० बी० सम्बक्षिवराव पिता षिवा राम कृष्णाया, मोगलराजपुरम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना चारौ करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

घर नं० 27-18-49, गवर्नरपेट, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 134-4-6 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11445/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

प्रकृष आहें. टी. एन्. एस.-----

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के सभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983 निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 122/83-84--ग्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 10/5 है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अजने में सुविधा के जिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निचित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्रीमती जी० वी० कामेस्वरीपति श्री ऋष्णा और अन्य, माक्ति नगर, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० वेंकय्यम्मा पति वेंकटराव, समस्ती गुंडम, वेस्ट गोदावरी जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्डीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन, पाटामाटा, विजयवाड़ा, आर० एस० नं० 10/5, विस्तीर्ण 631 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11710/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

मोहरः

प्ररूपु **नाइ**ं, दी. एन., एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 121/83-84--ग्रहः

मुझे, एम० जेगन मोहन⊈

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000 / रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० ने० 4/5 ए है तथा जो मृत्यालमपाडू, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पुर्वाक्त संपत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उत्सको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रक्षिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नार की गावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे स्थने में सुविधा के सिए; बौर/सा
- (का) ऐसी किसी अगय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, डिल्पाने में स्विभा ने विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री यू० बी० रामराजू, मृत्यालमपाडू, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी॰ सीतारामराजू, दी आंध्राकेसरी को०-आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---'

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविश्विम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की टारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी केपास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा पुषा हूँ 🕕

अनुषुची

खुली जमीन, मुत्यालमपाडू, विजयवाड़ा, आर० एस० 📑 4/5 ए, विस्तीर्ण 1 एकड़, 55 सेंट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख . नं० 11788/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाडा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज हैदराबाध

तारील : 6-7-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. →-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 120/83-84--अतः मुझो, एम० जेगन मोहन,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधीनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 366/2 है तथा जो गुनदला, विजयवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितयार्गे) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (कां) वन्तरण से हुई किसी काय की बावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृजिधा के लिए; और/या
- मं ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निया;

. अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--- (1) श्री व्ही० नागेन्द्र बाबू पिता संताना गोपालम, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कनका दुर्गा को० आपरेटिव हाऊस विल्डिंग सोसाइटी, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तिशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया ग्या है।

प्रमुखनी

खुली जमीन, गुनदला, आर० एस० नं० 366/2, विस्तीर्ण 4 एकड़ 19 गूंठे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11349/82, रजिस्ट्री— कर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

> एम० जेग़न मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1983

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 119/83-84--श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

प्रायकर घोष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घष्ठीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी सं आर ० एस० नं ० 49/2 और 53 है तथा जो पाटामाटा, विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार सृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत प्रश्निक ह और भ्रम्तरक (भ्रम्तरकों) भौर भ्रम्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कम' करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्रन या भ्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रिया के लिए;

भतः ग्रन, उत्तर प्रविभियम की घारा 269-न के मनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम को घारा 269-व की उपघारा (1) के के अधीन, निम्नणिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री के० वी० रंगाराव पिता रामय्या, पाटमाटा लंका, विजयवाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वी० मुब्बाराव पिता रामेश्वर राव, फे॰ड्स को–आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथा कर सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कुछ व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्दों और पदों का, को उपता अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

खुली जमीन, पाटामाटा, विजयवाड़ा, आर० एस० नं० 49/2 और 53, वितीर्ण 1 एकड़ 4 0 सेन्ट्स, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11350/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाड

तारीख : 6-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 118/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कह्न गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 175 है तथा जो पाटामाटा, विजयवाड़ा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर अधिनियम, वा धन- कर स्वोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 18—206 GI/83 (1) आंध्रप्रदेश इण्डस्ट्रीज स्टेरलाइजेशन कारपोरेशन लिमिटेड, विजयवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० प्रसाद राव पिता वेंकटेण्वर लू, विजयवाडा 3।

(अन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई काक्षेप, याद हा ता :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह- प्रक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली जमीन, पाटामाटा, विजयवाड़ा, आर० एस० नं० 175, विस्तीर्ण 833.30 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 11130/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 5-7-1983

अस्य आहूं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के बंबीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1983

निदेश संबंधारः ए० मी० नं० 320/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा भया है), की धारा • 269-द के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सँ० 22-6-2 और 3 है तथा जो काली कमान, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरगमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ये यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरगमान प्रतिफल से, एसे दरगमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शवस,, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिवल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाय अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-गृ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन विभन्तिस व्यक्तियों, वृष्ति ह—

(1) मैसर्स ज्योजी बिल्डर्स,
 22-6-2 और 3,
 काली कमान,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

'2) श्री गौकत अली, पिता श्री लेट नियामत आली, 22-5-250, काली कमान, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई भी बाक्षप:--**

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शापिग कम्पलैक्स, बिल्डिंग नं० 22-6-2 और 3, कोली कमान, हैदराबाद, विस्तीर्ण 167 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7768/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-7-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 321/83-84--अतः मझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/रा में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो कोंडयापालम, नेलीर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० गरुवा रेड्डी पिता डा० वीलिप, फतेखानपेटा, नेलौर।

(अन्तरक)

(2) इनफैंट जीसस, एउयुकेशनल सोसाइटी, बाई अध्यक्ष दर्गामीता, नेसीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

खली जमीन, विस्तीर्ण 4 एकड़, कोंडयापालम गांव, नेलौर, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 5201/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 13-7-1983

मोहरः

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदराबाद

. हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 322/83-84—अतः भृक्षे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो बंदामेडा कंड्रोगा मदन्तापल्ली में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदन्नापल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अच्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नतिचित स्थितारों, अर्थात् हु— (1) श्रीमती आर० गोवर्धनम्मा, 525, बालाजी कालोनी, तिरुपती ।

(अन्तरक)

(2) डां० पगादला एम० व्ही० भारती, केयर आफ पी० एस० नायडू, 14/519, वर्मा स्ट्रीट, मदश्रापल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में माहि भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तगरी सें से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 619 चौ० गज, कंड्रीगा, मदन्ना-पल्ली टाऊन, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5109/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मदन्नापल्ली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैं दराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद:दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 323/83-84/--अतः मुझे, एम० जेगंन मोहन,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं े राइस मिल है तथा जो बिकाओलू गांव में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वंणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कुए दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ;——

(ı) श्री टी० नागेश्वर राव और अन्य, बिकाओलू ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० लिलता पित वीर राघवा रेड्डी, और एक, विकाओलू, ईस्ट गोदावरी जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिनी की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्म्प्रहोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

राइस मिल, बिकाओलू गांव, विस्तीर्ण 7310 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 10410/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, काकीनाडा ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख : 13~7-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीर मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 324/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 260-स्न के अधीन सक्षम प्रांधिकारों को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो एस० आर० नगर, हैदराबाद में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया वै --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, स्थिपाने में संविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री के॰ सत्यनारायणा पिता विरोजी,
 8-3-389/1/बी,
 येलारे-डीगुडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेकटेशम पिता एस० वेकेटय्या, 7-1-396/1/ए, एस० आर० नगर, हैदराबाद ।

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुक्त करता हां।

रक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिंग के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कवा है।

अनुसूची

घर संपत्ति, संजीवारेड्डी नगर, हैंदराबाद, विस्तीर्ण 400 चौ० गज, प्लींथ एरिया, 100 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 7896/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैंदराबाद ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

प्रक्रम काई. टो. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 13 जुलाई 1893

निदेण सं० आर० ए० सी० न० 325/83-84--अत मझे, एम० जेगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो बुंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है)और इसमे उपाबद्ध अनमूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उसित बाजार मृत्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त आधानयम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---. (1) श्री सुजात अली पिता फजल नवाज जूनी, 6-3-1119, वंगमपेट, हैदरावाद ।

(अन्तरक)

 (2) श्रीमती ए० विजया लक्ष्मी पति मोहन रेडी,
 6-3-712/29,
 पंजागुट्टा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आरे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

घर संपत्ति, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1025 चौ० गज, प्लीथ एरिया 300 चौ० फूढ़ीट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2088/82. रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरताबाद।

> एम० जेगन मोरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख : 13-7-1983

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को) धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 326/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-6-309 है तथा जो बशीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चिक्कडपल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दें किसी आय की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक. के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) प्रोग्नेसिय बिल्डर्स, 3-6-300, हैदरागुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णहाजान बेगम अलियास आयशा रणीद, पति शेख गुलारमुल, 3-6-778, हिमायत नगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर संपत्ति ने 3-6-309, बशीरबाग, हैदराबाद, रिज़स्ट्रीकृत विलेख ने 1032/82, रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी चिक्कडपल्ली ।

एम० जेगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आहरं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 327/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सदाविषेट, मेढक जिला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सदाशिवपेट, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
19—206 GI/83

(1) निजामगारी अमीर अली
पिता मीरा साहेव और अन्य,
16, सदाशिवपेट,
मेदक जिला।

(अन्तरक)

(2) प्रियवर्शिनी स्पीनिंग मिल्स लि०, एकजीक्यूटिंव डायरेक्टर, एस० विरा रेड्डी, 16-3-841, आमीपेट, हैदराबाद ।

(अन्यरिदी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता ह**ूं**।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यसूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसुधी

खुली जमीन, विस्तीर्ण 18 एकड़, सदाणिवपेट, मेदक जिला रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1166/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सदाणिवपेट ।

> एम० जेगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

गारीख : 13-7-1983

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 328/83-84-अतः मुक्को, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट है तथा जो हैदरगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विस्ति में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- -(क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दर्गितव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति जिल्ला ब्लार प्रकट नहीं विज्ञा गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के देधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

मैसर्स मिलिक बिल्डर्स,
 3-6-290, हैदरगुडा,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० अफसर अली बेग पिता
 श्री उस्मान उद्दोर्झिलया,
 10-3-304/डी,
 हुमायूं, नगर, हैदराबाद :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धांकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लैंट नं० ए० वी० पांचवां मंजिला, हैदरगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1561 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7558/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 329/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट है. तथा जो तिलक रोड, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिङ्की कर्न आवकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंच्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथिश नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निस्तिलित व्यक्तियां, अर्थात् :-- (1) मैसर्स श्री: क्रुष्णा कन्स्ट्रक्शन कं० 8--2-626/6, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द परियामी पिता श्री दुलहानमुल परियानी, बी-5/एफ०-8, तीसरा मंजिला, मीग हार्जासग बोर्ड कालोनी, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति मो हित- ; बद्ध किसी अन्य करितत द्वारा अधोहरताक्षरी के , पास निकास मो अन्य किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनित्त के अध्याय 20-क मी परिभाषित, है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में, विया गया है।

अनुसची

पर्लंट मं० 4-1938/22/25, तिलक रेड, हैदरावाद, विस्तीर्ण 1530 ची० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख गं० 7889/25

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

् निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 330/83-84-अत: मुझे, एम० जेगन मोहन

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं घर है नथा जो सुलतान बाजार, हैवराबाद में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्रित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण तिरीक्त के सिए तय

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा कें लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निभ्निः अधिन अधिकत्यों, अधीन :-- (1) श्री रंगनाथन पिता श्रीनिवासाचारी.
 12-2-823/15/5,
 मेहदीपटनम, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री गोरख नाथ पिता ज्ञानेण्वर महाराज, घर नं० 5-1-680/1/ए सुलतान बाजार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिसा गया हैं।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० $5-1-680/1/\nabla$, बाँक स्ट्रीट. मुसतान बाजार, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7711/82, रजिस्ट्रीकिती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 13—7—198**3**

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 331/83-84---अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेहा आम्बरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिनिक त्यक्तिकों, अधीन :--

(1) श्री एम० राजेन्द्रनाथ,
 3-5-94/5/ए,
 राज मोहल्ला,
 हैदराबाद ।

(अन्तरिक)

(2) श्री टी० नूतन प्रसाद, मिने आर्टिस्ट, कृष्णाराव नगर, टी० नगर, महास।

(अन्तरिती).

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी। व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैद्दा आम्बर्पेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 3 एकड़, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं \circ 7916 और 7992/82, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 13—7—1983

भारता :

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 332/83-84-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पेद्दा आम्बरपेट, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बादत, उवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विधा के लिए;

गतः गम, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुप्ररण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० लक्ष्मीकांत,
 3-5-94/5/ए,
 राज भोहल्ला,
 हैदराबाद और अन्य एक ।

(अन्तरक)

(2) हैणी होम फर्नीचर प्रा० लि०, इनाडू कम्पाऊण्ड, सोमाजी गुडा, हैदराबाद ।

(अर्न्तारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि, 2 एकड़ 31 पूटे, पेद्दा आश्वरपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 7917 और 7890/82, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 13-7-1983

भोह्र :

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 ज्लाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 333/83-84-अतः, मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसकें परफात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नेलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पृहोंक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रनिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उच्चश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दारियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्रीमती बी० माहालक्ष्मम्मा पित रामनय्या, बूजा बुजा, नेलीर।

(अन्तरक)

(2) स्वामी आयाप्पा ट्रेडर्स, बाई मैनेजिंग पार्टनर, श्री जी० वेंकटेश्वर लू, संतापेट, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आरैर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसुची

खली जमीन, विस्तीर्न 4 एकड़ 35 सेंट्स, नेलौर, रजिस्ट्री \rightarrow कृत विलेख नं० 5227, 5304, 5306,5338,5703, 5308, 5380/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

्म० जेगन मोहन सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखिल व्यक्तियों,अर्थात् ः——

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 334/83-84--अत: भुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संध भूमि है तथा जो मङ्गीकुटा और सदाणिवपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सदाणिवपेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाियरव में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहन लाल और अन्य तीन, गोमा महल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मेघराज और अन्य 6, शमशीर गंज, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वाराः, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिद ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नं० एस० नं० 106 और 107 और 746, मदीकुटा, और मदाणिवपेट, मेदक जिला, विस्तीर्ण 14.35 एकड़ भूमि और प्लीथ एरिया 4000 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1266/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सदाणिवपेट ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983,

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद .

हैदराबाद, दिनांक 13 जलाई 1983

निदेण सं० आर० ए० सी० न० 335/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

- और जिसकी सं० णाप है, तथा जो कालीकुमान, हैवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह रिक्टाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितियों) के जिन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तर पा शुई कियो आप का बाबत **एकः धांध-**नियम के प्रधीन करदेने के **श**न्तरक के दायिस्थ में कर्मा करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए। भीर/या
 - .(च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो ,मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :— 20-206G1/83 (1)मेसर्स ज्योति विल्डर्स, 21-3-76, पस्थ**र गट्टी**, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री णंकर लाल, 22-6-116,कालीकुनान, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीले से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क्ष) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सू वर्षे

. शाँप नं० 22-6-2/73, कालीकमान, हैदराबाद, विस्तीर्ण 162 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7555/82, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**ष**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 336/83-84---अतः महो, एम० जेगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000 ∕ - रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो नारायणगुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिकत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किय जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

(1) श्री टी० व्ही० नायड, घर नं० 3-5-997, नारायणागुडा, हैदरावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० पारवतम्मा पति के० राजन्ना और अन्य एक, बरकत पुरा, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी संस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, नारायणगुडा, हैदराबाद विस्तीर्ण 178 चौ० ,गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1016/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनं रेंज, हैदराबाद

तारीख: 13-7-1983

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश संव आरव एव सीव नंव 337/83-84--अत: मुझे, एमव जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो सदाणियपेट, मेदक जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सदाणिय-पेट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वेक्ति सन्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतिकत मम्पत्ति. का उचित बाजार मूल्य, उसके रुष्यमान पिफल से, एसे रुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने यें सृविधा के लिए; और/या
- (ष) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियीं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियमी द्वारा अकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उत्पत्तः अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रुकमान राव और अन्य,3-8-60, सदाशिवपेट,हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स माइटी बैट्रीज प्रा० लि०, बाई एम० डी० श्री पी० शामसन, 16-11-20/9/2, मलकपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध स्थावर के कि अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थाच्दीकप्रणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस ची

खुर्व न, विस्तीर्ण 3.25 एकड़, सदाशियपेट, मेदक जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1328/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सवाशिवपेट।

> ्रम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **है**दरा**बाद**

तारी**ख** * 13~7–1983

प्ररूप आहें. दी. एन. एस.-----

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 338/83-84--अतः मझे, एम० जेगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं भूमि है तथा जो नेलीर टाउन, नेलीर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलीर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एन० साईबाबा और अन्य तीन, नवाबपेट, नेजौर ।

(अन्तरक)

(2) डा० राघऊल् और अन्य तीन, नवाबपेट, नेलौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पृतिः के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुंबा है।

अमृसुची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 4 एकड़ 33 गुंठा बिट देसरा, नलौर टाऊन, रजिस्त्रीकृत विलेख नं - 5382, 5430, 5383 और 5381/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नेलौर।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-7-1983

प्ररूप बार्च.टी.पुत्र.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (ननराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1983

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 133/83-84--अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 32-1-21 है तथा जो श्रीकाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल व होलिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए. और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :-- (1) श्री टी० वरहालम्मा वरैरह, श्रीकाकुलन ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० वी० नरिसह वगैरह, गुजरातीपेट, श्रीकाकुलम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मर्पात्त कं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 17833 चौ० गज, टी० एस० नं० 32-1-2, श्रीकाकुलम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3938, 3939/82, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रीकाकुलम ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 6-7-1983

प्ररूप जार्षः टी.एन्.एस.,-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत चरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोह्तक, दिनांक 14 जुलाई 83

निर्देश सं० रोहतक/143/82-83-- ग्रतः मुझे आरं० के० भयाना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान क्षेत्र० 250 व० ग० का आधा पूर्वी भाग है तथा जो मज्जर रोड रोहतक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार्राख नवम्बर, 82

को पूर्वों बत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (जन्तरितियो) क बाध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की संबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी िन्सी गाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जामा जाहिए था, क्रियान जें सोवधा के लिए;

क्षतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों., अर्थात् :-- (1) सूबेवार प्रहलांद सिंह दत्तक पुत्र श्रीरघु नाथ नि॰ मकान नं॰ 367 बार्ड नं॰ 32 काठ मन्डी, रोहतक।

(अन्तरक)

(2) डा० चन्द्र वार सिंह पुत्र ठाकुर विक्रम सिंह पुत्र बन्सी धर सिंह नियासी 17/9 जे०, मेडीकल कालेज एन्कलेख रोहसक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

भनुसूची

सम्पति मकान क्षे० 250 व० ग० का 1/2 पूर्वी भाग झज्जर रोड़, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री:कर्ता के कार्यानय, रोहतक में, रजिस्ट्री: संख्या 4468 दिनांक 19-11-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

नारीख: 14-7-83

मोहरः

प्ररूप ग्राई० डी॰ प्रन॰ प्स०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई 83

निर्देश सं० गुडगांवा/133/82-83-- स्रतः मुझे आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र से ग्राधिक है

और जिसकी सं भूमि 18 बिस्वे (2754 व ग ग) है तथा जो रेलवे माल गोदाम रोड़, गुडगांवा में स्थित है (और इंससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कृष्यभान प्रतिकल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिकल का प्रकृत प्रतिकल का प्रकृत प्रतिकल का प्रकृत प्रतिकल का प्रकृत प्रतिकल का अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तर में हुं कियां आप को बाबत उनते अधिनियम के प्रधीत कर देने के श्रम्त के के दायिक में कभी करने या उससे अचरों में सुविद्या के लिए। और/या
 - (ख) ऐसा किसो उपा मा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय स्थायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मनोहर लाल चोपड़ा पुत्न नरसिंह दास चोपड़ा पुत्र देशराज चोपड़ा नि० मकान नं० 152 अजमरी गेंट, देहली-6।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री राधेशाम, राम गोपाल, सतनारायण, महेन्द्र कुमार पुतान चिरन्जीलाल पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद, सिवासी 2911, किनारी बाजार देहली—6। (श्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपह्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इप मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्वश्वकी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की वारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 18 बिस्वे क्षे० 2754 व०ग० रेलवे माल गोदाम रोड़ गुडगांवा में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रजिस्ट्रीसंख्या 2608 दिनांक 22-11-82 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयदःर आयुक्त (निरीक्षणः) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीच : 15-7-1983

मोर:

प्रस्य ग्राई० टी० एन० एस० :

्आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा **269-घ(1) के मधी**य सू**चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1983 निर्वेश सं०गुडगांवा/128/82-83--- प्रत: मुझे आर० के०

भयाना आयकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बाक्षिनियम' कक्षा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं० औंधीगिक प्लाट नं० 60 क्षे० 2358.69 व० ग० पर बनी जायदाद है तथा जो औंधोगिक क्षेत्र, महरोली रोड गुडगांवा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निखात में बास्त्रिकि रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मी कभी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बोधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती थ्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री मुरेन्द्र पाल उप्पत पुत्र राम शरण दास उप्पल निवासी मकानं नं० 188 सैंक्टर 19-ए चन्ड़ीगढ़।
 - 2. श्रीमतं रेखा लाम्बा पत्नी अनिल लाम्बा 3. अनिल लाम्बा पुत नरेन्द्र सिह निवासी में ० नं ० 797/4 अर्बन एस्टेट, गुडगांवा । 4. श्री मृतीलकुमार सुगं लिक्सार पुत्रान नरेन्द्र सिंह पुत्र । गोपाल सिंह बारा श्री नरेन्द्र सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी अलयपुरा त० बवानी खेडा जि० भिवानी । (अन्तरक)
- (2) मैं० आर० एस० आई० स्विच गीचर प्रा० लि० 1 विशोप लेकरी रोड, कलकला-700020 । (अन्तरिती)

की पह सूचना जारो करके प्वाँकत सम्पत्ति के प्रार्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पन सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति औद्योगिक प्लाट नं० 60 क्षेत्रं० 2358.69 वं गं परवनी जायदाद औद्योगिक क्षेत्रं महरोली रोड गुडगांवा में स्थित है जिनका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रिजस्ट्री संख्या 2402 दिनांक 5-11-1982 पर दिया है ।

> श्चर० के० भयाना सक्ष्म प्राधिकारी .सहायक आयकर श्चायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहनक

तारीख : 11-√7-1983 `----

प्रस्प नाइं.टी.एन.एस्.------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश नं० गुडगावां/157/82-83---श्रतः मुझे आर० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक प्लाट क्षेत्र 2358.69 य० ग० है तथा जो औद्यागिक क्षेत्र महरोली रोड़ गुडगांवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहास में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण तिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्स अभिनियम के बृधीन कर दोने के अन्तरक की बाबिस्व में कनी करने ना उसके बृचने में सुविधा के सिए: और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ज्याने में सुविभा के लिए;

जतः सव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, जिम्निजिस्त व्यक्तियों, अभीत् कि—— 21—206 GI/83

- (1) श्री सुरेन्द्रपाल उप्पल पुत्र श्री राम भारण बास उप्पल मे० न० 188 सेक्टर 19-ए चन्ड्रीगढ़ । (अन्तरक)
- (2) मैं अार एस आई विस्वय गियरस प्राव्हिक द्वारा प्रोव्श्री सखर गंगजी 1 बिशोप लेफराय रोष्ट, कलकता - 700020। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्कां।

स्वष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनसर्ची

सम्पति प्लाट नं० 60 क्षे० 2358.69 व० ग० आश्रोगिक क्षेत्र महरोली रोड़ गुडगांना में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुडगांना में, रजिस्ट्री संख्या 2401 दिनांक 5-11-1982 पर दिया है।

आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश सं० उकलाना/3/82-83--अतः मुझे, आर० के० भयाना

बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 9 कनाल 8 मरले हैं तथा जो भाकेंट कमेटी रोड़, उकलाना मंन्डी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उकलाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और /या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ध---

(1) श्री रोहनास चन्द्र पुत्र कृष्ण चन्दर पुत्र गोकल चन्द नि० नई दिल्ली मुख्तारे आम श्रीमती मोहनी देवी विधवा जगन नारायण निवासी जयपुर श्रीमती मीता देवी विधवा कृष्ण चन्द निवासी नई दिल्ली श्रीमती उमा देवी पत्नी मदन महेण निवासी लखनऊ द्वारा श्री बाल चन्छ पुत्र चन्दू लाल नि० तिलक बाजार हिसार।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती यशोधा रानी पत्नी रामनिकास 10/100 भाग श्री रमेश कुमार फा चुनी लाल 10/100 श्रीमली पुष्पा देवी परनी कृष्ण कुमार 10/100 श्री दलीप सिंह पूत्र श्योकरण दास 10/100 भीम सैन पुध्न चन्दगी राम 15/100 बजरंग दास पुत्र श्रोम प्रकाश 15/100 श्रीमती बिमला देवी पत्नी लखी राम 15/100 श्री भगत राम पुत्र साही राम 15/100 निवासी उकलाना मन्डी , नि० हिंसार (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृति के अर्जन के दिल्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

अनुस्ची

सम्पत्ति । भूमि 9 कनाल 8 मरले मार्केट कमेटी रोड़, उकलाना मन्डी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय उकलाना में, रजिस्ट्री संख्या 267 दिनांक 10-11-82 पर दिया है ।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 15-7-83

प्रक्ष ग्राई० टी० एन० एस •--

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० /ऐ० पी० नं० 4459—अतः मुझे, जे० एल**० गिर**धर

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उना अधिनियम' कहा गया हैं), हो प्रारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाण करने का कारण हैं कि ह्याबर शिल, जिसका उविष् अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोतासिंह नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वृणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति है उचित बाजार मून्य य कम के दृश्यशन प्रतिकृत के निए अन्तरित को गई है और भूते यह विश्वार करने का कारण हाक प्रयापूर्वात संपत्ति है। उनित बाजार मून्य, उन्नके दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त प्रयाप्ति अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐस अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीज ऐस अन्तरक के निए तथ उपमा मुरा प्रतिकृत कित निम्नितिकों उपमें से ज्वा प्रयाप कित कित सामा स्थाप प्रतिकृत कर्म से क्षित नहीं। किया प्रयाप कि जिए तथ उपमा मुरा प्रतिकृत कर्म से क्षित नहीं। करा गया है ।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ज्ञीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसा किनी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1932 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या । ह्या जाना वाहिए था, खिपाने में, सुविधा के लिए।

(1) श्री जगमोहन सिंह पु०श्री ईशर सिंह बासी 696 मोता सिंह नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह वासी बान्दल हिम्मत तहसील फिलौर जिला जालन्धर।

(अन्सरिती)

को यह सूबना अपरो हरके पूर्वीता नम्यति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के मर्जा के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इन भूबन कि राजपत्र में रकारत की तारीख से 45 दिन की अविश्व या नश्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी सर्विध बाद न समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिता व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचनां के राजान में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अस्य व्यक्ति बारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा क्षरोंगे।

स्पण्डीकरण :--इसमे प्रयुक्त ग्रन्थों प्रौर नदीं का, जो जक्त सिधिनियम के अध्यान 20-क में परिभाषित हैं, बही सर्व होगा, जा ना अध्यान में दिया गया है।

अनुसूचीं

सम्पति व व्यक्ति जैसा कि विलेख नं ~ 5258 दिनांक नवम्बर 82(11/82) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

बतः अध उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् स्म

तारीख : 13-7-1983

प्रूरूप बाइ. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-म् (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायक र आयुक्त (निर्द्रीक्ण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश नं०/ए० पी० न० 4460—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाव 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्व 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो जी टी रोड जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के) अधीन दिनांक नवम्बर 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिक्त के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि नम्नलिसित उद्वर्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै॰ पी॰ एल॰ जैन मोटर्स प्राइवेट लिमिटिड जी॰ टी॰ रोड़, जालन्धर मार्फत श्री नेम चन्द जैन कार्यकारी डायैरक्टर कर्नल ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी नरिन्वर कौर पत्नी करतार सिंह हरभजन कौर परनी परमजीत सिंह, प्रकाश कौर परनी सन्तोख सिंह वासी गांव शंकर तहसील नकोखर जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति व व्यक्ति जैसा विलेख नं० 5535 तारीख नवम्बर 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एलं० गिरघर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीखः :**→ 13**--7-**-83 मो**इर**ः ः। प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुम्बना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश नं०/ऐ० पी० नं० 4461—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री खेंरती लाल पुष्त धर्मचन्द वासी णकूर वस्ती अंबोहर ।

· (अन्तरक)

(2) श्रीमती पस्ती देवी विधवा ओम प्रकाश वासी नई आबादी गली नं० 1, अबोहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, जे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हुगेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2136 विनांक 11/82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख** : 15-7-83

प्रक्य नाइ , टी. प्न. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 15 जुलाई 1983 निर्देश सं०/ए० पी० नं० 4462—यतः, मुझे, जे० एल० गेरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रास परिचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि भ्रत्सूर्या में लिखा है, तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) ,रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित आजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है के —

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार्रिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1: श्री मोती सिंह पुत्र वीर सिंह वासी भण्टिका।

(अन्तरक)

 श्रीमती बलवन्त कौर पत्नी जरनैल सिंह वासी भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या जारी करके पूज्येक्स सम्पृति, के अर्थन के सिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उक्त कम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप अ

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्पनित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उत्तत्। अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सर्वो नं. 329/1, कोधूरो तालुका निफाड जिला नासिक क्षेत्र 2 होकेटयर 81 आर. हो। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विसेख के.) 1857 जो नवस्बर 82 को बुय्यम निबंधक निफाड के दफ्तर में सिखा हो।)

वस्त्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5075 दिनांक 11/82 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15~7-1983

मोहर ः

त्ररूप भार्षः टी. एत्_{..} एस्. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4463---यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० जैसाकि अनुसूर्चा में लिखा है, तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णंरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूं में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नितियों उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्रास थे: किमी घ्रत या ग्रम्य ग्रास्तिमों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधित्यम या धनकर ग्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रश्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में मुविधा के लिए।

अस: अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिधित व्यक्तिमों, अर्थात् ६——

- श्री जेहैलर सिंह पुत्र करतार सिंह मार्फत गुरू नानक कोल्ड स्टोर, बीबी वाला चौक, भटिण्डा ।
- 2. श्री हरचन्द सिंह पुत्र मुंगी सिंह तथा भाई का, भटिण्डा भाग सिंह पुत्र पूर्ण सिंह गांव सीवीन जिला भटिण्डा; हरनेक सिंह पुत्र गुरदयाल सिंह, गांव गिल कलां, भटिण्डा भगवान कौर पुत्री रिखी सिंह, वासी प्रताप नगर जेहैलर सिंह बस्ती भटिण्डा मदन लाल पुत्र भाग चन्द, वासी प्रताप नगर, जालौर सिंह बस्ती, भटिंडा, भोगा सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, गांव कौट भाई; जरनैल सिंह पुत्र जोरा सिंह, गांव कौट भाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधाहस्ताकारी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

हमक्दीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति औसा कि विलेख नं० 5092 दिनांक 11/82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जें०एल० गिरध र सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-7-1983

मेहरः

प्ररूप काईं. टी. एन. एस.----

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4464—-यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुं. से अधिक है

और जिसकी सं० अनसूची के अनुसार है, तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण ने द्वई किसी श्राय की बाबत सकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाविस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के सिए; भीर/म
- (ख) ऐमी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोखनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या या किया जाना जाहिए जा कियाने में सविधा के लिए;

भतः भव, उक्त विश्वनियम की द्वारा 269-म के भनुसरण में; में, उक्त अधिनियन की श्वारा 269-म की उपधाराः(1) के भन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भवीत् :---

- 1. श्री वेद प्रकाश गर्गे पुत्र हरी राम, वासी भटिण्डा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती हरमिन्दर कौर पत्नी धनन सिंह, गांव मामपाल जिला फरीदकोट भारफत चनन सिंह, मैनेजर पंजाब और सिन्ध बैंक, धूरी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी अध्ये पूर्वीका संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख)। इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्कत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 5105 दिनांक 11/82 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, भटिण्डा ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-7-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1982

निदेश सं० ए० पी० नं. 4465—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जार मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नीलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 22--206GI/83

1 श्री प्रीतम चन्द पुत्र अर्जन दास, मुख्तयारे आम जंगीर सिह पुत्र भाग सिंह, पुराना बस स्टेन्ड से मेहना चौक रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

श्री मती सुखर्चन कौर पत्नी रिजन्द्र सिंह; बलिबन्द्र कौर पत्नी मेवा सिंह; सुखिबन्दर कौर पत्नी जगजीत सिंह रंधावा; रमन कुमार मल्होत्रा पुत्र प्रकाण मल्होत्रा; धियानो देवी पत्नी भुखर सिंह रकड़ा; विनोद कुमार पुत्र हरी राम; अनील कुमार साऊ पुत्र निरन्द्र कुमार; जीत सिंह पुत्र पूरन सिंह—भटिण्डा, मारफत एन०एफ० एन०, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपात्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5108 दिनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1983

मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए०पी० नं० 4466—अतः मुझे, जे० एल०

गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जैसा कि अनुसूची में है लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अर्धान, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :——

- श्रीमती वचन कौर पुत्री विलया पुत्र राम सिंह, पुराना बग स्टैन्ड से मैहना चौक रोड, भटिन्डा। (अन्तरक)
- 2. श्री हेमराज पुत्र दयाचन्द, नथाना; लीला देवी पत्नी विग्य नाथ रीता जेसवाल पत्नी विनोद कुमार; सिविन्द्र कौर पुत्री गुरबंत सिंह; करतार सिंह पुत्र गुरबंत सिंह; अशोककुमार पराशर पुत्र दिलबाग राय; देव राज गोयल पुत्र दिवान चन्द—मारफत एन० एफ० एल०, भटिन्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इयारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्थाष्ट्रीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्की

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5109, दिनांक नवम्बर, 1982 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिन्डा में निखाहै।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी'० नं० 4467—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नुलिचित स्युक्तियों सर्थात् :—

- श्रीमती बचनकौर पुत्नी बिलया पुत्र राम सिंह, पुराना बस स्टैन्ड से मैहना चौक रोड, भटिण्डा। (अन्तरक)
- 2. श्री निरंजन सिंह पुन्न करम सिंह, परम सुख सिंह पुन धना सिंह, प्रातम सिंह पुत्र फगन सिंह, श्रीशपाल अवस्थी पुन्न रामिकशन, बल्देव सिंह पुत्र जंगीर सिंह, महादेव दास पुत्र जंगो दास, वी0 रामा कृष्ण पुन्न पी० आर० वैंकटरमन, हरी लाल पुत्र रला राम— मारफत एन० एफ० एल0 भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हां, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारो।

स्पष्टीकरण:—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसािक विलेख नं 5130, विनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 15-7-1983

मोहरः

प्रकृप वाह . टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4468---यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की भारा 269-स के अधीन संसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अन्सुची में लिखा है तथा जो भण्टिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूम से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908.का 16) के अधीन दिनांक नयम्बर, 1982

को पूर्वों क्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रुयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ब्रुवमान प्रतिफल से एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्दिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फज निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्यू से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयुकी वावत, उक्त अधिनियम के अधीन क्षर दोने के अन्तरक के दाविस्य को कशी करने या उससे वचने में सूविधा के किए; बॉट्र∕या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, जियाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्री प्रीतम चन्द पुत्र अर्जन दास मुख्तयारे आम आफ गोविन्द सिंह पुत्र भाग सिंह वासी पुराना बस स्टैण्ड, ट्र मैहना चौक रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्री मखन सिंह पुत्र करतार सिंह प्रकाशो देवी, पत्नी देवी दियाल बासल दियाल पुर माईका, सावित्री चौधरी पत्नी हरबन्स लाल, इन्द्रावती पुत्री चमनलाल, सोहन लाल पुत्र टेक चन्द सुभाष चन्द्र चोपड़ा, राजीव तलवाड, पुत्रिकशोरीलाल सुरिन्द्र मोहन पुत्र द्वारका दास तथा करमवीर भारद्वाज पुत्र पंकजराम मारफत एलं० एफ० एल०, भण्टिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की सुविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी खन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्वध्वीकरणः:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं वर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जहा कि विलेख नं० 5154, दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 15-7-1983

प्रस्प आइ⁴.टो.एन्.एस.------

भायकर किंभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, **दि**नांक 15 जुलाई 1983 निदेश सं०/ए० जी० नं० 4469—च्यत: मझे, उ

निदेश सं०/ए० भी० नं० 4469—यतः मझे, जे० एल० गिरधर

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जैमा कि अनुमुची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच एसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नितिका उद्देश से उक्षत अन्तरण निभित्व में गम्निविक इस ने किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अनुतरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बंधने में सुविध। के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उतत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बृविभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री हजूरा सिह पुत्र हवेला सिह वासी गरू नानक पुरा, भटिण्डा ।

ं(अन्तरक)

श्री राकेण कुमार पुत्रवेद प्रकाश, जगदेव राज पुत्र प्रभमल, अमतलाल पुत्र भोहन लाल, धरमा देवी पत्नी बलवीरसिंह, श्रीजीलाल पुत्र हंस राम, कलमलेश कुमारी पत्नी प्रीजीलाल, निरमल गुप्ता, पत्नी भेहतराज वासी सिवासा निल, लाल सिंह बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आर् करके प्याँक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारणः — इसके प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जा जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5299, दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-7-1983 मोहर : प्ररूप भार्द, टी. एन. एस.-----

भायकर गिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्धीन स्पना

भारत सुरुकार

कार्याम्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षिण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4470-यतः मझे, जे० एल० गिरधर

वायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसुची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह ियश्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, था भनकर अभिनियम, था भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुखदेव सिंह पुत जगीर सिंह वासी मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुलशन कौर पत्नी मनजीत सिंह भटिण्डा, मनजीत सिंह पुत्र गुरवचन सिंह, भूपिन्द्र कौर, पुत्री सरवजीत सिंह, अशोक कुमार पुत्र प्रताप चन्द, राज रानी पत्नी जगन नाथ, सुभाप मलहोत्रा, पुत्र बसंत लाल, ममता पुत्री बलदेव राज. गोविन्द सिंह चोपड़ा, वासी सिव साँ मिल, लाल सिंह बस्ती, भटिण्डा मारफत अछल्राम मास्टर, एन० एफ० आर० हायर सेकेन्डरी स्कूल, भटिण्डा, आफ दी टैगोर कोआपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड, लाल सिंह बस्ती भटिण्डा।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा श्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5312 विनांक नवम्बर. 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिःडा में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयक्षप आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 15-7-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, जालन्धर जालन्धर,दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० धी० सं० 44,71--यतः भुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनमुची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :--

- (क) अन्तरण से **हर्द्ध किसी अाय** की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री गुरबंखण सिंह पूत्र जंगीर सिंह वासी मलतानिया रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज गरग पत्नी सूरिन्द्र कुमार, भृविन्द्रकौर पत्नी विजै कुमार, निर्मला दवी पत्नी वेदप्रकाश, परवीन कुमार पुत्र लक्षमन बास, भटिण्डा, गुरमिन्द्र सिंह पुत्र चानन सिंह, पवन कुमार पुत्र संत राम चानन दास, पुत्र पनालाल, जसवीर सिंह पुत्र गुरचरन सिंह, निरमला देवी, पत्नी भगवान दास, कृष्ण कौर पत्नी फतेसिंह मारफत अळखराम मास्टर एम० एम० ऑरं०, हायर सैकेन्डरी स्कूल, भटिण्डा, आफ दी टैगोर को-आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोसायटी, लिमिटेड, लालसिंह बस्ती, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5313, दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्टीकर्ता अधिकारी भण्टिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम ब्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-7-1983 मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4472—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृख्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न अधिनियम, या एच-कर अधिनियम, या एच-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनयमों, अर्थात् :—

 श्री पलकीत गिह, पुत्र जगीर सिंह बाभी मलेतानिया रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र हरी चन्द्र, भिटण्डा, राम मूरती पत्नी सुरिन्द्र कुमार, रिमन्द्र कौर, पुत्री करमजीत सिंह, भोला पुत्र तेजा सिंह, जरनेल सिंह, पुत्र बिणन सिंह, चांद रानी पत्नी मोहनलाल, राज मित्तल, पत्नी सुरिन्द्र कुमार, इष्णा देवी पत्नी जनक राज, सुनीता देवी पत्नी मदन लाल सिगला, अमृत कुमार पत्नी हरईन्द्र सिंह, सरवन कौर पत्नी प्रकाण सिंह भटिण्डा, मारफत अछक राम, मास्टर, एम० एच० आर० हायर सैकंडरी स्कूल, भटिण्डा, आफ दी ृटैगोर को-आपरेटिव रेजि० सोसायटी लिमिटेड, लाल सिंह बस्ती, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्सि के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5314, दिनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सुरकारु

सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4473—यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च कें अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसुची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्बर, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 23-206GI/83

 श्री बतदेव सिंह गुत जगीर सिंह, वासी मुलतानिया रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रक्षा देवी पत्नी श्रज्ञतान, निर्मला कुम पत्नी रामिनवास, परतीत वजाज, पत्नी अवनाणचन्द्र भिटण्डा, राकेण कुमार पुत्र तरलोक चन्द जालन्धर, डा० सुरजन लाल गरग, पुत्र हरदेव सहाय भिटण्डा लक्ष्मी देवी पत्नी दिवान चन्द, भिटण्डा, रेशमा देवी पत्नी कणमीरी लाल, शकुल्ता देवी पत्नी सतपाल मोड़ मन्डी, पुष्पा देवी पत्नी तर्भमचन्द मोड़ मंडी, परमा देवी पत्नी कृष्णनाल, वरनाना, आफ दी टैगोर को-आपरेटिव हाऊस विल्डिंग सोतायटी लिमिटेड, लाल सिंह वासी, मारफत अछ्रूराम मास्टर एम० एच० आर० हाईयर सेकेन्डरी स्कूल, भिटण्डा।

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्र प्रकाशन की तारीख पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्ष बिधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5396 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, स्थाम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, जालन्धर

ताराख: 15-7-83

प्रख्य आर्थ. टी. एन. एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983 निदेश मं० ए० पी० नं० 4474—यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उज्जित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं जैरा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भिटिण्डा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) प्रजिस्ट्रीयनी अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजिस्ट्रीक ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथान नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय को बाबत उक्त अधि-|२५६ व अभीत कर दौन को जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ल) एंसी किसा आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री गुरमेल सिंह पुत्र जंगीर सिंह वासी मुलतानिया रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णादेवी पत्नी हरवंसलाल भटिण्डा, सरोज मंगला पत्नी पवन कुमार, राम पुराफल, सुदा गोयल पत्नी सुरेण कुमार राम पुरा फूल, नरेण कुमार, पुत्र रोशनलाल, भटिण्डा, अमृतलाल पुत्र दिवान चन्द, कोटकपुरा, कमला शणी, पत्नी कृज लाल भटिण्डा, अमरनाथ पुत्र बलैतीराम बोहा, जगननाथ पुत्र बजनराम भटिण्डा, सतपाल पुत्र गाधी राम मानमा रामदेव, सरन पाठक, राम पुरा पुल, हरी चन्व वासल पुत्र बनारसी दास राम पुरा पुल मारफत अछल्राम मास्टर एम० एच० आर० हा० सेकेन्डरी स्कूल, भटिण्डा, आफ दी टैगोर को-आपरेटिव हाऊम बिल्डिंग सोसायटी, लिमिटेड, लाल सिंह बासी, भटिण्डा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाध्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अम्स्ची

सम्पत्ति तथा ब्यक्ति, जैमा कि विलेख नं० 5399 दिनांक नवस्वर, 1983 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी मटिण्डा में लिखा है।

> जे० ए४० गिरश्रर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेज, जालन्धर

अतः, अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ के अनुसरण मो, मो, उस्त अधिनियम कीधारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिनिय व्यक्तियों, अर्थातः——

तारी**ख** 15-7-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध-(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए०पी० नं० 4475—र्यंतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्वर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित दाजार मूल्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्देश्य से उपल अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्रीमती शामी पत्नी बनारसी दास, पुत्र वालक राम वासी, भटिण्डा।

(अन्तरक)

2. प्रो० शाम लाल पुत्र बनारसी दास वासी साहगले डा० देव दत्त धोबी बाजार, भटिण्डा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत भे प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना हो राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उपत स्थावर गम्मित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्रत अधिनिया, के अध्याय 20-क यो परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उत्र अध्याय मे दिया गया हाँ।

अनुसूची

सम्पत्तितथा व्यक्ति, जैसा कि थिलेख नं० 5221, दिनांक नवम्बर, 1982 को रिवस्ट्रं की अधिक री मिटण्डा में क्विस्ट्रं।

> ज० एउ० गिरबर प्रज्ञन प्राधिकारी खहायक आयक्रर अध्यक्ष्य (निरोक्षण) अर्थेत रिंज, जालन्धर

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 15-7-1983

मोहार 🙄

nama ayaaabaa aanin aa aa aa ah ah ah

प्ररूप आई. दी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

.भारत सरकार

कार्यालय, सहाबाठ आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिंज, जानन्छर जानन्तर, दिलांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० ४४७६--यनः मुझे जि० एल० गिर्धर,

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन सम्भित्त, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में राजिस्ट्रीकरण अधिविधम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति एत का गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कार्यत मुहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वापित्य में कभी करने या उससे बचने में सृबिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किए। अस्य या विस्ती धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें कालीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर कार्यनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिये था स्थिपाने में सुविधा की निर्हा

अतः अब, उक्त अधिनीयम की धारा 269-ग के, अनुसरण माँ, माँ. उक्रव अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नोकोन्द अधिनियमें, अधान :—— श्री अनिल कुमार पुत्र देव राज, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

2. श्री राकेश कुमार गोयल पुत्र मुंर्णाराम पुत्र अत्तर मल वासी, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सेंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पेरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त श्रृक्ते और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति, तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 5222, दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जं० एल० गिरनर, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-7-1983

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 239-च (1) के मर्मान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, जालंधर

^६ जालन्क्षर, दिनांक 15 ज्वार्ड 1983

निदेश सं०/ए० पी० न० 1477—स्वतः मुझे, ते० एल० गिरधर, श्रायकर श्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अधान सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वाप करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिसका उक्ति वाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के मार्थालय अटिण्डा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यका किएक से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पत्प्रदृ प्रतिका के प्रिक्त है और कन्तरक (प्रत्नरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐने पन्तरण के लिए तब पत्म गया प्रतिफल, तिम्तिविवत उद्देण्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किया आप की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देते के अकारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए! धीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रता आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चांत्रए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग वो अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 260-प की उप-धारा (1) के अधीन, निकाणितित स्थितियों, अधीन, अधीन,

- (1) श्री भीन सन पुत्र बिहारी लाल आलूवालिया गांव फनेहपुर तहसील कैथल, कुरुक्षेत्र (अन्तरक)
 - 2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी शाम लाल पुत्र नसीब चन्द मारफत मैंसर्स नसीब चन्द शामलाल बीड़ी सिगरेट दुकान दी माल, भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्पवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अबंग क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरपन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीज में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समापाहीती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितक्स
 किमी अन्य स्थिकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 जिख्यि में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ——इसमें प्रयुक्त गठदां घौर नदों का, ना **उस्त** अधिनिषम के अध्याप २०-० में परिमायित है. बही भारेहोग, ना उस अध्याग गदिया गया है।

अनसधी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विशेख नं० 5391 दिनांक 11/82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-7-83

में/हुंर :

সভাৰ আছিঁ≎ তী≎ গ্ৰ⊕ ত্ৰা⊕————

ब्राङ्गश्र भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-थ (1) के ब्रह्मीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, जालन्यर

जालकार दिसाक 13 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० ने० 4478——यतः मुझे, जे० एल० गरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव जैसा कि अनुसूची में लिखा है नथा जो दादा कालोनी, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का भारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसो ग्राय की बाबत; छक्त ग्राधि-नियम के अधीन कर थेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में शिय; धीर/या
- (ख) ऐसी किनी भाय या किसी घन या भाय भासित्यों को जिन्हें भारतीय शायकर पिछिनियम, 1922 (1922 छा 11) या तक्त बिछिनियम, या धन-कर पिछिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः यद, उक्त मिलिनियम की सारा 269-ग के श्रनुसरण में, पें उरतः मिलिनियम की बारा 263-व की उपश्रारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री णणीकुमार पुत्र हुकम चन्द
 वामी--197-दादा कालोनी, इण्डस्ट्रीयल एरिया,
 जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तोप कुमारी पत्नी इन्द्र जीत और श्रीमती सरला रानी पत्नी तरमीम लाल, डा० दीनदियाल ऊपदीया नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- () जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति जो कि दादा कलोती दि इण्डस्ट्रीयल जालन्धर और व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं > 5281 दिनांक नवम्बर, 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांकः 13-7-83

प्ररूप आइ⁵. टी. एत. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा व 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4479—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं.

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में राजस्ट्रीक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पर्वोक्त सम्मित्त के अबित बाजार मूह्य से कम के दृश्यनान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया श्रतिकल, निम्नलिखित चहेश्य से अक्त भ्रन्तरण निज्जित में वास्तिक रूप से कियत मही किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या,
- (ख) ऐसी किया आप या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर धिधिनियम 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकरं भिधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 285-1 के धन्-सरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की घारा 289-अ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित ग्रावितयो ग्रामित्:--- (i) श्री रागेण कुमार, पृथ देवराच व प्रदीव कुमार पुत रामववद द्वारा अशोक कुमार सुख्यार आम गायी---94-नजानम नगर जालन्धर । (अन्तरक)

entra establicado en la comercia de la comercia de

(2) श्रीमती निर्मला यनी पत्नी अणोक कुमार वामी—विजय नगर जालन्धर । (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करके हैं।

उस्त सम्पत्ति के अर्धन के मभ्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उनत स्थायर संयक्ति में दिलाबाद कियी प्रसा स्थापत द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षारी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे

भ्यव्हांक्रम्ण :--- धुसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्योका, को उनत अधिनयमं भ मध्याय 20-क में गरिभाणित है, वहीं मध्ये नेगा जो उस सम्याय में विकासिस है।

अनस्सी

सम्पत्ति व व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5140 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-7-1983

मोहर 🖫

प्ररूप कार्षं.टी.एन.एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4480--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिन्द्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कर के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते एह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यभान प्रतिफल कर पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए लय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्वेश्य से उत्त अंतरण लिखित में बास्तिक इं रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के. अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सृविधा कं लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्यें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध-

(1) श्री बलदेव सिंह पुत जंगीर सिंह वानी--मुलतानिया रोड, भटिण्डा

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्रिजलाल निर्मला कुमारी पत्नी राम निवास भटिण्डा प्रमीता बजाज पत्नी डा० अवनाश चन्दर भटिण्डा । राकेण कुमार पुत्र तरलोक चन्द जालन्धर डा० नरल्जन लाल गर्ग पुत्र हरदेव सहाय मोड, लक्ष्मी देवी पत्नी दिवानचन्द भटिण्डा, रेशमा देवी पत्नी कश्रमीरीलाल भटिण्डा सकुन्तला देवी पत्नी सतपाल, मानसा, पुष्पा देवी पत्नी तरसेम चन्द मोड भण्डी, परमादेवी पत्नी कृष्णा सिंह आफ दी टैगोर को० आपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड लाल सिंह बस्ती भटिण्डा मारफत अल्ल्याम मास्टर, एम०० एच० आर० हा० सैकेड्री स्क्ल भटिण्डा।
- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किसागृदार हो। (बह व्यवित, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई। (बह व्यवित, जिस्के बारे में अधोहस्ता— क्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है) की यह मूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्वत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा. से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अमृसूची

सम्पत्ति तथा स्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5398 दिनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-7-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आई¹.टी.एन्.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अर्थान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जानकार

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4481—यतः मुझे, भे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोच्छ संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिशित उद्देश्य से उसते अन्तरण सिश्चित में बास्तविक रूप में किया गया हैं:--

- (क) शतरण से हुई किसी शांय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कभी अनुने या उससे अचने में सुनिभा के लिए; ज़ौर/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय शाय-बार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खिपाने में एकिया के सिए;
- ाक्षा अस, असत अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-भ को उपधारा (1) के अधील जिल्लालिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह———24—2801/83

(1) श्री जोगिन्द्र सिंह, जगर्जीत सिंह सपुत्र जिऊन सिंह वासी—कोठी अमर पुरा, पिछे आफ धरमल कालोनी, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कैंप्टन हरशिन्द्र सिंह संध् पुत कौर सिंह गांव मेहराज तहि क्ला।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में क्षि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिया शुरू करता हूं।

सकत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 5091 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-7-1983

मोहर 🗓

प्ररूप्. भाइ. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सुरकार

कार्यः त्त्रयः , सहायक आयकर आंग्व्सः (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश मं०/ए० पी० नं० 4482---य्तः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवस्त (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. रो अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रय प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कुलबंत राये पुत्र बलैती राम मारफत वलैतीराम, कुलबन्त राये, मानसा मण्डी, मुखतियारे आफा हुकमचन्द, वेद प्रकाश नई क्लाथ मारकीट, भटिण्डा (अन्तरक)
- (2) श्री महिन्द्र सिंह पुत्र दौलत राम भटिण्डा परवीन देवी परनी रनजीत सिंह गांव केसरी सिंधपुरा राजस्थान । तरसेम सिंह पुत्र मुहिन्द्र सिंह भटिण्डा, जगराज रानी पत्नी अमरजीत सिंह । गांव—दोदा सिंह० मुकतसर, करनैल सिंह पुत्र प्रेमसिंह भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5321 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15-7-83

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेश मं०/ए० पी० नं० 4483--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे समने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को ज़िन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महत सोहन दास चेला जीऊन दास पुत ऊत्तम दास गांव—कोटणमीन।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द सिंह पुत्न केसर सिंह गांव—दीद जिला—फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इ.स. स्पना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5417 दिनांक नवम्बर, 1982 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 15~7~83

मोहर 🔅

प्रकृष् वार्षे . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जुलाई 1983

नोटिस नं० 36591/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/ रहे. सं अधिक है

और जिसकी सं० 37/106 है, तथा जो 12 कास मल्लेशवरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 नवस्वर, 1982

का पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भीधिनयभ, के स्थीन कर देने के अन्तरक के दायत्व में कारी फरने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या क्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लतः धर्व, उक्त अधिनिमम की धारा 269-म के अनुसरण मीं, भीं उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपपारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० एम० उमाशंकर
 नं० 2/1, 13 ऋास, 10 मैन रोड
 मल्लेशवरम, बेंगलूर-3।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० सम्पतराज कोठारी नं० 1137/83, III कास श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के प्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया,
- ्ष) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गुजा हैं।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3419/82-83 विनाक 27-11-82) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 37/106 जो 12 कास मल्लेशवरम, बेंगलूर में स्थित है ।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगंसूर

विनांक : 13-7-83

प्रकप आई। टी। एन० एस।----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 1 3 जुलाई 1983

नोटिस नं० 37101/82-83--यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 2'69-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु० से अधिक है ओर जिसकी मं० 76 अब एस० न० 52/ए० वी० ए० आर हे, तथा जो बडगबेट्ट विलेज, बैलूर वाडि उडूपी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड़्पी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 नवम्बर, 1682 को पुर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीत-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिपाने में सूजिमा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (*) श्री अनन्तरामा तान्त्री सन/आफ श्री पी० पध्मनाभा तान्त्री कोलाम्बे में नं० 76 बडगबेट्टू विलेज, उडूपी टीन उडूपी पोस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री कें नारायण भट निरीक्षक केनरा बैंक कोडावूर श्रांच कोडाबुर।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पृत्रांकित सम्परित के अर्थन के वि कार्यवाहियां करता है। उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत में प्रकाशः। की तारी स से 45 दिन की खबिध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित होती हो से किसी स्पित हुपारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से, 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा व्योहस्ताकरी के पासु हिसिस में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उसता अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 702/82-83 दिनांक 27-11-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 76, नया एस० नं० 52/ए० बी० ए० आर० जो बडगबेटू विलेज, उड़्पी टीन में स्थित है।

> मंजु माधवनः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-7-83

मोहर 🕃

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 13 जुलाई 1983

नोटिस सं० 36500/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41/1 है, तथा जो 7 मैन रोड 4 डिवीजन मल्लेशवरम, बेंगलूर-3 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना बाहिए था ख़ियाने में सुविधा को लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) श्री एम० कृष्णमूर्ती नं० 28, आन्जनेया टेम्पल भोड ा स्ट्रीट, घोगाद्रिपुरम बेंगलूर-20

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एंस० शांता भाई डाटर/आफ लेट साबन्ना आरोग्य और कुटुम्ब उन्नति विभाग, बेंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दस्तावेज सं 3414/82-83 तार्राख : 25-11-82 सब सम्पन्नि है, जिसका सं० 41/1 जो 7 मैन रोड, 4 डिवीजन, मल्लेशवरम बेंगलूर—3।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगसूर ।

दिनांक : 13-7-83

अक्ष काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 13 जुलाई 1983

नोटिस सं० 36607/82-83-यतः मुझे, मंजु माधवन, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त धार्धानियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

और जिसकी सं० 1602/44 है, तथा जो घर के बाहर का छोटा मकान 40वां कास, जोशा 'टी' ब्लाक जयनगर बेग्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक 4-11-1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृष्यमान प्रतिफल का पन्द्र ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलाखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इन से कावत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरवास पृष्ट किया पान का माना जनत प्रक्रिक सियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व पे कमी करते पा उत्तर बचने में सुविधा के लिए। और/मा
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती च्चारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संबंधा के लिए;

जतः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण में, में उथत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती टीं० अनसूया भाई नं० 1602, 40 ए० कास चौया टी ब्लाक, जपनगर । वेगलूर—41 ।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० श्रीनिवासा नं० 1398, 28 मैन ए० कास नौवा ब्लाक जयनगर। बेंगसूर----11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सची

(दस्तावेज सं० 2562/82-83 दिनांक 4-11-82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 1602/44 पुराना सं 1602, जो चौथा टी ब्लाक जयनगर,बेंगलूर में स्थित है।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक: 13-7-83

मोहर 🖫

प्ररूप आर्च. टी. एप. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 स्(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, विनोक 13 जुलाई 1983

नोटिस सं० 38354/82-83—यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 15-16-878 इन सर्वे सं० 105-2ई, 105-1 और 72-1ए1 और 62-1 है, तथा जो काद्री और मनोली विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक नवम्बर, 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापृष्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उन्ने के कारण है कि यथापृष्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उन्ने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत दे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्द्रोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- '(ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती जैन बिबियाना पिन्टो श्री हरालड का विधवा सन्मम सान्ता कुज, बेस्ट बम्बई बैठ जीठ पीठ एठ होलडर एसठ टीठ कोइलो सन/ आफ जेठ पीठ कोइलो कन्डल गार्डन, मंगलूर—1

(अन्तरक)

(2) श्री महमद सालि सन/आफ महमद इज्ञाहिम केयर/आफ शैक अब्दुल्ला चार्टरड एकाउन्टेण्ट चर्च बिल्डिंग कोडियालबैल, मंगलूर--575003

(अस्त्ररिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हितबद् में किए वा सकेंगे।

स्पट्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 342/82-83 दिनांक नवम्बर, 82) सब सम्पत्ति है, जिसका सं० 15-16-878 इन एस० सं० 105-2ई, 105-1 और 72-1ए० 1 और 62-1 जो काद्री और मनोली विलेज, मंगसूर में स्थित है ।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 13-7-83 मोहरु ६

प्रकथ बार्षे . टी . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 3 बम्बई बम्बई, दिनांक 14 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० आर० 3/37 इइ-211/82-83----मतः मुक्षे, एस० एच० अब्बास अबिबी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से बिधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो महाकाली केव्हज रोड, अंधेरी (पूर्व) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दिनांक 12/11/82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तीवक कब, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तीवक कब, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोननार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दवा था किया द्वारा वाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—206 GI/83 (1) महल पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेंड ।

(अन्तरक)

- 1. श्री उधाराम भजनलाल लुथरिया।
- 2. श्री श्यामनाल भजनलाल लुथरिया।
- 3. श्री गिरधरलाल भजनलाल लुथरिया ।
- 4. श्री महेश यू लुभरिया।
- 5. श्री किशोर यू लुथरिया ।
- 6. श्रीमती राधा यु० लुथरिया ।
- 7. श्रीमती कविता एस० लुर्थारया ।
- 8. श्रीमती मनोहर भजनलाल लुथरिया ।
- 9. श्रीमती रेखा एम० लुथरिया ।
- 10 श्रीमती मुलीबाई बी० लुथरिया ।
- 11. श्री पड़ी संथनाम राघवन ।
- 12. मैसर्स लुथरिया ब्रदर्स ट्रस्ट ।
- 13. कबीर बदर्स ट्रस्ट । ध्रनिगतत झोपडपट्टी, कब्जा किया हुआ हकदार । मि० जे० एम याग्तिक मि० ए०जे०, रिवेलो और फैमिली ओमक्स बिल्डर्स मेहताब डेव्हल पर्स, सरदार

हरिन्द्र सिंध और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य स्थावत इवारा, नभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए का सकीये।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गय। है।

अन्स्ची

26:85 एकड़ जमीन झोपड़पट्टी से भरी हुई । सर्वे नं० 8 और 9, पार्ट, 4, व्हिलेज वेरावली, तालुका अंधेरी (पूर्व) बि० एस० डी० बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क० 3/21/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया ।

एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज --3, बम्बई ।

दिनांक : 14-7-83

प्रकृप आइं.टी. एन. एस. ------

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा -269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/3416/82-83--श्रतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित गाजार मूम्य 25,000/- रु. से अधिक है

23,0007 (7. राज्य कर्ष्ट्र क्षेत्र क्

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एते ध्रयमान प्रतिफल का रान्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया, भया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) शंतरण से हुई किसी श्राय की बाबत., उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बार/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीनीयन व्यक्तियों, सर्थात क्ष-

- (1) कैप्टन यशवन्त श्रीपाद रणदिवे और श्रीमती विनया यशवन्त रणदिवे ।
- (अन्तरक) (2) मैसर्स रमेशचन्द्र महाबीर प्रसाद एण्ड कम्पनी ।
- (3) भाडोती । (अन्तरिती) (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके ृबॉबत सञ्चित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त स्थेती हां, के भीतर पूर्वों कर स्थितियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उन्नत स्थावर मम्मिस में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी में पास निवित्त में किए वा तकोंगे।

स्मध्यीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विय भवा है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस०-1036/82 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी सक्षम[्]प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१, टा

विनांक : 11-7-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ?69-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 22 बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 जुलाई, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/37इ६–68/82–83––म्नतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबिदी,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ उ. गे अधिक है

और जिसकी सं० फलैंट नं० 21, 2रा माला, गोकुल अपार्टमेंट हैं तथा जो मालाड (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रानुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय, बम्बई में और जिसका करारानामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-2के कार्यालय, में बिं० 22-11-82 को रजिस्ट्री है

को पूर्वाकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (ज) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षतः अक्षतः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरणः
 में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
 के अधीनः, निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्भातः ।:—

 $\chi(\mathbf{1})$ मैसर्स दत्ताणी कन्स्ट्रक्शन ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणपतराय गरोडिया और श्री ईश्वरी प्रसाद गरोडिया ।

(अन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता है।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनी की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (सं) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

प्लाट नं० 21, 2रा माला, गोकुल अपार्टमेंट, व्हिलेज मालाड, गोशाला, लेन, आफ दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई 64 ।

अनुसूची जैंसा कि अर्जन इताका 2/62 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई बारा दिनांक 22/11/82 को रिजस्टर्ङ किया गया है।

एस० एच० अब्बास श्रबिदी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 11-7-83

मोह्यु 🖺

प्रकप् बाह् ु टी ु एन ु एस 🚉 - 😑 ====

भागकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

भारत सहकाह

कार्यालय, सहायक आयक टुआय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई बम्बई, विनांक 15 जुलाई 1983

निदश सं० ए० आर०-2/37इइ-35/82-83-- ग्रतः मुझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० सी०-22ए०, ग्राउंड फ्लोर, बोनानका इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व) बम्बई है तथा जो कांदिवनी पूर्व में स्थित है। ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है। रिजस्ट्रें। के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार्राख 11-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पृत्ति को उजित बाजार मूल्य से कमु के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकृति से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत जन्मितिबत् उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्रीमती ज्योती भरत शेठ

(अन्तरक)

(2) श्री निती चन्द्र मूलचन्द जोबनपुत्रा (कर्ता एच० सू० एफ०) ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पा है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० सी०-22ए, प्राउंड फ्लोर, बोनःनक्षा इन्डस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कौदिवली (पूर्व) बम्बर्ष ।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका-2/32/82 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास आबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 15-7-83

मोहर 🎉

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनोक 11 जुलाई 1983

निर्देश सं ॰ ए० आर० 2/3419/82-83—-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो विलेपार्से (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपाग्रद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सूविधा के लिए;

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित अधितारों, अधीत्:—

(1) श्री सुधीर सदाशिव केसकर

(अन्तरक)

(2) जय बनभीम कृपा को-आपरेटिव हार्ऊासग सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) सोसायटी के सदस्य (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति, के अर्जन व लिए कार्यबाहियां करता हुए।

उक्त संपरितं के वर्णन के संबंध में कोई आक्षेप 🖫 -

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पर्धकारणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० 1635/1980 और उपरिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दि० 30-11-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

एस० एच० अब्बास आबिदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 11-7-1983

मोहर 🚁

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई 1983

ं निदेण सं० ए० आर० 2/37 इह/43/82-83—अतः मुक्षे, एस० एच० अब्बास आबिदी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० सी-24, बोनानमा इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, क्रांदिवली (पूर्व) बम्बई है तथा जो क्रांदिवाली (पूर्व) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 केल के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी सहाय आयकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दि० 15-11-82 को रजिस्ही है।

का पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) बोनानक्षा इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) श्री कीरीत कुमार आर० पटेल और चंचलबेन आर० पटेल

(अन्तरिती)

हो यह सूचना जारी करके पूर्वीनत संपत्ति के प्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिष् बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्भाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी बं पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याग 20-क में प्रिमाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्य गया हैं।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट नं० मी-24, बोननझा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवाली (पूर्व) वस्बई। अनुसूची जैमा कि अर्जन इलाका क० 2/38/82 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 15-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अञ्जास आबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई।

दिनांक: 15-7-1983

प्रकृष कार्ड० टी • एन० एस • -----

भ्रायकर प्रधितिका, 1981 (1981 का 43) की आर। 269-म (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरक्षार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० आर० 2/37 ईई/83/82-83—स्रतः नुझे, एस० एच० स्रज्यास स्राबिदं

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० 1, बिल्डींग नं० 1, साई आशिश, ऑफ०: डा॰ पिटर डाएस रोड, बम्बई-50, तथा जो बाद्रों में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन इलाका-2 के कार्यालय में दि० 27/11/82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वीकत सम्मिति है उतित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकार के लिए मन्तिरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित का खिला बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल है, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिष्क है मौर अस्तरक (अन्तरकों) धीर अन्तरितों (मन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित संदेशय में उक्त पन्तरण लिखित में बाक्तविक इप से कथिल नहीं किया एया है:~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलियित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डाली फली हवे वाला

(अन्तरक)

(2) परवीन जहांगीर चोथिग्रा।

(अन्तरिती)

(3) डाली फली हवेबाला।

को यह सूचना जास करते पृथानन सन्या। के अनंत के लि**ए सार्यवाहियां** करना है।

चन्त सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीर :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तन स्थाहर संपत्ति में विन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, भो उस अध्याम में दिया गया है त

भन्स्ची

प्लाट नं ।, बिल्डिंग नं ।, साई आशिश, आफ : खा । पिटर डाएस रोड, बांद्रा बम्बई-50 अनुभूची जैसाकि अर्जन इलाका 2/53/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि 27-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया ।

> एस० एच० अब्बास आबिदी लक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 13-7-1983.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायक र जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 जुलाई, 1983

निर्देश सं० ए० आर० 3/37/ईई/1/82-83:—अतः मझ्' एस० एच० अख्यास अविदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 301, अमर बिल्डिंग, 7 बंगला श्रंधरी (पिष्चम) सम्बई-58 है तथा जो अंधेरी (पिष्चम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सम्बई और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त अर्जन इलाका 3 के कार्यालय में दिनांक 22-11-82 को रिजस्ट्री है।

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्देश्य से उद्देश अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दागित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निराः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निकलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-- (1) श्री सनत कुमार आर० घोठ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश एस० अरोरा।

(अन्तरिती)

(3) श्री

(वह व्यक्ति जिसके श्रभियोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सं 45 दिन- की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्राविक्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पस्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं० 301, असर बिल्डिंग, 7 बंगला अंधेरी (पश्चिम), बम्बई-58। अनुसूची सा जेकी अर्जन इलाका क्र० 3/89/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि० 23/11/82को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० अब्बास अबिदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

ता**रीख** : 16 जुलाई, 1983

मोहरु 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना, दिनांक 15 जुलाई, 1983

निदेश सं० III/779/अर्जन/83-84:—-अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है की भाष 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ज्याता सं 0 153 खसरा सं 0 68 (नया) थाना सं 0 684 तथा दूसरे जमीन का थाना सं 0 6 खाता सं 0 85 खसरा सं 0 प्लाट सं 0 107 वार्ड सं 0 33 सर्किल सं 0 244 है तथा जो अवदाल नगर मुजपरपुर तथा किदवई परं। पटना में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची और में पूर्ण रूप से विटिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजपद्धरपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्व में अभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 26-206GI/83

(1) श्री महं थ रघुनाथ दास चेला महंथ श्री सिया राम दास जी महल्ला—जानकी स्थान सीतामढ़ी, बाजार, जिला सीतामढी ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ पाण्डेय वल्द रघुनाथ पाण्डेय महल्ल-मोती झील, पो० मोती झील, जिला-मुजफ्फरपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवां क्षत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त रुप्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्युष्किकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 5 घुर है जो अवदाल नगर मुजक्फरपुर में स्थित है तथा दूसरा जमीन जिसका रकवा 2 कटठा है जो किदवई पुरी पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विसका संख्या 19 665 दिनांक 10-11-82 में विणित है तथा निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी मुजक्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त, निरीक्षण अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 15-7-19823...

प्ररूप भार्ष, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना

पटना, दिनांक 15 जुलाई, 1983

निदेश सं० III/778/अर्जन/83-84:—-अन: मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

मायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रह. से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 153, खसरा नं० 68 थाना नं० 684 तथा दूसरे जमीन का तोजी नं० 197, थाना सं० 6 खाता सं० 85 अवदाल नगर जिला मुजिंफरपुर तथा किंदबई पुरी पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबध अनुसूची और में पूर्ण कप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजिंफरपुर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (!) है अधीन, निक्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री महंथ रघुनाथ दास चेले महंथ श्री सियाराम दास जी महल्ला-जानकी स्थान सीतामढ़ी, बाजार, थाना व जिला---सीतामढीं।

(अन्तरक)

(2) श्री रघुनाथ पाण्डेय वल्व श्री बी० पाण्डेय महल्ला— मोती झील, पो० मोती झील, जिला—मुजफ्फरपुर। (अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 5 घुर है जो अवदाल नगर, मुजक्फरपुर में स्थित है तथा दूसरा जमीन जिसका रकवा 2 कटठा है जो किदबई पुरी पटना में स्थित है जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या 19664 दिनांक 10-11-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी मुजक्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, निरक्षिण अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 15 जुलाई, 1983।

प्ररूप बार्ड .टी.एम्.एस्.-------

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, विनाम 15 जुलाई, 1983

निदेश सं० III/780/अर्जन/83-84:——अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं डा ० सं 327/252 सकिल नं ० 6, वार्ड सं 2 (पुराना) 9 (नया) सीट नं 19 है तथा जो जमाल रोड़, महर-पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख 4-11-82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कर, निकालिबित उद्वेष से उक्त अन्तरण लिबित में बास्ति अक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योचनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया मृत्य था वा किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

नतः भ्व, उक्त नीर्धीत्यमं की धारा 269-मं के नन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1). के नधीन, निक्तृत्विका व्यक्तियों, नुर्धात् :--- (1) ज्ञा० दुर्गा किशोर भट्टाचार्या वल्द स्व० बिहारी लाल भट्टाचार्या निवासी-बिहारी लाल भट्टाचार्या रोड़ जो फिलहाल मखनीया कुआं रोड़ के नाम से जाना जाता है। थाना-पिरबहोर, शहर-जिला-पटमा।

(अन्सरक)

(2) श्री उजल कुमार जैन वल्द श्री विमल सिंह जैन निवासी रोड़ नं० 7, राजेन्द्र नगर, थाना—कदम कुआं, शहर— जिला—पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन का अवीध या तत्मबंधा व्याक्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 1223 स्क्वायर फीट साफथ में निकान जो महल्ला-जमाल रोड़, थाना-कोतवाली, महर और जिला-पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 9690 दिनांक 4-11-1982 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदा-धिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे, सक्षम पदाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्स, (निर्रक्षण) अर्जन परिक्षेत्र,बिहार,पटना

तारीख: 15-7-1983

प्रकृषाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार.

कार्यासय, सहायक भायकर नाम्क्स (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक

1983

निदेश सं० ।।। / 782 /अर्जन / 83-84 — अतः मुझे, प्रबोध कुमार धूबे,

मायकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) मिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिथिनयम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रह. से मिथक है

और जिसकी सं हो हो है वि कि सिकल में 163, सीट मं 246 बांड सं 27 (पुराना) 33 नया है तथा जो महस्ला चौक शिकारपुर पटना सीटी में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सीटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 8-11-82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वोदय से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक। के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती संफाली रानी जोजे श्री बी० वी० सरकार महल्ला काली, स्थान पटना सीटी, थाना-चौक, जिला-पटना । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती रेणु अरोड़ा, जोजे सत्यपाल अरोड़ा, महल्ला गणेड़ा लाल रोड़ थाना जौक, पटना सीटी। जिला पटना (2) श्रीमती किरण अरोड़ा जोजे मधुकर अरोड़ा महल्ला—गणेड़ा लाल रोड़ थाना जौक पटना सीटी जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्तबा 6 कट्ठा 12 घुर 15 घुरकी है जो महल्ला चौक शिकारपुर "बाग साधो राय" पटना सीटी थाना चौक, जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप मे वसिका मंख्या 6157 दिनांक 8-11-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन अवर निबंधक पदा-धिकारी, पटना सीटी के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना ।

तारीखः

1983

प्रस्थ वार्ष. टी. एन. एस.-----

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना पटना, दिनांक 15 जुलाई 1983

निदेण सं० ।।।/७४1/अर्जन/४३-४४——अतः मुझे, प्रबोध कमार दवे.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० हो सं० 327/252 है सर्किल सं० 6, वार्ड मं० 2 (पुराना) 9 (नया), मीट सं० 19 है तथा जो जमाल रोड़, शहर-पटना से स्थित है। (ग्रीर इसमे जपाबद्ध प्रनुमूची और मृपूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्र कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना मे रिजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रश्नं न तारी ख 5-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति सं उचित बाजार मूल्य से कम के स्वरंधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया गया है द

- (क) जन्सरण ते हुई जिस्सी धाय की बाजत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/हा
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन या कन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

क्रा: इन, अन्त निर्माननम, की भारा 269-ग के मनुबरक में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि—

- (1) श्री रंजन कुमार भट्टाचार्या पिता--डा० दुर्गा किशोर, भट्टाचार्या निवासी-बिहारी लाल भट्टाचार्या रोड़ जो फिलहाल मखनीयां कुआं रोड़ के नाम मे जाना जाता है। थाना-पिरबहोर, शहर-जिला-पटना। (अन्तरक)
- (2) श्री सजल कुमार जैन पिता-श्री विमलसिंह जैन निवासी--रोड़ नं० 7 राजेन्द्र नगर, थाना-कदम कुआं, शहर-जिला--पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, यही नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका रकवा 1223 स्ववायर फीट साथ में मकान जो महल्ला—जमाल रोड़, थाना—कोतवाली, शहर और जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9731 दिनांक 5-11-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम पदाधिकारी, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 15-7~1983

प्रकृष आहं टी. एन. एस. --

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 1 जुलाई 1983

निवेश सं० ए० एस० आर० /83-84/64-अतः मुझे, सी'० एस० काहलों आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो जीडय'लारोड तरन तारन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

• को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल निम्नलिसित सब्दिय से उक्त अन्तरम् निस्ति में बास्तिक हूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाबु की बाबत, उंक्तु अधिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी अपने या उससे ब्लूने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वन, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ण के ननुसूरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के बधीन, निम्नीलिश्वत व्यक्तियों, नश्रति क्ष्म

(1) श्री विजय कुमार गुप्ता पुत्र श्री विद्वारी लाल गुप्ता, मैनेजर, ओरिएण्टल बैंक आफ कामर्स, चौक घटाघर, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सरदल सिंह पुत्न देवा सिंह, वासी जडीयाला रोड, तरन तारन, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएवार हो।
 (वह ज़्यक्ति, जिसके
 अधिभोग में संपत्ति है)
- (4) और कोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबक है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यावत स्थानित में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए वा सकेंगे।

स्पृष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनत् अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया यदा है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जो मे जडीयालला रोड, निकट चुंगी, तरन तारन में है जैसा सेल डीड नं० 3742/29-11-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तरन तारन में दर्ज है।

> सी० एस० काहलों आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर।

ता**रीख**: 1-7-1983

मोहर 🗆

मंघ लोक सवा आयोग

नोटिस

आशुलिपिक परीक्षा, 1984 नई दिल्ली, विनोक 20 अगस्त 1983

सं० एफ० 1 1/4/83-प० I (ख)—भारत के राजपल्ल दिनांक 20 अगस्त, 1983 में गृह मंत्रालय (कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार नीचे दिये गये पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं और पदों की अस्थायी रिक्तियों में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अगरतला, अहमवाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, णिलांग, श्रीनगर, तिरुपति, जिवेन्द्रम, विशाखापत्तनम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिश्रामों में 5 फरवरी, 1984 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परि-वर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीद-वार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिम उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जान-कारी दे दी जाएगी। (अनुबन्ध I, पैरा 11 देखिए।)

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है, उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबंध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है:——
 - (i) भारतीय विदेश सेवा (ख):— (आशुलिपिक उप-संवर्ग का ग्रेड-II)
 - (ii) रेलवे बोर्ड सचिवालय स्टेनो-ग्राफर सेवा--ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड कीं चयन-सूची में सम्मिलित करने हेतु)
 - (iii) केन्द्रीय सचिवालय आमुलिपिक सेवा--ग्रेड-ग (उक्त ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)
 - (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशु-लिपिक सेवा ---ग्रेड-ग।
 - (V) भारत् सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठमों तथा संबद्ध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख) रेल बोर्ड सिचवालय आशु-लिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशु-लिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशु-लिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशु-लिपिक सेवा मुख्या-लय आशु-लिपिक सेवा में सम्मि-लिन नहीं है।
 - *रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई हैं।
- **अनुमूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।
 - उपर्युक्त रिक्तियों की संस्था में परिवर्तन किया जा सकता है ।

 उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में जिल्लिखित सेवाओ/पवों में से एक या इससे अधिक के बारे में परीक्षा में प्रवेण हेमु आवेदन भेज सकता है।

यदि कांई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्न भेजने की आवश्यकता है। मीचे पैरा 7 में उल्लिखिन मुल्क भी उसे फेवल एक ही बार देना होगा, उस प्रस्पेक सेवा/ पद के लिए अलग-अलग नही, जिसके लिए यह आवेदन कर रहा है।

मोट:--इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले भारत सरकार के कुछ विभागों/ कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आगुलिपिक की ही आवण्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर इन विभागों/कार्यालयों में आगु-लिपिक के पर्दो पर नियुक्ति केवल उन्ही उम्मीदबारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आगुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुगंसित किया जाता है (ब्रष्टव्य: नियमावली के परिणिष्ट में का पैरा 4)।

4. उम्मीदवारों की अपने अविदन-पत्न में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए बिचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक बरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता कम में उनके स्थान को ज्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी बरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता कम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर तब तक विचार नही किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध "रोजगार समाचार" में त्रिखित परीक्षा के परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं की जाता।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपन्न पर सिवव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्ारित आवेदन-प्रपन्न सथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण वो रुपए भेजकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिवव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआईर या सिवव, संघ लोक सेवा आयोग को नई विल्ली जनरल डाक घर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। से आवेदन-प्रपन्न आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में आपस नहीं की जाएगी।

मोट: -- उम्मीक्वारों को चेतालनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न आशु-निषिक परीक्षा 1984 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्न में ही प्रस्तुत करें। आशुक्तिषक परीक्षा 1984 के लिए निर्धारित प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सिंचव, संध लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, मई दिल्ली-110011 को 18 अक्तूबर, 1983 (18 अक्तूबर 1 3 से पहले को किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, लिपुरा, सिक्सिम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहाँ सि स्पीति जिले, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिन उम्मीदवारों के आदेवन उपर्युक्त में से किसी एक इलाके में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 1 नवम्बर, 1983) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउन्टर पर आकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काण्मीर राज्य के लड्डाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल भौर स्मीति जिले, अंडमान और निकोसार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विवेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस सात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह मकता है कि बह 18 अक्तूबर, 1983 में पत्ने की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणावल प्रदेश, निजोरम, मणिपुर, नागालैंड, ब्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाजल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i):— जो उम्मीदबार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आयेदन की प्रस्तुति हेतु अनिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन-पत्त के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार कुलाके या क्ष का नाम अर्थात् असम, मेचालय, जम्मू तथा काएमीर राज्य का लहाख प्रभाग आदि स्पष्ट रूप से निर्धिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाम न मिले।
- टिप्पणी (ii) :--- उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पन्न को स्वयं सं० लो० से० आ० के काउंटर पर जमा कराएं अथवा ,रजिस्टड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मेचारी को दिए गए आवेदन-पन्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववारों को भरे हुए आधेवन-पत्न के साथ आयोग की द० 12.00 (बारह रुपये) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में र. 3.00 (तीन रुपये)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर वेय रेक्बांकित भारतीय पीस्टल आईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के स्टेट वंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर वेय स्टेट वंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बक झाफट के रूप में हो।

विवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विवेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में इस अनुरोध के जमा करना होगा साकि वह "051 लोक सेवा आयोग⊸परोक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए, और आयेवन पत्न के साथ उसकी रसीव लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर विया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैरा ८ के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं ।

8. आयोग यवि चाहे तो उस स्थिति में निर्धारित मुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 से और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावित मूलत: भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से प्रत्यावित मूलत: भारतीय व्यक्ति है, जो अक्तुबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गंत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है या तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के वौरान भारत प्रवक्त कर आया था और निर्धारित मुल्क देने की स्थित में नहीं है या निर्मन परिभाषा के अनुसार भूतपूर्व सैनिक हैं:—

"भूनपूर्व सैनिक" का अभिप्राय उस व्यक्ति से है जिसने संघ की समस्त्र सैनाओं (संघ की नौसेना, पल सेना या वायु सेना) में जिसमें भारत की भूतपूर्व रियासतों की समस्त्र सेना सिम्मिलत है, तथा आसाम राइफल्स सेना रक्षा कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू और काम्मीर, मलेभिया लोक सहायक सेना, प्रादेशिक सेना सिम्मिलत नहीं है, किसी भी रैंक (लड़ाकू या गैर-लड़ाकू) में मपप ग्रहण के बाद 18 अक्तूबर, 1983 को कम से कम छह माह की अवधि तक लगातार सेवा कर ली है, और

(1) जो कथाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या सेवा मुक्त होने या इस कारण निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थानास्तरित न होकर अन्यथा निर्मुक्त हुआ है, अथवा

- (2) जिने निर्मृश्न होने तक या धित में स्थानान्तरित होने का हरूबार बनने के लिए आवश्यक सैवाबधि पूरी करने हेन्, 18 अक्तूबर, 1983 को 6 मास या इससे कम सेवा करती है।
- 9. जिस-उम्मीद्रवार ने निर्धारित एक का भूगतान कर दिया हो किन्तू उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं किया गया ती उसे रु. 3.00 (तीन रुपये), [अनुसूचित जानियों और जन जातियों के मामले में 1.00 ६० (एक रूपया), की राशि वापग कर दी जाएगी।]

उपर्युक्त या नीचे पैरा 10 में उपबंधिन व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी दावे की स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुंल्क की वापसों के किसी भी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुंल्क की किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा मकेगा।

- 10. यदि कीई उम्मीदवार 1983 में ली गई आशुलिपिक परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहना हो तो उसे परीक्षा फल या निथुषित पस्ताय की प्रतीक्षा किए बिना हो अपना आवेदन-पुत्र अवस्थ भेज देना चाहिए नाकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाएं। यदि वह 1983 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1984 की परोक्षा के लिए उसकी उम्मीदलारी रह कर वी जाएगी और उनकी उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बगतें कि उम्मीदवारी रह करने और शुक्क वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1983 की परीक्षा के अंतिम परिणाम के "रोजगार समाधार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।
- 11. आवेदन-पन्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किमी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा ।
- 12. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिणिष्ट में उत्सिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था गामान्य अंग्रेजी और मामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्नों में वस्तु-परक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्न महित वस्तु-परक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार-सूचना-विवरणिका" के अनुबन्ध II का अवलीकन को ।

एम० बालकृष्णन उप सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग

· अनुबन्ध-। उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीववारों को चाहिए कि आयेदन पत भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह वेख ने कि ने परीक्षा में बैठने के पात हैं भी या नहीं। निर्धारित मतीं में छूट नहीं वी जा सकती।

आवेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा । में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को जहां वह परीक्षा देने का इच्छक है अस्तिम रूप से पुन लेना चाहिए ।

जो उम्मीदबार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उससे आणुलिपिक परीक्षण के लिए अपने ही खर्च पर बिदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है। जहां इस प्रकार का परी-क्षण आयोजित करने के लिए अवश्यक प्रवन्ध उपलब्ध हो।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से मम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेषन में निर्विष्ट किया था तो उसे मचिय, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रस्टिडं डाक से अवश्य मेजना चाहिए कि बहु केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 5 जनवरी 1984, के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी .स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

 उम्मीदवार को अविदत-पत्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही स्याही सै-या बाल प्वाईट पैन से भन्ने चाहिएं। अधूना या गलत भना हुआँ आवेदन-पत्न अस्वीकार कर दिया जाएगा।

नोट:— उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट
1 के पैरा 4 के अनुमार अपने आदेदन-पत्त के जालम 9 में स्पष्ट रूप ते उस
भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए जिसमें वे निबंध के प्रश्न-पत्नों का उत्तर देने
के इच्छुक हैं तथा आशुलिपिक परीक्षण देना चाहने हैं। एक नर दिया गया विकल्प
अन्तिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से सम्बद्ध किसी
भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी
प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्न का
उत्तर तथा आंगुलिपिक का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्नों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग फिया जाना है। चाहे माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रपाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म को तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज हो तो उम्मीदवार को मुनिष्चित कर लेना चाहिए कि जो आवेदन-पत्न बहु प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाता है उसमें उसकी प्रविष्टि करते समय भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप ही प्रयोग में लाए जाएं। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि प्रविष्टियां अपाठ्य या भ्रामक होंगी तो उनके निर्वचन में होने वाले भ्रम तथा संदिग्धता के लिए उम्मीदवार उत्तरदायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा । इसलिए उन्हें आवेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष साव-धानी बरतनी चाहिए।

सभी उम्मीदवारों को चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकरी संस्थाओं में नियुक्त हों अपने आवेदन-पन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पन्न नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जायेगा। भने ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले में भरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत मे या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हों या वे लोक उद्यभों में सेवारत हों उन्हें यह परिवचन (अंडर-टेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परोक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमित रोकते हुए कोई पन्न मिलता है तो उनका आवेदन-पन्न अस्वीकृत कर दिया जाएगा/ उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी।

- उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :---
 - (i) निर्धारित शृल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शृल्क में छूट का दावा करने के समर्थन में प्राप्त प्रमाण-पत्न को प्रमाणित/अनुप्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस के पैरा 7 और 8 और नीचे पैरा 6)।
 - (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मीं० × 7 सें० मीं०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जिनमें से एक प्रति आवेदन प्रपत्न पर चिपकी हो और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपकी हो ।

- (V) ाड ा ्री बहा अनुप्तित जाति/अनुपूचित जन जानि का होने के बावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देश्विण नीचे पैरण 4)।
 - (vi) ततां नागू हो वहां आप में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की / अनुप्रकाणित,प्रमाणिन प्रतिकिशि [देखिए नीचे पैरा 5 (ख)]।
- (vii) उपस्थिति एताच (अपोक्त-एव के साथ विधिवत् भरकर संलग्न)।
- (viii) दिसा टिप्ट वर्षे हुए हो निफाके (नगभग 11.5 में० मी० × 27.5 में० मी०) जिन पर अपना पना तिखा हो।
- नोट्र $\sim(1):$ -- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्नों के साथ उपर्गुक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखन प्रमाण-पद्यों की केवल प्रतिलिपियां ती प्रस्तृत करनी हैं जो गरकार के किसी राजपत्नित अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार निखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर आशुलिपिक परीक्षण के लिए अर्हना प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रभाग-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1984 के मई मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्नों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्नों को गूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।
- नोट (ii) :--- उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि आवेदन-पत्न के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्नों की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों पर अपने हस्ताक्षर करके भेजें तथा उस पर तारीख भी लिखें।
- मद (i) से (iv) में उल्लिखित प्रेलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं :--
- (1) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर :---

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यनः रेखांकित किया जाग तथा उम पर :-''सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को दिल्ली के प्रधान डाकघर गर देय" लिखा जाना
चाहिए ।

किसी अन्य डाक घर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएँगे। विरूपित या कटेफटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी जरने वाले पोस्ट पास्टर के हस्वाक्षर और जारी करने वाले डाक्बर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखनः नाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न सर्चित्र, मंब लोक तेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरन डाक घर पर देव किए गए हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :--

बैंक ड्राफ्ट रटेट बैंक आफ इंडिया की िन्सी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देग होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होता बाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे। टिप्नणी:—-उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते गमय बैंक ड्राफ्ट की पिछनी ओर सिरे पर अपना नाम तया पता लिखना चाहिए। पोस्टल आईरों के मामलें में उम्मीदवार पोस्टल आईर के पिछली बार इस प्रयोजन के लिए शिव्हिशित स्थान गर अपना नाम तथा। यहाँ जिल्हें ।

(ii) आयुका प्रमाण-पन्न :--आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैदिकुलशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पन्न या किसी भारतीय विद्यालय द्वारा मैदिकुलेशन के समकक्ष भाने गए प्रमाण-पन्न या किसी विद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैदिकुलेटों के रिजरटर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उगर्का समकक्ष परीक्षा उत्तरिण कर चुका है वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिकिपि प्रमतुत कर सकता है।

आयु के संबंध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत, नगरनिगम के सेवा भिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार महीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आये हुए मैट्रिकुलेशन/उज्यतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न अभ्यांश के अन्तर्गत उपयुक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कभी-तभी भैदिकुलेशन/उच्चतर माध्यमित परोक्षा प्रमाण-पत्न मे जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों से उम्मीदवारों का मैदिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की अनुप्रमाणिल/प्रमाणिल प्रतिलिधि के अतिरिक्त उप-संस्थान के हैडमास्टर/प्रिमिपल से निग् गए प्रयाण-पत्न की अनुप्रमाणिल/प्रमाणित प्रतिलिधि भेजनी चाहिए जहां से उभये मैदिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रितरटर में दर्ज की गई उपकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चादिए।

अम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पन्न के सक्थ इन अनु-देशों में यथा निर्धारित आयु का पुरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है ।

- टिप्पणी (1) जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्य-श्मक विश्वालय प्रमाण-पत्त हो उसे केवल आयु से सम्बद्धः प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।
- टिप्पणी (2)--उम्मीदवार यह ध्यान दें कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा थो कि आवेदन-पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उध्वतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में वर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।
- टिप्पणी (3)— उम्मीववार सह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीका एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में वर्ज कर लेने के बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं वी जाएगी।
- टिप्पणी (4) - जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर मान्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्आमिनैशन के लिए विद्याधियों को तैयार करने वाले किसी मान्यता प्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविंद अन्तरांब्द्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिबेरी का हायर सैकेन्ध्री कीमें या (iv) दिल्ली पालीटैक्निक के तकनीकी उच्चतर मान्यसिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे सम्बद्ध स्कूल के प्रियिपल से परा 3(iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपन्न पर लिया गया आयु का प्रमाण-पन्न अवश्य भेजना चाहिए और उसके अतिनिकत आयु के प्रमाण के रूप में कीई अन्य प्रमाण-पन्न अपेक्षित नहीं होगा।
- टिप्पणी (5)--- जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हो, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टयों को जन्म की तारीख और गैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

- (iti) मैंकिक योगाता का प्रमाण-पन्न रामीव्यार को एक ऐसे प्रमाण-पन्न की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिधि अवण्य भेजनी निष्ठिए जिनमें इस जात का प्रमाण मिल सके कि निषम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पन्न अप प्राधिकारी (अर्वात् निषयावद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिससे उसे योग्यता विशेष प्रवान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की अनुप्रभाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण अवण्य बताना चाहिए और अपिक्षत योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पन्न की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्य पर उसकी गुणवता के आधार पर विचार करेगा किस्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।
- नोट 1:—जो उम्मीववार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमें उत्तीर्ण होने पर नह आयोग को इस परीक्षा में बैठने के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उन्हें परिणाम की सूचना नहीं मिली है और वह ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इरादा रखता है तो वह आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए पाद नहीं होगा।
- नोट 2: -- जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत हो उसे उस प्रमाण-पत्न की अनुप्रगाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एस० मी० परीक्षा परिणास की प्रविधित वाले पृष्ठ की प्रतिकिपि मेजनी चाहिए।
- नोट 3:--- जो जम्मीदशार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्छतर माध्यमिक विद्यापय (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिमेशन विद्यापियों को तैयार फरने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल (iii) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र पांडिचेरी का हायर सेकेन्डरी कोर्स या (iv) विल्ली पालटिकेनीक के तकनीकी भाष्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे मम्बद्ध स्कूल के प्रिमिपल/हैडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित कार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता प्रमाण-पन्न अवस्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म दृष्टव्य पैरा 3 (ii) का नोट 4 और उपर्युक्त नोट (3)। प्रमाणित किया जाता है ।

श्रैडमास्टर**/प्रि**सिप**ल*** हस्ताक्षर

(विद्यालय का नाम)

*जो शक्द लागू म हों उन्हें काट वें।

- (iv) फोटो की दो प्रतियां :--उम्मीवबार की अपने हाल ही के पासपोर्ट खाकार (लगभग 5 में ० मी० × 7 मैं० मी०) के फोटो की दो एक असी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए । इननें से एक प्रति आवेदन--प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर और (अन्य प्रति उपस्थिति पत्नक में निर्धारित स्थान पर िपका देनी चाहिए) फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊप्र उम्मीववार को स्थाती से हस्ताक्षर करने चाहिए ।
- ध्यान दें:- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जानो है कि यदि आवेदस-पक्ष के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii) और 3 (iv) में इस्लिखिन प्रमाण-पन्न आदि में से कोई एक संस्थान न होगा

और उसे भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी न विया गया होगा तो आवेदन-पन्न अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वी-कृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं मुनी जाएगी।

 यवि कोई उम्मीदवार किर्म। अनुमूचिन जाति या अनुमूचित जन जाति का होने का आपना करें यो उसे अपने वाचे के समर्थन में उस जिले के जिसके माता-पिता (या जीवित्र माता या पिता) आमतीर से रहने हों जिला अधिकारों या उस मंडल आधकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में पद नामित किया हो नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए । बदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र कत जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदबार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतीर पर रहता है।

भारत संस्कार के अधीव पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने बाले अनुमूचित जािंग और अनुमूचित जन जाितयों के उम्मीचवारों द्वारा प्रस्तृत फिए जाने वाले प्रमाण-पक्ष का कार्म :--

प्रमाणित किया जाता है कि औ/भीमती/ कुमारी*----स्प्त/स्पूर्तः* श्री---जो गांव/कस्मा* मंडल* स्ष* राज्य क्षेत्र-----की कि निवासी है--------- जाति/जन जाति के/ की हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुमूचित जन^क भाति के रूप में मान्यता दी। गई **है** :--मंबिधान (अनुसूचिन मातिया) आदेश 1950* संविधान (प्रतुसूचिय जन जातियां) आदेण 1950* मंविधान (अनुसूचित जानियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेश 1951* सविधान (अनुसूचित जन अधीतयां) (संघ राज्य क्षेत्र) आवेश 1951**

[अनुमूचित जानियां और अनुमूचित जन जानियां गूची (आशोधन) आवेश 1956, बम्बर्ड पुनर्गठन अधिनियम 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970, उत्तर पूर्व क्षेत्र (पूनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित।]

और अन्युचिन जानियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन)

अधिनियम 1976*

संविधान (जम्मू.और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आवेण 1956*

*संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जानियां आदेश 1959 *अनुमूचित जातिया तथा अनुसूचित जन जातिया आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित*

संविधान (दावरा और नागर हवेली) अनुसूचिन जाति आदेश 1962* संविधान (दादरा और नागर हवेर्ता) अनुमूचित जन जातियां आदेश 1962* संपिधान (वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश

तंबिधान (पांडिचेरा) अनुसूचित जातियां आवेश 1964

संविधान (अनुसूष्मित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश 1967*
संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जासियां /आदेश,
1968*
संविधान (गोवा दमन और दियू) अनुसूचित जन जातिया आदेश
1968*
मंषिधान (नागालैंड) अनुसू(चन जन जानियां आदेश 1970*
त्तंविधान (सिक्किम* अनुसूचित जाति आदेश 1978* गविधान (सिक्किम)
अनुसूचिस जन जाति आदेण 1978*
2. श्री/श्रामती/कुमारी*————————————————————————————————————
जिला/मंडल*
संघ राज्य क्षेत्र*
में रहते/रहती* हैं। हस्ताक्षर
*पदनाम
कार्यालय की मोहर सहित
HALL
ग्रिस
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

^{*}जो णज्द लागुन हों, उन्हें कुपया काट दें।

नोट:--"श्राम तौर पर रहता/रहती हैं" शब्दों का प्रथं वहीं होगा जो रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950 की धारा में है।

- **अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी ।
 - (i) जिला - मजिस्ट्रेट/असिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कर्लेक्टर/डिप्टी कमिश्नर/एडीयानल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइरोंडरी मैजिस्ट्रेट/ बिस्टी मैजिस्ट्रेट/सब डिबीजनल मैजिस्ट्रेट/तास्लुक मैजिस्ट्रेट/एकशक्युटिय मजिस्ट्रेट/एक्सदूर अभिस्टेंट कमिश्नर ।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट के आहुवे में कम नहीं)।

- (ii) चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/एंडोणनम चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रैसिक्रेंसी मैं शिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका आंहदा तहसीलदार से कम न हो ।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहा उम्मीदवार और/ या उसका परिवार आमतौर मे रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेट/ऐडर्निनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपमेंट अफसर सक्ष-
- 5. (क) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु में छूट का वाबा करने वाले आगुलिपिकों (निसमें भाषा आगुलिपिक भी णामिल है) (क्लकौ/स्टेनोटार्श्वपस्टो) को अपने विभाग/कार्यालय के प्रधान से निम्न-लिखित प्रयत पर एक प्रमाण-पन मल रूप में प्रस्तुत करना चाहिए ।
- *(i) प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी के कार्यालय, का विभाग। कार्यालय है, में नियमित रूप में नियुक्त आशुन्तिपक के पद पर कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1984 को आणुलिपिक किने स्टेनों ढाइपिस्टारें० डा० से० साटर की हीनयत में जनकी लगातार सेघा 3 वर्ष की हो गई है/से कम नहीं होगी और वे इप पद पर का**यै** कर रहे हैं/करते रहेंगे।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि थे पहले मेंप लोक मेंता आयाए द्वारा आयोजित परोक्षा के परिणामों के आधार पर के ब्रांच्या करते। रेव भी व सब आव सेवा आईव एकव एसव भी ब्रांच्या क्षिक उप संभागस्त्र सेना महायालय आप्तिरिक सेंगा में भेने स्कान नहीं हुए हैं।

*(ii) प्रमाणित िता जाता है कि श्री।श्रीमधी।श्रुमारी के कार्यालय जो भारत सरकार ।संघ का विभाग/कार्यालय है, में निर्मामत क्य से वनकें ।स्टेनोटाइपिस्ट। रेल-खांक सेवा के साटर।आसुनित्व के पय पर तनाथ।र कार्य कर रहे हैं और पहली जनवरी, 1984 को कलकें/स्टेनोटाइपिस्ट।रेलवे आक सेवा के साटर।आधुलिपिक की हैं स्थित से उनक लगानार सेवा अ वर्ष की हो गई हैं। से कम नहीं होगी और वे इस पथ पर कार्य कर रहे हैं।करते रहेगे।

दिनांक	हस्ताक्षर
संख्या	पदन्।स
F47	मंद्रालय/कार्यालय
	कार्यालय की मोहर

*जो लागून हा उसे काट वे।

- ख (i) नियम 6(ग) (ii) या ०(ग) (iii) के अन्तर्गत विद्यारित आयु सीमा में छूट का और/या तथत नोटिस के पैरायाफ 8 के अधीन भूका में छूट का बाबा करने बाले भूतपूर्व पूर्णी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति की निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए अभाण-पत्न की प्रतिलिपि यह क्यालाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि नह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से आया हुआ बास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और ::5 मार्च, 1971 के बीच की अविध के दौरान प्रवजन कर भारत आया है :---
 - (1) दण्डकारण पश्चिमाना के प्राजिट केन्द्रों अथवा निभिन्न राज्यों में स्थित राहन शिष्टियों के कैम्प क्षमांकेट ।
 - (2) उन भेस्र हा जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इम नमय निवास कर रहा है।
 - (3) अपने अपने जिलों में गरणार्थी पुगर्वास के प्रमारी असि(रक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) स्ययं प्रभारित यव डिधीजन का सब विदीजनस अफनर।
 - (5) उप प्रारणाधी पुतर्वाप अस्त्रुवस, पश्चिमार्वगाल/गिवेशकः (पुनर्वास)
- (ii) निगम 6(ग)(iv) श्रथवा 6(य) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का और/या उन्त नोटिस के पराग्राफ 8 के अधीन गुरूक में छूट का दावा करने वाले श्रीलंडा से प्रत्यावितत जा शत्यावित होने. वाले मुननः भारतीय स्पित को श्रीलंका में भारत के उन्च आयुक्त के कार्यालय में लिए गए इस आश्रम के प्रमाण-पन्न की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नाग रिक है जो अस्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवस्थर, 1964, को या उनके नाद भारत आया है या भारत आने वाला है।
- (iii) नियम 6(ग)(vi) श्रयया नियम 6(ग)(vii) के अन्तर्गन आयु सीमा में छूट चाहनें वाले कीनिया, उगोडा तथा संयुक्त गणराज्य, तंजानिया, (भूतपूर्व टंगानिका और जंजीकार) ते आए, हुए उम्मीदवार को या आम्बिया, मलाबी, और, और इरियोपिया से प्रस्थावनित शास्त्र मूलक उम्मीदवार की उन क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से क्षत्रं यह इस पमय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विश्वलाने के लिए प्रस्तुत करनी बाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त वेशों ने आया है।
- (iv) नियम 6(ग)(viii) अथवा ७(ग) (ix) के अन्तर्गत निर्वारित आयु सीमा में और/या उन्त नोटिंग के पैराप्राफ ३ के अधीन गुरूक में छूट चाहने वाले धर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति की मारतीय राजदूतावास, रगृन धररा विए गए पहिचान प्रमाण-पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बहु एक भारतीय नागरिक है जो 1 धृन, 1973 को या जनके बाद भारत जाना है अथवा उसे जिल भीव का वह निवासी है उसके जिला मैं अस्ट्रेंट से लिए गए जनाण पत्र की अभिग्रमाणित/प्रमाणित

प्रतिलिपि यह विजन्ति के लिए प्रस्तुत करना चाहिए ियह अभिने आया हुआ वास्तिवक्त प्रत्याविति व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उनके बाद भारत आया है।

(V) नियम ६(ग) (X) अथना ६(ग) (Xi) के अन्तर्गत आंगु मीमा में छूट चाहने याने ऐस उम्मीदवार की, जी रक्षा गवा में कार्य करते हुए विकलांग हुवा है, महानित्रेशक, पुनः स्थापन, रक्षा मवानय, के निम्मांलाक्कि निर्धारित फार्म पर इन आग्रय का रक्ष प्रकाशनाय की एक प्रकाशनाय की एक प्रकाशनाय की कार्य वाहिए कि यह जो गेवा में कार्य करते हुए विदेशी, शत् देश के साथ संवर्ष में अथवा अशानित्रस्त केत में फीजी वार्रवाई के बीरान विकलांग हुआ और परिजामस्वरूप निर्मुत हुआ।

	वर्ष में अथवा अशानिग्रस्त क्षेत्र में फौजी दार्रवाई के दौरान विकलांग
हुआ और परि	गामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।
	उम्मीदयार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले
	प्रमाणपञ्ज जरा परामी
प्रमाणित	किया जाता है कि यूनिट
	के रैंक मंग
	रका सेवाओं में
कार्य करते हुए	विवेशी गत् येश के माथ मंधर्ष कें अणानिशस्त* क्षेत्र में फौजी
	राग विज्ञान हुए और उस विकला जिल्ला के परिणामस्त्ररूप निर्मुक्त
हेग् ।	
	हस्ताकार
	पदन[म
	दिनांक
	मागृ न है। उस ध्रिया काट दे।
	पम ६(ग) (xii) अथवा निगम ६(ग)(xiii) के अन्तर्गत आयु
	था करने वाले थियतवाम से प्रत्यानतिन मूलतः भारतीय व्यक्ति को
	म क्षेत्र का वह निवार्गा है। उनके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए। प्रभाण-
पत्न की आभि	प्रसाणित।प्रसाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी
चाहिए कि व	ह वियतनाम से आया हुआ वास्तायक प्रत्यावनित व्यक्ति है और
	जुलाई 1975 से पहले पारत गहीं आथा है।
	जो भृतपूर्व मैनिक तथा कर्माशन शाप्त अधिकारी (आपातकास्त्रीन
मेवा कमीणन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन केवा कमी/यन प्राप्त अधिकारियों	
महिन)नि यम	6(ग)(XiV) या 6(ग)(XV) की शर्नों के अधीन आयु सीमाओं
में छूटकादा	वा अस्ते हैं उन्हें संबद्ध प्राधिकारियों से निस्निलिखित निर्धारित प्रपन्न
	ागू होने वाले प्रमाण-पत को, एक प्रमाणित/अभित्रमाणित प्रतिलिपि
प्रस्तुत करती	
	क्स _/ संबा निज् त कार्मिको पर लागू
	किया जाता है कि संबिक्त
	Burningson and an analysis of the same of the sa
जिसकी जन्म	भी तारीव है
	74
सना _/ नासना _/ करते हैं :—	थायुसेना में सेवा की हैं और वे निम्नलिखित में से एक गर्त पूरी -
(क)	उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्धी तक सैनिय सेवा की है और
	कार्यकाल के रामापन पर कदाकार या अक्षमता के कारण अखस्ति
	या कार्यमुका होने के अलावा धन्य आधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।
	7.1846
(≀ar\	वे सीमक सेवा के कारण हुई भागीरिक अधंगसर ना अक्षमता है
(~)	कारणर्व कार्यमन
	कुए हैं।
	क्षरण । सक्षम प्राधिकारी क
	नाम नवा पदनाः
	म्ह

(ख) सेवारत कार्मिकों पर लाग्
प्रमाणित किया जाता है कि सं०
रेंक नाम
जिनकी जन्म तिथि
2. उन्हें
तक समाप्त होने की संभावना है। 3 उनके विरुद्ध काई अनुशासमात्मक मामना लम्बा नहीं है।
नक्षम प्राधिकारी का नाम
तथा पदनाम
मुहर

(क) कमीणन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीणन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीणन प्राप्त अधिकारियों सहित) के मामले में:—

सेना—कामिक सेवा निदेशालय, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली। नीसेना— कामि त रोवा निदेशालय, नौरोना मुख्यालय, नई दिल्ली। वायुगेना—कामिक सेवा निदेशालय, वायुगेना मुख्यालयन, नई दिल्ली।

- (ख) नो सेना तथा नायू नेना के ज्ञांनयर धर्माणन प्राप्त अधिकारियों अन्य रैंकों तथा समन्दा अधिकारियों के मामले में .---मेना ---विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा नो सेना---नो सेना रिकार्ड अम्बर्ड । वाय सेना---वाय सेना रिकार्ड , नई दिल्ली ।
- (viii) विज्ञम 6(ग) (XVI) या 6(ग) (XVII) के अन्तर्गत आयु में रियायत का और/या नोटिस के पैरा 8 के अन्तर्गत शुल्क में छूट का दाया करने वाले तर जलीन पश्चिमी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्न प्राधि हारियों से इस आगाय के प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणिन/प्रमाणिन प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि बहु पश्चिमी पाकिस्तान से वास्त्रविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवर्ग, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि में भारत प्रवान कर आया था:—
 - (1) विभिन्न राज्यों में स्थित ट्रांजिट केन्द्रों या राहत शिविरों के कैप कमांबंद ।
 - (2) अहां वह फिलहाल रहता है उस इलाके का जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (3) अपने-अपने जिलों के शरणार्थी पुनर्वान के प्रभारी आंतरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) अपने प्रभार के अन्तर्गत सब डियोजन के अन्वरं मध डियीजनल अफसर।
 - (5) उप गरणार्थी,पुनर्वास आयुक्त ।

6. जो उम्मीवनार अपर पैरा 5 (ख).(i),(ii),(iv) और (viii) में से किसी भी वर्ग के अन्तर्गत नोटिंग के पैरा 8 के अनुमार शुक्क में छूट का दाया करता है, उसका किसी जिला अंश्वितारी या सरकार के राजपितत अधिकारी या संसद मदम्य पा राज्य विधान भंडल के सदस्य से, यह विखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुरूक देने की स्थिति में नहीं है, इस आगय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी अभिप्रमाणिन,प्रमाणिन प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

उमत नोटिम के पैरा 8 के अन्तर्गत शृह ह से छूट का दावा करने वाले भृतपूर्व भैति ह को स्थल सेना/वायु नेना/नी सेना प्राधि हारियों द्वारा उनके भतपूर्व सीमाह होने के प्रमाणस्थरूप थिए गए सेथा मुक्ति प्रमाण पन्न की एक अभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए। भगश्रमाणात में उसकी समस्त्र सेना मे सम्मिन लित होने का वास्तविक तारोख, तथा सेना में निर्मृक्त या मणस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण को तारोख या निर्मृतिन या मगस्त्र सेना के रिजर्व में स्थानांतरण की सम्भावित तारीख अवश्य लिखी हो ।

- 7- जिस उम्मीदबार के मामले में पाक्षता प्रमाण पत्न आवश्यक हो उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताब केवल तभी दिया जा तकता है जब मारा न∗ कार द्वारा उते आधश्य त्याला प्रमाणपत्न जारी कर दिया गया हो।
- इम्मोदनारों को चेतावनी वी जाती है कि वे आवेदन पक्ष भरते समय कोई झुठा ब्यौरा न ट अणवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदयारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत िए गए किसी प्रलेख अधवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न सो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें, और न ही फेर बदल किए गए क्रूठे प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अधवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पर्धाकरण प्रस्तुत किया जाए ।

- 9. आवेदन पत्न देर से प्रस्मुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तकें स्थीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपन्न ही अमुक तारी ख की भेजा गया था। आवेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्थतः इस बात का मूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान हो गया है।
- 10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्न (विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्न सहित) की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्न को प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए विधारित अंतिम तारीन्त्र में एक मारा के अन्वर पावती नही मिलती है तो उसे तरकाल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीबबार की आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र नभी प्रकार पूर्ण है सथा आयोग द्वारा स्वीकार कर सिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पक्ष के परिणाम की सूचना यथाणीझ दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा गकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीना पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई यूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्कास सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया नो बहु अपने मामले में विचार किए जाने के बाबे से व चित्त हो जाएगा।
- 12. संघ लोक मेवा आयोग ने 'संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका' शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है । इस प्रकाशन का उद्देश्य यह है जिसमें संव लोव सेव आयोग की परीक्षाओं या खयनों के भावी उम्मीदवारों को सहाया। ित सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच गरीकाओं की नियमाननी तथा परम्परागत प्रश्न-पन्नों का उल्लेख करने वाले पैम्फ्लेटों की प्रतियों प्रकाशन नियंत्रक, सिविस लाइन्स, देहलो-110054 के पास निकी के लिए सुनभ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा गकता है। इन्हें केवल नकत भुगतान पर (i) किताब महस्र, रिवोली किनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" क्लाक बाबा खड़गींसह मार्ग, नई दिल्ली-110011 और (ii) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन याखा का बिकी काउन्टर और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया नुका उपी, क के एना राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मेनुअल/पैम्फ्लेट भारत नरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एलेटों से की उत्ताबध है।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संब लोक सेवा आगोग द्वारा कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

- 14 आवेदन पत्न से सम्बद्ध पत्न व्यवहार, आवेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पत्न-व्यवहार मचिव, संघ लोक सेवा आयोग, बौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 से किया जाए तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:---
 - (1) परीक्षाकानाम
 - (2) परीक्षाका महीना और वर्ष
 - (3) उम्मीववार की आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक अथवा जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संख्या/अनुक्रमांक सूचित नहीं किया ग्रेस है।
 - (4) उम्मीववार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
 - (5) आवेदन पत्न में दिया गया अपने का पता ।

स्थाल कें -:(i) जिन पत्नों में यह क्योरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर स्थान नहीं दिया आएगा।

विशेष ज्याहा:--(ii) यदि किसी उम्मीदबार से कीई पत्र/प्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम घअनुक्रमांक नहीं है इस पर ज्यान न देते हुए कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

15. पतं में परिवर्तन :--उम्मीदियार को इस बात की व्यवस्था कर सेनी वाहिए कि उस के आवेदन पत्न में अस्लिखित पते पर भेजे गए पत्न आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूजना उपयुक्त पैरा 14 में उस्लिखित क्यौरे के साथ यथाबीझ की जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयक्त करता है, किन्तु इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध---2 उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरिणका

(क) बस्तुपरक परीक्षण :

आप सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान में जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं जह ''वस्तुपरक परीक्षण'' होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांक के लिये आपको एक उत्तर चुन लेना है।

हुन बिवरणिका का उद्देश्य आपके इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देता है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित्त न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

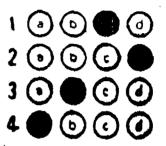
(ख) परीक्षण कास्त्रकृष

प्रधन पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 आदि के क्रम से प्रधनांग होंगे। हर प्रधनांग के नीचे ए, बी, सी, सी जिल्ल के साथ सुझाए गए प्रत्यु सर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्यु सर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए लमूने के प्रधनांग देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रधनांग के लिए आपको एक मही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते, हैं तो आपका प्रत्युत्तर यसत माना जायेगा।

(ग) उत्तर देने की विधि

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्नक (जिसकी एक नमूना प्रित्र आपको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ मेजी जाएगी) दिया जाएगा। आपको अपने प्रस्थेत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे।परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर जिखे गए उत्तर नहीं जीचे जाएगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नाशों की संख्याएं 1 में 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए, बी, सी, डी चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्गीत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले कृत को पेंनिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर वर्णाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के बृत्त को काला बनाने के लिए स्याही क्षा प्रयोग महीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:⊸~

- प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एवं बौठ पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उक्तर पर निशान लगा वें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्नक का उपयोग करते समय कोई एसी असावधानी न हो जिससे वह फट जाये या उसमें मोड़ व सिलबट शादि पड़ जाए या बह खराब हो जाए।

(भ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम

- ग. आपको परीक्षा भारम्भ करने के लिये निर्धारिंग समय से भीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण गुरु होने के 30 मिनट बाव किसी को परीक्षण में प्रवेण नहीं विमाजाएगा।
- परीक्षा गुरू होने के बाद 45 सिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सींप वें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ने जाने को अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दण्डादिया जाएगा।
- 5. आपको परीक्षा भवन में उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण भरना होगा। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण कूटबढ़ भो करना होगा। इसके बारे में अनुदेश आपके प्रवेश प्रमाण पत्न कं तीय भेज विए आएंगे।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में दिए गए नभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी में पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्नक पर कोई प्रविध्िट संविध्ध हैं, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर न मिलेगा। पर्धवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्धवेक्षक किसी परीक्षण या उनके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहीं तो उनके अनुदेशों का तत्काल पासन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न, साथ लाएं, आपको अपने नाथ एक एक बो॰ पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्षनर और नोला या कालो स्याही बाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाइ दी जाती है कि आप अपने कार एक-एक क्लिप-बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिन पर कुछ लिकान हो। आपको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना मा आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा

काम मुक्र करने के पहले उम पर परिकार का नाम, अपना रोल नम्बर और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समान्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पद्मक के गाथ परिवेशक को वापस कर दें।

(🔻) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर-पत्नक देंगे। उधार-पत्नक पर अपेक्षित मूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देखालें कि उसापर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आप को परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक परीवेक्षक ऐसा इस्ते के लिये न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुकाय

यद्याप इसपरीक्षण का उद्देश्य आपकी गांत की अपेक्षा शुद्धता को जांजना है, फिर भी यह जरूर है कि आप अपने समय का यथा संभव दक्षता से उपयोग करें। संस्तान के साथ आप जितनी जरूबी काम कर सकते हैं करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रक्रों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता म करें। आपको जो प्रक्रन अत्यन्त कठिन मालूम पढ़ें उन पर समय व्यर्थ न करें। बूगरे प्रक्रों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रक्रों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रक्रनांकों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जाएंगे। गलत उत्तरों के लिये अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यविक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना बंद कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे उभी आवश्यक वस्तुएं ने जायें और आपको हाल छोड़ने की अनुमति वें। आपको परीक्षण-पृस्तिका और उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवत से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं हैं।

नमुने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट :---* मही/सर्वोत्तभ उत्तर-विकल्प की निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत अंखाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाद होता है।

- (a) रक्त का बाब वायु मंडल के बाव से कम होता है।
- *(b) रक्त कादात्र वायुमंडल के दाव से अधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होगा है।
- (d) रक्त का दाब वायुमंडल के दाय के अनुरूप घटना बढ़ता है।

2. (कृषि)

अरहर में, फूलों का क्षकृता निम्नलिखित में से किम एक उपाय है कम किया जा सकता है।

- 🗮 (a) षुद्धि निर्यस्तवः द्वारा छिड्काव ।
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना ।
 - (C) मही ऋतु में पौधे लगाना।
 - (d) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना ।

3. (रम।यन विज्ञान)

 $H_3 VO_4$ का एनहाहुएड निम्नलिखित में से क्या होता है :

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V₂O₅

4. अर्थेशास्त्र

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है ?

- *(a) सीम:ा राजस्व उपाद से मजदूरी कम हो ।
- (b) मजबूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदुरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी मीमान्त भौणिष उत्पाद के बराबर हो।

(बैद्युत इंजीनियरी)

एक समक्षारेखा अपेक्षिक पैरावैद्युतांक 9 के पैरावैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि सी मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (p) **G**
- (c) C_13
- (d) C/9

(भू-विकान)

बेसाल्ट में प्लेजिओम्लेस क्या होता है?

- (a) आलिगोक्लेज
- (b) लैबोडोराइट
- (c) एस्वाइट
- (d) एनाथटि

7. (गणित)

मूल बिन्दु मे गुजरने वाला और $\dfrac{\mathrm{d}_2 y}{\mathrm{d} x_2} - \dfrac{\mathrm{d} y}{\mathrm{d} x} = \mathbf{\Phi}$ समीकरण को

संगत रखने बाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्विष्ट है?

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y=ae^x+be^{-x}$
- *(d) y + ae^x a

8. (मौतिकी)

एक आवर्षे ऊष्मा इंजन 400° के॰ और 300° के॰ तापक्रम के मध्य कार्ये करता है। इसकी स्नमता निम्निषिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- $(b)^{*}(4-3)/4$
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचारकामाध्यम 5 है तो इसका प्रसरण निस्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

10. (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भागकी अस्यधिक समृद्धि का कारण निस्तिलिखत में से क्या है ?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
- *(b) बर्माकी अधिकांश निवयों का डेस्टाई भाग है।
- (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकाशितिल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहान

द्राह्मणवाद के संबंध में निम्निषिखित में से क्या मत्य नहीं है ?

- (a) बोद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी बाह्मणबाद के अनुगायियों की संख्या गहत अधिक यो।
- (b) बाह्मणयाद बहुन अधिक कर्मकांड और आडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- *(c) ब्राह्मणबाब के अध्युषय के काथ, विल संबंधी यक्ष कर्म का महत्व कम हो गया ।
- (d) व्यक्ति के जीवन विकास की विश्वितन दणाओं को प्रकट करने के लिए धार्मिय संस्कार निर्धारित थे।

1 2. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन समृहकौन-सा है ?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अद्वैत, वेदान्त, सांख्य, चार्वाक योग
- (d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विशान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमंडल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन।
- *(b) किसी समृष्ट् या किमी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।

- (c) किभी रोजनार संबंधी संगठन में प्रतिनिधियों का जनाब ।
- (वै) ध्राविक संबी हाल अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व ।

14. (मनोविज्ञान)

धक्य की प्राप्ति निष्नांचित्रित में से किस की निर्धेशित करती है?

- (a) अध्य संबंधी आवश्येजता में धिक
- (b) भागत्यक अवस्था में न्युनना
- (c) च्यावहारिकः अधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण अधिगम

15. (समाजगास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौनसी है?

- *(a) ग्राम भरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गों को ओपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
 - (b) छुआछ्त कम हुई है।
 - (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
 - (d) जनसाधारण में शिक्षा का प्रसार अआहै।

टिप्पणी: --- उम्मीदवारों को यह स्थान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांग (प्रथन) केवल उदाहरण के लिए विष् गए हैं और यह जरूरी नहीं कि ये इस परीका की पाठमचर्या के अनुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 18th June 1983

No. A.11016/1/83-Admn, III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of the Union Public Service Commission for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name				Period	
	S/Shri			 		
1.	S. C. Jain				9-6-83 to 8-9-83	
2.	P. S. Rana				9-6-83 to 8-9-83	
3.	Jit Ram				11-6-83 to 30-7-83	
4.	N.M.L. Bha	atnas	ar		11-6-83 to 18-6-83	

The above Officer shall draw Special Pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS I dated 11th December, 1975.

The 29th June 1983

No. A.32014/3/83-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commission to officiate as Section Officers on ad-hoc basis for the periods indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

S. No	Name			Period
	S/Shri	 		
1.	G.T. Ramnani	,	,	6-7-83 to 31-7-87
2.	Bhagwati Charan			11-6-83 to 31-7-83
3.	S. K. Bansal .			11-6-83 to 30-7-83
4.	S, K. Avasthy			13-6-83 to 25-6-83

The 13th July 1983

No. A.32014/2/83-Admn. I—The President is pleased to appoint the following Personal Assistant/Selection Grade Personal Assistant of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P.A. (Gr. B of CSSS) in the same cadre on ad-hoc capacity for the periods shown against their name or until further orders whichever is earlier:—

S. Name No.	Periods	Remarks
1. Shri Sunder La	6-7-83 to 5-10-87	Vice Shri IN Sharma promoted as P.S.
2. Shri R.P. Dang	13-7-83 to 12-10-83	Vice Shri Tarsem Singh promoted as' P.S.

- 2. The above mentioned persons should note that their appttas Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.
- 3. The appointment of S/Shri Sunder Lal & R. P. Dang are subject to the approval of the Deptt. of Personnel & AR.

The 14th July 1983

No. A. 11016/1/83-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the period 28—206 GI/83

indicated	against	each	or	until	further	orders,	whichever
carlier:						•	

S. Name No.	_		Period
1. Shri N.M.L. Bhatnagar		<i></i>	19-6-83 to 30-7-83
2. Shri K.P. Iyer .			11-6-83 to 8-7-83
3. Shri Ram Autar .			18-6-83 to 8-7-83

The above officers shall draw Special Pay ② Rs. 75/per month in terms of D.O.P & A.R. O. M. No. 12/1/74-CS I dated 11th December, 1975.

No. A.11016/1/83.—Admn.JII(1).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Avasthy, a permanent Assistant of the C.S.S. Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on ad-hoc basis with effect from 26-6-83 to 4-7-83 and 6-7-83 to 30-7-1983 or until further orders, whichever is earlier.

The 18th July 1983

No. A.32014/1/83-Admn. I—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period shown against their names or until further orders, whichever is earlier:—

S. No.	Name		Period
1.	Shri I. N. Sharma .		6-7-83 to 5-10-83
2.	Shri Tarsem Singh		13-7-83 to 12-10-83.
		 	M. P. JAIN

Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd July 1983

No. K.12/65-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 31-1-1983, the President is pleased to apjoint Shri K. K. Chaturvedi to officiate as ad-hoc Dy. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 1-6-1983 and w.e.f. 2nd June, 1983 on regular basis.

No. K-37/65-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 31-1-1983, the President is pleased to appoint Shri Krishan Kumar to officiate as ad-hoc Dy. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 1-6-1983 and with effect from 2nd June, 1983 on regular basis.

No. M-57/65-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 31-1-1983, the President is pleased to appoint Shri M. P. Johri to officiate as ad-hoc Dy. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 1-6-1983 and with effect from 2nd June, 1983 on regular basis.

No. V-26/66-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 9-2-1983, the President is pleased to appoint Shri V. S. Dwivedi to officiate as ad-hoc Dy. Legal Adviser in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 1-6-1983 and with effect from 2nd June, 1983 on regular basis.

The 29th July 1983

No. S-169/68-AD.V.—On his appointment as Sr. Vigilance officer in the National Thermal Power Corporation Limited, at Farakka, Shri S. N. Mukherjee, Dy. Supdt. of Police, CBI was relieved of his duties in CBI with effect from 31st Decem-

ber, 1982 afternoon, His lien will be retained in the CBI for a period of 2 years from the date of relief.

No. U-2/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 11th July, 1983, the President is pleased to appoint Shi U. S. Prasad to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-7-1983 to 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. V-8/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 11th July, 1983, the President is pleased to appoint Shri V. N. Srivastava to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-7-1983 to 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. R-14/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 11th July, 1983, the President is pleased to appoint Shri R. K. Verma to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-7-83 to 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

No. S-27/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 11th July, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. Bhattacharjee to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-7-1983 to 31-12-1983, on purely ad-hoc basis.

No. S-32/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 11th July, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava to officiate as Sr. Public Presecutor

in Central Bureau of Investigation for the period from 1-7-83 to 31-12-1983 on purely ad-hoc basis.

R. S., NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110003, the 27th July 1983

No. O-II-1774/83-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd July, 1983 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular-basis. whichever is earlier.

A.K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA.

New Delhi-11, the 28th July 1983

No. 11/42/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. Ibocha Singh, an officer of the Manipur Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur Imphal, by transfer on deputation, with effect from the fore-noon of the 8th July, 1983, until further orders.

1983, until further orders.

2. The headquarters of Shri A. Ibocha Singh will be at Imphal.

The 29th July 1983

No. 11/11/82-Ad, I.—The President is pleased to appoint on promotion, the under-mentioned Investigators to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office as indicated against each in column 3 thereof on a purely temporary and ad-hoc basis, for a period not exceeding one year with effect from the date as mentioned against each in column 4 below or till the posts are filled in on a regular basis, whichever is earlier, under the existing terms and conditions:—

SI. No	o. ´	Nan	ne			Office in which working as ADCO(T)	Date of appointment	Prescribed headquarters
1			2	 	 	3 .	4	5
	S/Shri			 				·
1.	V. P. Kataria					RGI, New Dolhi.	7-6-83 (F.N.)	New Delhi.
2.	P. N. Sinha					DCO., Bihar, Patna.	9-6-83 (F.N.)	Patna.
3.	A. L. Das					DCO, Bihar, Patna	13-6-83 (F.N.)	Patna.
4.	P.V. James					DCO, Karnataka, Bangalore.	20-6-83 (F.N.)	Bangalore.
5.	G. M. D. Lon	c .				DCO, Maharashtra, Bombay	23-6-83 (F.N.)	Bombay.
6.	R. S. Pandey					DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.	10-6-83 (F.N.)	Lucknow.

The 30th July 1983

No. 11/12/81-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 15th January, 1983, the President is pleased to extend the period of ad-hoc appointment of shri N. L. Gupta, an officer belonging to the Government of Uttar Pradesh, as Joint Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, by transfer on deputation, for a further period upto the 31st August, 1983 or till the post is filled in on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Gupta will be at Lucknow.

P. Padmanabha Registrar General, India.

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 29th July 1983

No. CA.1/62-69.—On his attaining the age of superannuation Shri S. B. L. Saxçna, Audit Officer (Commercial) serving

in the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi has retired from service with effect from 30-6-1983 AN.

M.A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 28th July 1983

No. Admn.I/O.O.No.185.—Sh. S. K. Verma a permanent Audit Officer of this office expired on 20-7-1983 and his name has consequently been struck from the rolls of this office with effect from 21-7-1983.

The date of birth of Sh. Verma is 1-5-1927 and he joined. Govt. service on 3-7-56.

The 1st August 1983

No. Admn.I/O.O. No. 189.—The Director of Audit, Central Revenues, has ordered under 2nd provise to the FR30(1) the proforma promotion of Shri B. B. Aggarwal a permanent Section Officer, of the this officer to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-3-1983(FN) until further orders,

No. Admn.I O.O. No. 190.—The Director of Audit Central Revenues hereby appoints Shri A. S. Sharma an officiating Audit Officer of this office in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 21-7-1983.

Mrs. PRAVIN TRIPATHI Joint Director of Audit (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 26th July 1983

No. AN/I/1150/1/(II:—On the basis of the results of the Civil Service (Main) Examination, 1981 held by the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the following individuals as Probationer in the Indian Defence Accounts Service, with effect from the dates shown against their names:—

SI. No.	Name		 Date of appointment
1	2		 3
1. 2.	Kum, Veena S. Panicker Shri Umang Mohan .	:	01-09-82 (FN) 01-09-82 (FN)

1	2		. 3
	Kum. Sabina Valson (now Smt. Sabina V. Pillai)	•	02-09-82 (FN)
4.	Kum, Madhuklika Prasad .		01-09-82 (FN)
5. 6.		:	13-12-82 (FN) 01-09-82 (FN)
7. 8.	Kum. Sanhita Ghosh Shri Devendra Kumar Sharma		01-09-82 (FN) 04-01-83 (FN)
9. 10.	Shri Gur Saroop Sood Shri Prashant Narajn Sukul	:	31-12-82 (FN) 03-12-82 (FN)
11. 12.	Shri A. Vidyasagar		30-12-82 (FN) 01-09-82 (FN)
13.	Shri W. L. Hangshing	_ <u>:</u> _	18-12-82 (FN)

V. S. JAFA Additional Controller General of Defence Accounts

New Delhi-110066, the 25th July 1983

No. AN/I/1171/1/I:—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in Level-I of the Senior Administrative Grade (Rs. 2500-125/2-2750) of that Service, until further orders, with effect from the date shown against their names:—

1.	Shri R. Krishnamurthi		17th June, 1983(FN)
2.	Shri V. S. Jafa		3rd June, 1983(FN

No. AN/II/2606/83-I.—The undermentioned Accounts officers were transferred to the Pension Establishment with effect from the afternoon of the dates shown against each on their attaining the age of superannuation.

SI. No.	Name with Roster I	No.					Grade	Date from which transferred to pension Estt.	Organisation
	S/Shri					_			
1.	T. C. Dawar . (P/279)	٠,	•	,	1		Pt. Accounts officer	28-2-83	Controller of Defence Accounts, Western Command, Chandigarh.
2.	Jia Lal Vuthoo . (P/230)		•		٠	•	Do.	31-3-83	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu.
3.	Dharam Pal Luthra (P/143)	•	•	•	•	•	Do.	30-4-83	Controller of Defence Accounts, Western Command, Chandigarh.
4.	T. R. Sarin . (O/246)	•		•	• ,		Offg. Accounts Officer	30-4-83	Controller of Defence Accounts, Patna.
5.	Puran Singh Bedi (P/150)	•	•		-		Pt. Accounts officer	30-4-83	Controller of Defence Accounts, (Ors) Central, Nagpur.
6.	P. N. S. Raghavan (P/325)		-		•		Do.	30-4-83	Controller of Defence Accounts, (ORs) South, Madras.
7.	Jagdish Chander Kathi (P/66)	uria	•		•		Do.	30-4-83	Controller of Defence Accounts, (AF) Dehradun.
	Surinder Singh Syali (O/284)		-	•	•	•	Offg. Accounts Officer	31-5-83	Controller of Defence Accounts, (AF) Dehradun.
9.	Ram Kishan Singh (O/528)		•	•	•	•	Do.	31-5-83	Do.
10.	P. Subramanian (O/115)		•		•		Offg. Accounts officer	31-5-83	Controller of Accounts (Fys), Calcutta.
11.	S. M. Kumar . (P/161)	•	٠	•	•		Pt. Accounts officer	31-5-83	Controller of Defence Accounts, (Officers), Pune.
12.	M. J. Sandhana (O/397)		•	-	•	•	Offg. Accounts officer	31-5-83	Do,
13.	M. M. Sharma . (P/32)	•	٠		•	•	Pt. Accounts officer	31-5-83	Controller of Defence Accounts, Central Command, Mcerut.
14.	Nityananda Mukherjee (P/165)	•		•	•	•	Do.	30-6-83	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
15.	G, E, Krishnamurthy (P/332)		٠				. Do.	30-6-83	Controller of Defence Accounts, (ORs) South, Madras.
16.	Sita Ram Gupta . (O/590)		•		•		Offg. Accounts officer	30-6-83	Joint Controller of Defence Accounts (Funds) Mecrut.
17.	H. L. Malik . (P/61)						Pt. Accounts officer	30-6-83	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
18.	M. C. Malhotra . (O/2)		•0		,		Offg. Accounts officer	30-6-83	Controller of Defence Accounts, Western Connmuand, Chandigarh.

A. K. GHOSH

Dy. Controller General of Defence Accounts
(Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 28th July 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1409/83-ADMN(G)/5097.—On attaining the age of superannuation, Sliri N. H. Kher. Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th June, 1983.

V. K. MEHTA
Deputy Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPTT. OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE CEMENT CONTROLLER

New Delhi-8, the 28th June 1983

No. 7(5)/83/Admn.I/5095.—The Cement Controller (Head of the Department) is pleased to appoint Shri M. T. Ahuja, Sr. Investigator to the post of Section Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis w.e.f. 9-6-83 (F/N).

The 7th July 1983

No. 7(5)/83-Admn.1/5358.—The Cement Controller (Head of the Department) is pleased to appoint Shri M. Rajagopalan, Sr. Stenographer to the post of Senior Personal Assistant in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1040 on regular basis w.e.f. 30-6-83 (FN).

K. R. ARAVAMUDHAN Jt. Cement Controller

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 11th July 1983

No. A-17011/219/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Kumari Amita Tarafdar, Examiner of Stores (Assaying), in the Jamshedpur Inspectorate to officiate, on ad-hoc basis, as Assistant Inspecting Officer (Met-Chem.) in the same office with effect from the forenoon of 16th June, 1983 and until further orders.

The 22nd July 1983

No. A-6/247(620).—The President is pleased to appoint Shri A. M. Mathur, Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Director of Inspection. Bombay as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A' Engineering Branch) on ad-hoc basis in Calcutta Inspectorate for a period of six months with effect from the forenoon of 7th May 1983.

2. Shri Mathur relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) at Bombay with effect from 30-4-83 (A.N.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) from the forenoon of 7th May 1983 in Calcutta Inspection Circle.

The 26th July 1983

No. A-17011/221/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Kamala Prasad, Examiner of Stores (Engg.) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Fngg.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the torenoon of 1st July, 1983 and until further orders.

The 28th July 1983

No. A-17011/222/83-A.6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri G. H. Mondal Examiner of Stores (Engg.) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assit Inspecting Officer (Engineering) on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 28th June, 1983 and until further orders.

No. A-17011/224/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. K. Mishra, Examiner of Stores (Engg.), N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the Calcutta Inspection Circle with effect from the forenoon of 11th July, 1983 and until further orders.

The 30th July 1983

No. A-17011/220/83-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri R. K. Malhotra, Examiner of Stores (Engineering) in the Bombay Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Eng.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 27th June, 1983, until further orders.

No. A-17011/223/83-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri A. K. Bandopadhyay, Examiner of Stores (Engg.) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of 28-6-83 until further orders.

S. L. KAPOOR
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

New Delhi, the 23rd July 1983

No. A6/247(323).—Shri R. C. Bhattacharjee, permanent Assistant Inspecting Officer (Met.) and Officiating as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A') (Metallurgical Branch) in the office of Deputy Director of Inspection (Met.), Durgapur under the Director of Inspection (Met.), Burnpur has been compulsorily retired from Government Service with effect from the afternoon of 16th June, 1983.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 20th July 1983

No. 6493B/A-19012(3-MR)/83-19B.—Shri Moksha Ram is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-6-83, until further orders

No. 6505B/A-19012(3-HPS)/83-19B.—Shrt Har Pal Singh is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-6-1983, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General, Geological Survey of India.

Calcutta-16, the 26th July 1983

No. 6645B/A-19012(BRH)/82/19A.—Sri B. R. Hoshing has been appointed by the Director General, Geological Survey of India as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30-6-83 until furtner orders.

The 27th July 1983

No. 6663B/A-19012(3-GSR)/83-19B.—Dr. G. S. Reddi has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of 28-6-83, until further orders.

The 28th July 1983

No. 6687B/A-19012(3-HOG)/83-19B.—Shri Hari Om Gupta has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-6-1983, until further orders.

No. 6698B/A-19012(3-AKG)/83-19B.—Shri Ashok Kumar Goel, STA (Chem.) has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of 9-5-83, until further orders.

No. 6710B/A-19012(3-NR)/83-19B.—Shri N. Rajasekharan has been appointed to the post of Asstt. Chemist in Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 23-6-1983, until further orders.

The 29th July 1983

No. 6801B/A-19012(3-RSA)/83-19B.—Shri R. S. Alte has been appointed to the post of Assistant Chemist in the

Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15-6-83, until further orders.

A, KUSHARI Director (Personnel), Geological Survey of India

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 22nd July 1983

No. 4-190/83/Estt.—Smt. Asha Das, Research Associate (Physical) is promoted to officiate in the post of Assistant Anthropologist (Physical), Group-B, Gazetted at Headquarters, Calcutta on a temporary basis with effect from the forenoon of 15th July, 1983, until further orders.

The 23rd July 1983

No. 4-191/83/Estt.—Smt. Lalita Bose, Research Associate (Physical) is promoted to officiate in the post of Assistant Anthropologist (Physical), Group-B, Gazetted in the Eastern Regional Office, Calcutta on a temporary basis with effect from the forenoon of 15th July, 1983, until further orders.

M. S. RAJAGOPALAN Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 27th July 1983

No. 6(106)/63-SI.—Shri D. Arumugam, Programme Executive, All India Radio, Madras expired on 17th May, 1983.

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 1st August 1983

No. 1/12/83-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint the following persons to officiate as Accounts Officer on deputation in the offices and from the dates shown against their names.

S. No	Name of the Acctt design		 resent	ļ			Office where working at present	Office where posted	Date of appointment
1.	Smt. R. Vedavalli, Jr. Acetts. Officer	•			•	•	Pay & Accounts Office, Min. of I & B, Madras.	Chief Engineer (SZ)	1-6-83 (FN)
2.	Sh. S. L. C. Hingorani Jr. Acetts. Officer	•					Pay & Accounts Office, (IRLA) Min. of I & B, New Delhi.	Chief Engineer (NZ)	16-7-83 (FN)
			 					RUKMINI	DAS GUPTA.

RUKMINI DAS GUPTA, Deputy Director Administrator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 30th July 1983

No. V/881/FRD/Estt,II/3162.—Shri Verupatture Rangachari Varadan relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SB on 30-4-1983 (AN) consequent on Resignation.

N. V. RAMANAN Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 21st July 1983

No. DPS/41/2/83-Adm./23154.—The Director, Directorate or Purchase and Stores, Department of Atomic

Energy appoints Shri Nilkanth Baburao Nadkarni, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- from 21-2-83 (FN) to 16-4-83 (AN) in the same Directorate vice Shri K. Chandrasekharan, Asstt. Stores Officer, promoted as Stores Officer (ad-hoc).

The 22nd July 1983

No. DPS/41/2/83-Adm./23280.—The Director. Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasudeo Jivaji Deshpande, a permanent Store-keeper to officiate as an Assistant Stores Officer (ad hoc) basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 9-5-83 (FN), to 18-6-1983, (AN), in the same Directorate vice Shri V. B. Prabhu, Asstt. Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN, Administrative Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the July 1983

No. NFC/PAR/1603/2033.—Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Shri V. R. Mhetre, Scientific Assistant (C) to officiate as Scientific Officer in the grade of (SB) w.e.f. 1-2-1983 on an initial pay of Rs. 810/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in N.F.C. in a temporary capacity until further orders.

G. G. KULKARNI, Manager, Personnel & Admn.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th July 1983

No. A. 32013/13/82-EI.—The President is pleased to appoint Shri Prem Nath, Controller of Aerodromes to the grade of Director of Aerodromes at Palam on an ad hoc basis for a period of six months from 11-5-1983 or till the regular apponitments is made whichever is earlier.

The 19th July 1983

No. A. 19011/36/80-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Bosc, Director of Aerodromes, Calcutta retired from Government service on the afternoon of 30th June, 1983.

No. A. 32013/14/81-E.I.—On attaining the age of superannuation Shri T. K. K. Nair, Director of Aeronautical Inspection posted at Bangalore retired from Government service on the afternoon of 30-6-1983.

The 23rd July 1983

No. A. 32013/6/82-EC. :—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Communication Officer in the Civil Aviation Department upto the period shown against each or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier.

S. No.	Name				Per	iod
			•		From	То
	S/Shri					
1.	S.R. Sethi .				1-7-82	24-8-82
2.	V.N. Iyer .		٠	. ,	1-7-82	24-8-82
3.	T.S. Prakasam				1-7-82	30-6-83
4.	S. Krishnamurth	ıy		,	1-7-82	30-6-83
5	K. Gopalakrisht	an			1-7-82	30-6-83
6.	D.P. Chohan				1-7-82	30-6-83
7.	S. Sarkar .				1-7-82	30-6-83
8.	S. K. Neogy				30-5-82	30-6-83
9.	K. V. Vasudevar	1			1-6-82	30-6-83
10.	V.R. Srinivasan				10-6-82	30-6-83
11.	K. D. Tuli				30-5-82	30-6-83
12.	C. L. Khera				30-5-82	30-6-83
13.	S.S. Chowdhury				17-6-82	30-6-83
14.	G.S. Vedi		,		30-5-82	30-6-83
15.	K. K. Sidhartha	η			30-5-82	30-6-83
16.	K. C. Biswas	,			30-5-82	30-6-83
17.	P. R. Nair				30-5-82	30-6-83
18.	P. K. Dutta				16-6-82	30-6-83
19.	M.V.K. Murthy				30-5-82	24-8-82
20.	J. Bhattacharjec				30-5-82	30-6-83
21.	P.M. Subbiah				30-5-82	30-6-83
22.	N.S. Paul				30-5-82	30-6-8
23.	D. Paul	,			26-6-82	30-6-83

1	. 2				3	4
;	S/Shri					
24.	P. Ramdoss				30-5-82	30-6-83
25.	M.S. Sachdev				2-12-82	30-6-83
26.	V. Ranganathan				1-7-82	30-6-83
27.	B.B. Datta		,		30-5-82	30-6-83
28.	Ramji Singh			٠,	5 -6-82	30-6-83
29.	S. K. Sea				30-5-82	30-6-83
30.	K.C. Sengupta .				30-5-82	30-5-83
31.	H, Deb				2-6-82	30-6-83
32.	S. Govindarajan				12-9-82	30-6-83
33.	S. Basu .				12-9-82	30-6-83
34.	R. V. Khare .				15-9-82	30-6-83
35.	P. N. Malik				12-9-82	30-6-83
36.	T.V. Natrajan	•			15-9-82	30-6-83
37.	S. S. Datta		,		12-9-82	30-6-83
38.	S. L. Choda				12-9-82	30-6-83
39.	S. N. Sen .				12-9-82	30-6-83
40.	C.R. Narayanan				29-11-82	30-6-83
41.	Saibal Gupta				24 - 9-82	. 30-6-83
42.	A.K. Mukherjee				11-2-82	30-6-83
43.	K. S. Gopalan				2-12-82	30-6-83
44.	K. N. Nair				1-7-82	24-8-82
45.	G. Kannayyan				1-6-82	30-6-82
46.	S. R. Iyer				11-6-82	31-12-82
47.	S. Manickam				1-7-82	30-6-83
48.	P.S.N. Murthy				2-7-82	30-6-83
49.	V.V. Harnal				2-6-82	31-5-83
50.	M.K. Desai				30-5-82	31-7-8 2
51.	K,M. Mathew				12-6-82	30 -4 -83
52.	A. K. Munshi				30-9-82	31-12-8 2
53.	S.D. Chopra				13-9-82	31-3-83
54.	J. George .				20- 9-82	30-6-83

2. The continued ad-hoc appointment of these officers shall not bestow on them a claim for regular appointment and service so rendered on ad-hoc basis shall neither count for seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

S. K. ARORA Assistant Director of Administration

New Delhi, the 26th July 1983

No. A32014/2/83-ES—The Director General of Civil Aviation is pleased to promote the undermontioned Superintendents at present holding the post of Administrative Officer on adhoc basis in the offices indicated against their names as Administrative Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis in the same offices with effect from 23rd July, 1983.

S. No.	Namo		Station on which posted we as administra- ce tive officer on regular basis
1. Shr	i R. O. Shinde	R.D. Bombay	R.D. Bombay
2. Shi	ri S. C. Mallick	 R.D. Madras	R.D. Madras
3. Shi	ri V.R.S. Nair	R.D. Madras	R.D. Madras
4. Sh	ri K.T. Scen .	R.D. Calcutta	R.D. Calcutta
5. Sh	ri H.G.Das .	R.D. Calcutta	R.D. Calcutta

The 27th July 1983

No. A. 22015/4/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation of Shri K. L. Grover, Store Officer, with effect from 21-6-83 (FN), on his reversion back to Directorate General of Supplies and Disposals.

No. A32016/9/83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint S/Shrl D. S. Dhurve and Amrit Lal, Store Assistant as Store Officers (Group 'B') post on regular basis in the Office of the Regional Director Calculta and in the Central Radio Stores Depot, New Delhi respectively with effect from the forenoon of 23-7-83 in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-.

J. C. GARG, Assistant Director of Administration

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 15th July 1983

No. 6-4/82-Engg. (Estt):—The following officials are appointed to the post of Asstt. Engineer, G.C.S. Group 'B' (Gazette d) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. the dates mentioned against each until further orders:

SI. Name No.	Date of appointment
1. Sh. Iqbal Ahmed .	. 21-12-82 (FN)
2. Sh. K. Poorna Chand Rao	. 8-4-83 (FN)
3. Sh. S. K. Manaktalla	. 6-4-83 (FN)

S. K. DAS, Chief Engineer & Member

Faridabad, the 3rd August 1983

No. 3-594/82-CH(Estt).—Shri A. K. Nandi is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 16-7-83 (FN), till further orders.

No. 3-597/82-CH(Estt).—Shri G. Sudarshan is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 15-7-83 (FN), till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist & Member.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 26th July 1983

No. 27E/M(28)/69-ECII.—The President is pleased to accept the notice of voluntary retirement dated 30-4-1983 given by Shri P. M. Mehta, a permanent Assistant Engineer (Civil) and officiating E.E. (C), C.P.W.D., presently attached to Income Tax Department, Baroda as Valuation Officer and consequently retire him from Govt. service with effect from 31-7-1983 (AN), in terms of the provisions under Rule 48-A of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time.

Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) General of Civil company LAW BOARD of Shri K. L. OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Compunies Act, 1956, and of M/s. Haryana Hume Plpes Private Limited

New Delhi, the 22nd July 1983

No. 6718.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Haryana Hume Pipes Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

SOORAJ KAPOOR Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Kanpur Chit Funds & Finance Private Limited

New Delhi, the 22nd July 1983

No. 3821/242/18194.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kanpur Chit Funds & Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

Z. S. NEGI Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Apex Commercial & Financial Co. Private Limited

Ahmedabad, the 25th July 1983

No. 1669/560/CP.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Apex Commercial & Financial Co. Private Limited, has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. B. MASTER Asstt. Registrar of Companies Guiarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Kerala Clearing Agencies Private Limited

Cochin, the 27th July 1983

No. 2273/Liq./560(3)/83.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiry of three moths from the date hereof the name of Kerala Clearing Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 23rd July 1983

No. F.48-Ad(AT)/1983.—Shri S. V. Narayanan. Sr Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 1-12-82 to 31-5-83 wide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1983, dated 21st Murch, 1983, is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate

Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months with effect from 1-6-83 to 31-8-83 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher-grader

No. F.48-Ad(AT)/1983.—Shri N. C. Chaturvedi, substantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Allahabad Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 16-2-1983 ride this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1983, dated 31st March, 1983, is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack for a further period of 3 months with effect from the 16th May, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Lucknow, the 28th July 1983

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 94.—Shri Onkar Prasad Srivastava, Income-tax Inspector of Allahabad charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer (Collection), C.I.T. Office, Allahabad in the forenoon of 24-6-1983.

No. 95.—Shri Brij Raj Singh, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Tax Recovery Officer, Bareilly in the afternoon of 24-6-1983.

No. 96:—Shri Shyam Kishore Srivastava Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On his promotion he joined as Income-tax Officer, Almora in the forenoon of 23-6-1983.

DHARNI DHAR Commissioner of Income-tax, Lucknow

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHAPPER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/64.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Jandiala Road, Tarn Taran, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Tarn Taran on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person namely:——:

29—206GI/83

 Sh. Vijay Kumar Gupta s/o Sh. Bihari Lal Gupta. Manager, Oriental Bank of Commerce, Chowk Ghantaghar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Sardul Singh s/o Shrì Dewa Singh r/o Jandiala Road, Tarn Turan, Distt. Amriisar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
- (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and ex are defined in Ch.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at Main Jandiala Road, Near Octroi Post, Taru Taran, as mentioned in sale deed No. 3742 dt. 29-11-82 of registering authority, Tarn Taran, Dist. Ami tsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amrits ...

Date: 1-7-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/65.—Wheeras, I, C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Sarwarpura, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Arvinder Kaur W/o
 Sh. Pritpal Singh, r/o Gali No. 4,
 Sarwarpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Snit. Dharamjeet Kaur w/o Sh. Gurdial Singh, r/o Gali No. 4, Sarwarpura, Amritsur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Gali No. 4, Sarwarpura, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12460 dated 18-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/66.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Sarwarpura, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Arivinder Kaur w/o Sh. Prispal Singh, r/o Gali No. 4, Sarwarpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Balwant Singh s/o
 Sh. Mian Singh r/o
 H. No. 9799/37 Gali No. 4,
 Sarwarpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Gali No. 4, Sarwarpura, Amtitsar, as mentioned in sale deed No 12601 dt. 22-11-82 of the registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-7-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st July 1983

Rcf. No. ASR/83-84/67.—Whereas, 1 C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at Guru Nanak Nagar, Batala and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Batala on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Avtar Singh s/o Shri Dewan Chand, r/o Guru Nanaka Nagar, Batala.

(Transferor)

(2) Sh. Sodagar Singh s/o Shri Bua Ditta Mehra, r/o Batala.

(Trunsferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 16 marlas, situated at Guru Nanak Nagar, Batala, as mentioned in sale deed No. 4380 dt. 10-11-82 of registering authority Batala.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-7-83

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/68.—Whereas, I C. S. KAHLON, JRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Ajit Nagar, Amritsar and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shiromani Gurdwara Prabandhak Committee, through Sh. Manj t Singh s/o Sh. Iqbal Singh c/o Piara Singh Sindhi, Vill; Verowal, Teh. & Distt, Amritsar.

(Transferor)

 (2) Sh. Rachhpal Singh s/o Sh. Iqbal Singh, r/o Vill. Sandhwa Kalau, Teh: Batalla, Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated at Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12341 dated 16-11-82 of the registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amriesar.

Date: 1-7-83

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritan, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/69.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Dec., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Sh. Gurdial Singh s/o
 Hazura Eingh,
 1/o Ram Nagar, Amritsar,
 Presently at 131 Rani Garden,
 Shastri Nagar, New Delhi through
 Santokh Singh s/o
 Achhar Singh.
 484, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Sohan Singh, r/o H. No. 1201/12, Gali Arorian, Chowk Farid, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 4710, situated at Ram Nngar, Sultanwind, Amitsar, as mentioned in sale deed No. 13154 dt. 1-12-82 of tegistering authority, Amritsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-7-83 Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR,

Amritsai, the 1st July 1983

Ref. No. ASR/83-84/70.—Whereas, I - C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

One property situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amfitsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amiitstar on Nov, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Guidinl Singh s/o S. Hazura Eingh, 1/o Ram Nagar Amritsar, Presently at 131 Rani Gaiden, Shastri Nagar, New Delhi through S. Santokh Singh s/o S. Achhar Singh, 484, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Harcharan Singh Sachdeva 5/0 Shri Sohan Singh Sachdeva 1/0 1201/12, Gali Aror'an, Chowk Farid, Amritsar.

(Transferee)

- (3) Λ₅ at S No. 2 above & tenants it any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned (---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of pective persons, whichever period expires later; pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 4710, situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amitsar, as mentioned in sale deed No. 12975 dt. 29-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 1-7-83 Seal:

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st July 1983

Rcf. No. ASR 83-84/71,--Whereas, I C. S. KAHLON, JRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the agid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
Seal:

Sh, Gurdial Singh s/o
 Hazura Eingh,
 r/o Ram Nagar, Amritsar,
 Presently at 131 Rani Garden,
 Shastri Nagar, New Delhi through
 Santokh Singh s/o S. Achhar Singh,
 484, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Narinder Singh s/o Shri Sohan Singh, r/o 1201/12, Gali Arorian, Chowk Farid, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcei of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

One property No. 4710, situated at Ram Nagar, Sultanwind, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12976 dated 29-11-82 of registering authority.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/72.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

C. S. KAHLON, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
One property situated at R.B. Duni Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--30-206GI/83

(1) Sb. Bhupinder Singh s/o Sh. Kartar Singh r/o Greater Kailash Delhi, through Sh. Surjan Singh s/o S. Ganda Singh, 1/0 38 White Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdip Singh s/o Sh. Harbhajan Singh. r/o Katra Mit Singh, Amritsar.

(Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12284 dt. 12-11-82 of registerng authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/73.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One property situated at R.B. Duni Chand Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Sh. Bhupinder Singh s/o
 Sh. Kartar Singh r/o
 Greater Kailash Delhi, through
 Sh. Surjan Singh s/o
 Ganda Singh,
 r/o
 White Avenue, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Gurdip Singh s/o Sh. Harbhajan Singh, r/o Kutra Mit Singh, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 - (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13349 dt. 6-12-82 of registering authority, Amritsar,

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amrienar.

Date: 11-7-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/74.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/2 and hearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. One property situated at R.B. Duni Chand Road, Amritsar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
S.R. Amritsar, Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sh. Bhupinder Singh S/o Sh. Kartar Singh.
 R/o Greater Kailash Delhi, through
 Shri Surjan Singh S/o Ganda Singh,
 R/o 38 White Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Gurdip Singh S/o Sh. Harbhajan Singh, R/o Katra Mit Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

(Person whow the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at R.B. Duni Chand Road, Amritaar, as mentioned in sale deed No. 13782 of 15-12-1982 of registering authority, Amritaar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/75.--Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A plot of Land situated at R. B. Duni Chand Road,

Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) (1) Sh. Bhupinder Singh S/o Sh. Kartar Singh,

of Delhi through

(2) Shri Surjan Singh S/o Ganda Singh,
R/o 38 White Avenue, Amritsar.

(Ti

(Transferor)

(2) Shri Sat Pal Mohindroo 8/o hri Kishan Chand Mohindroo, R/o Bara Makan, Islamabad, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12073 dt. 8-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, 1RS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAK

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/76.--Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. One plot of Lund situated at R. B. Duni Chand Road,

Amritsur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on Nov. 1982

S. R. Amritsar, on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smt. Dalbir Kaur alias Bir Kaur, Sh. Raghbir Singh S/o Shri Bir Raghbir Singh, R/o Delhi Greater Kailash Amritsar, through Sh. Sohan Singh S/o Sh. Kartar Singh, R/o Bahadur Nagar, Sultanwind Road, Amritsar, (Transferor)
- (2) Sh. Parkash Mohindroo S/o Sh. Satpal Mohindroo, R/o Bara Makan, Islamabad, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person whom the undersigned knows to be interest
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used helein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12063 dt. 8-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/77.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. A plot of Land situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparnt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Parminder Kaur W/o S. Manohar Singh, Bahadur Nagar, Sultanwind Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Vijay Mohindroo W/o Shri Avinash Mohindroo, R/o Bara Makan, Islamabad, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsur, as mentioned in sale deed No. 12073 dt. 8-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/78.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of Land situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:

(1) Shri Manmohan Singh S/o Sh. Surjan Singh, R/o 38 White Avenue, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ramesh Mohindroo S/o Sh. Sat pal Singh Mohindroo, R/o Bara Makan, Islanmabad, Amritsar. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person whom the undersigned knows to be interest-
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, situated at R. B. Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12074 dt. 8-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

· Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/79.—Whereas, I, C. S KAHLON, IRS,

S. R. Amritsar, on Nov. 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

(1) Shri Haripal Singh S/o Sh. Mohindrer Singh, R/o 28 Garden Colony, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Jaswant Kaur W/o Sh. Iqbal Singh, Village Bham, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)
at S. No. 2 above & tenants if any.

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 200 sq. yds. situated at T. P. Scheme, Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12842 dt. 25-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri Haripal Singh S/o Sh. Mohindrer Singh, R/o 28 Garden Colony, Amritsar. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
3 CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/80.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 3. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
11—206GI/83

- (2) Smt. Kuldip Kaur W/o Shri Makhan Singh, Village Jhander, Teh, Ajnala, Disstt. Amiitsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 250 sq. yds., situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12843 dt. 25-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983 Seal:

(1) Shri Haripal Singh S/o Sh. Mohinder Singh, R/o 28 Garden Colony, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/81.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Kuldip Kaur W/o Shri Sajjan Singh, R/o Village Jhander, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property).

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 250 sq. yds., situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12844 dated 25-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/82.—Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at T.P. Scheme, Tung Bala, Amuitsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Haripal Singh S/o Sh. Mohindrer Singh, R/o 28 Garden Colony, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Iqbal Singh S/o Shri Teja Singh, R/o Village Bham, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of Property).

(4) Any other.

(Person in occupation of the property). ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 200 sq. yds., situated at T.P. Scheme Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12841 dated 25-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsur

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/83.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing

No. A plot of land situated at Majitha Road, Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S. R. Amritsar, on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) (1) Shrl Surjit Chand S/o Shri Kishan Chand,

Gali No. 5, Tchsilpura, Amritsar.
(2) Smt. Neelam Kanta W/o Shri Vijay Kumar, 164, Sharifpura, Amritsar,

(Transferor)

(2) S/Shri Dalbir Singh, Harvinder Singh Ss/o Shri Gurcharan Singh, Khadoor Sahib, Teh. Tarn Taran, Distt. Amritsar. (Transferce)

(3) As at S. No. 2 above a tenants if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Majitha Road, Circle No. 110, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11761 dated 2-11-82 of the registering authority, Amritsar,

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/84.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS.

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.
One plot of land situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Tilak Raj S/o Shri Ishar Dass, r/o Pawan Nagar, Amritsar.
- (2) Smt. Jasbir Kaur w/o Shri Surinder Singh Chahal, r/o 3961, Vijay Nagar, Amritser.
- (Transferee)

 (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Percent in accounting of the property)
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the andersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 150 sq. yds. situated at Tung Bala, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12928 dated 26-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/85.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at Bazar Papran, Amritsar (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any the context which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- Shri Digwijay Singh Maan s/o S. Major Balbir Singh Maan r, o Manawala Khurd, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh s/o S. Kirpal Singh, r/o Bazar Papran, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, measuring 434 sq. metres, situated at Bazar Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11807 dated 3-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority
> Inspecting Assit. Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

> > Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84, 86.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at Tung Bala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsur in November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) Shri Om Parkash s.o Shri Diwan Chand r/o Pawan Nagar, Amritsar.
- (Transferor) (2) Shii Tilak Raj s/o Shri Ishar Dass, r/o Pawan Nagar, Amritsar.
- (Transferee) (3) As at S. No. 2 above & tenants if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to

Be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

One property measuring 1 kanal 12 marlas, situated at Tung Bala, Amrtisar, as mentioned in sale deed No. 12701 dated 23-11-1982 of registering authority, Amritsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

C. S. KAHLON, 1RS Competent Authority

Date: 11-7-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/87,—Whereas, I. C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
One plot of land situated at G. T. Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Surti alias Surta Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Patti Sulan, Sultanwind, Amritsar,
- (Transferor) (2) Shri Davinder Singh Randhawa s/o Shri Suren Singh, r/o Vill. Villateja, Teh. Batala, Distt. Gurdas-

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at G.T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 13009 dated 29-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/88.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One plot of land situated at G. T. Road, Amrisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 12—206GI/83

- Shri Surti elias Surta Singh s/o Shri Wadhawa Singh τ/o Patti Sultan, Sultanwind, Amritsar.
- (2) Smt. Tajinder Kaur w/o Shri Davinder Singh Randhawa, Branch Manager, Pb. & Sind Bank, Dhariwal, Distt, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of alnd situated at G. T. Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1308 dated 29-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dato: 11-7-1983, .

Seal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/89.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at S.R. Amritsar on November 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforew d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Kundan Singh s/o Shri Inder Singh, through Shri Kewal Kishan s/o Shri Madan Lal, Opp. Elect. Office, Verka, District Amritsar.
- (2) Shri Brij Lal s/o Shri Mohan Lal, Lohgarh, Amrit-

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
- (Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12520 dated 19-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/90.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kundan Singh s/o Shri Inder Singh, through Shri Kewal Kishan s/o Shri Madan Lal, Opp. Elect. Office, Verka, District Amritsar.
- (Transferor)
 (2) M/s R. R. Ware House, 358, Tilka Nagar, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Tilak Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12521 dated 19-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

tef. No. ASR/83-84/91.—Whereas, I, C. S. KAHLON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

One plot of land situated at Nirankari Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '---

- Srri Ranjti Singh s/o Shri Pardhan Singh r/o Gali Mochian, Katra Mahan Singh, Amritsar.
- Transferor) (2) Major Gian Singh s/o Shri Lachhman Singh, r/o Jeo bala Teh, Tarn Taran, Distt. Amritsar.
- (Transferee) (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Nirankari Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12681 dated 23-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

FORM I.T.N.S.

Shri Kidar Nath s/o Shri Sant Ram, r/o Gali No.
 Bagh Rama Nand, Amritsar.

(Transferor

- (2) Smt. Seema Malthotra w/o Shri Dharamvir Malhotra Gali No. 3, Bagh Rama Nand, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/92,—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing Agri land

and bearing Agri. land
One property situated at Purani Market, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on November 1982

S.R. Amritsar on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Purani Market, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 12469 dated 17-11-1982 of the registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/93.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A plot of land situated at Mamoon Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot as November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhuri Singh s/o Shri Kehro r/o Vill. Mamoon, Teh. Pathankot Distt. Gurdaspur.
- (2) Shri Satinder Kumar s/o Shri Panna Lal Gupta c/o Bharat Flour Mill, Dalhousie Road, Pathankot.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land, measuring 19 kanals, 14 marlas, situated at Mamoon Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2467 dated 8-11-1982 of registering authority, Pathenkot.

C. S. KAHLON, JRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the J1th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/94.--Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ved Parkash soo Shri Puran Chand Self & General Attorney, r/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shri Deepak Kumar s/o Shri Brij Mohan, r/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- 4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony Amritsar as mentioned in sale deed No. 12240 dated 12-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3- CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/95.—Whereas, I, C., S. KAHLON,

RS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

(1) Shrì Ved Parkash s/o Shri Puran Chand self & General Attorney, r/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor) (2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Brij Mohan, r/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar

(3) A_S at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12239 dated 12-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/96.—Whereas, 1, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritan in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the transferee for the Lorentz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice hereby under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

33-206 GI/83

(1) Shri Ved Parkash
Shri Puran Chand
Self and General Attorney,
R/o Katra Ahluwalia,
Ampitsur

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbur Sahib, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S, No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used beloin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amutsar, as mentioned in sale deed No. 12879 dt. 16-11-82, of registering authority Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amri's.w

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(!) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/97.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at S.R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash S/o Shri Puran Chand Self & General Attorney R/o Katra Ahluwalia, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahlb, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12880 dt. 26-11 82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/82-83/98.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the incme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immo able property having a fair marker value exceeding Rs-25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ved Parkash
S/o Shri Puran Chand
Self and General Attorney,
R/o Katra Ahluwalia,
Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Vinod Kumar Shri Ashok Kumar and Deepak Kumar Ss/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Persoa whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Coloney, Amrit-sar, as mentioned in sale deed No. 13200 di. 3-12-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsac

Date: 11-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/99.—Whereas, I, C. S. KAIILON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair a like value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfetor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Shri Ved Parkash
 S/o Shri Puran Chand
 Self and General Attorney,
 R/o Katra Ahluwalia,
 Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12878 dt. 26-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.---

Shri Ved Parkash
 S/o Shri Puran Chand
 Self and General Attorney
 R/o Katra Ahluwalia,
 Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Azhok Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Amitsar, the 11th July 1983

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. ASR/83-84/100.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

- being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
- and bearing No.

 One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12472 dt. 19-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, 1RS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 11-7-1983

(1) Shri Ved Parkash
S/o Shri Puran Chand
Self and General Attorney,
R/o Katra Ahluwalia,
Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/101.—Whereas, I, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Amritsar in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair nucket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than titteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Vinod Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12238 dt. 12-11-1982 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/102.-Whereas, I.

Ref. No. ASR/83-84/102.—Whereas, 1, C. S. KAHI.ON, 1RS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule enneyed bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ved Prakash S/o Shri Puran Chand Self and General Attorney, R/o Katra Ahluwalia, Λ mritsar.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Darbar Sahib, Amritser

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amricar as mentioned in sale deed No. 12471 dt. 19-11-1982 of the registering authority, Amritar.

C. S. KAHLON, IRS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amrisar

Date: 11-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING, ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 11th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/103.—Whereas, J, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in Nov. 1982

for an apparent consideration-

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evakion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) Shri Ved Parkash
 S/o Shri Puran Chand
 Self and General Attorney,
 R/o Katra Ahluwalia,
 Annribar.

(Fransferor)

(2) Shri Deepak Kumar S/o Shri Brij Mohan R/o Gali Gulrian, Chowk Datbar Sahib, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at New Garden Colony, Amritsar as mentioned in sale deed No. 12470 dt. 19-11-82 of registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/104.--Whereas, I,

C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-34-206 GI/83

(1) \$/Shri Baljit Singh Kamaljit Singh (minor) Sardul Singh R/o Gumtala through Guardian Shri Sardul Singh S/o Saudagar Singh R/o Gumtala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Devinder Kaur W/o Shri Dharam Singh C/o Gurbakh Singh R/o 493, Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situatesd at Ajnala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed, No. 11825 dt. 3-11-1982 of registering authority, Amritsar.

> C. S. KAHLON, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/105.—Whereas, J, C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Nov., 1982

S. R. Amplisar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Gurjit Singh
Shri Ranjit Singh
Ss/o Shri Lakha Singh
R/o Gumtala,
through Guardian Lakha Singh
S/o Shri Sudagar Singh
R/o Gumtala,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Devinder Kaur W/o Shri Dharam Singh C/o Shri Gurbaksh Singh R/o 493, Green Avenue, Amritsar,

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Ajnala Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 11824 dt. 3-11-1982 of registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR
Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/106.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

One property situated at Ajnala Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Harjit Singh S/o Sh. Savinder Singh, R/o Gumtala, Teh: Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Devinder Kaur W/o Sh. Dharam Singh C/o S. Gurbakash Singh, R/o 493 Green Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immew able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Ajnala Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11822 dt. 3-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/107.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
One property situated at Ajnala Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
S.R. Amritsar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 S/Sh. Karambir Singh, Manjit Singh Ss/o S. Joginder Singh R/o Gumtala, Teh; Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Devinder Kaur W/o Sh. Dharam Singh, C/o S. Gurbaksh. Singh, R/o 493 Green Avenue. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of

(4) Any other the property)

(person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Ajnala Road Amritsar as mentioned in sale deed No. 11823 dt. 3-11-82 of registering Authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/108.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

one property situated at Gumtala, Tch. Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair nurket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly-stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1), Sh. Lajpat Rai Mchta S/o Lala Jagan Nath, R/o Gumtala, Teh. & Distt, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt, Usha Paria W/o Shri Vijay Kumar Parian, R/o Fateh Garh Churjan, Teh Batala, Dist Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on 'the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 295 sq. yds., situated at Guntala Teh. Amritsar, as mentioned in sale deed No. 11902 dt. 5-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983 Ref No. ASR/83-84/109.—Whereas, I

C. S. KAHLON, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at V. Nangli, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amarjit Kaur W/o Sh. Sohan Singh, R/o Vill. Nangli,

Teh. & Distt: Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pair Kaur W/o Shri Hardip Singh, R/o Udewal, 1ch: Batala, Distt, Gurdaspur.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation

of the property)

(4) Any other.

(person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Vill. Nangli, as mentioned in sale deed No. 12291 dt. 12-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-7-1983.

(1) Sh. Ajit Singh S/o Sh. Jawala Singh, R/o Nangli, Teh. & Dist. Amritsar.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 13th July 1983

Ref. No. ASR/83-84/110.—Whereas, I C. S. KAHLON, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot of land situated at Vill. Nangli, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on Nov. 982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. Rajinder Kaur W/o Sh. Surjan Singh, Gali No. 14, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 1000 sq. yde., situated at Vill. Nangli, Teh. & Distt. Amritsar, as mentinoed in sale deed No. 12185 dt. 6-11-82 of registering authority, Amritsar.

C. S. KAHLON, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 280/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7 situated at S. P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpally on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Bhanodaya Builders, Plot, No. 1218, Road No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Sri Ram Bhoopal, 5-8-37, Fateh Sultan Lane, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. / in 1st 1100r S. P. Road, Secunderabad admeasuring 940 sft., registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 2733/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 13-7-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 281/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 196! (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land situated at Alwal R.R. Dt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—206GI/83

(1) Sri P. Basail & Others, 4/26, Old Alwal, R.R. Dt,

(Transferor)

(2) Father Balaiahnagar Co-operative Housing Society Ltd., Alwal. Secretary Sri P. Anandarao. Canteen Manager, Loyula Academy, Alwal. Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the soid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open dry land admeasuring 8 acres at Alwal village, R. R. Dt., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document Nos. 2300, and 2301/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyden tad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 282/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 8 situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Val'abhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or :
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri K. Subramanyeswara Rao, r/o Dosapadu, Krishna Dt.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1050 sq.yds. at Begumpet, Hyde: abad registered by the S. R. O., Vallabhnagar vide document No. 2517/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

(1) Sri S. Madhusudan Reddy, 6-11, Malkajgiri, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. The Central Institute of English and Foreign Languages Cooperative Housing Society Ltd., O. U. Campus, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC, No. 283/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open Land situated at Malkajgiri Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagur on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 15 acres 34 guntas situated at Malkajgiri, Secunderabad registered by the S.R.O. Vallabhnagar vide document No. 2400/82, 2409, 2396, 2393, 2508, 2538, 2552, 2302, 2244, 2317, 2228 and 2235/82.

M. IEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderab...d (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 284/83-84. -Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri I. Maruthi Ram, 8-3-320/A/1. Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 955 sq.yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide doritment No. 2516/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the hid Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

15033

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 285/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Val'ubhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hydcrabad.

(Transferor)

(2) Smt. I. Atchuta Kumari, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1019 sq.yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vailabhnagar vide document No. 2515/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 286/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

open land situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vallabhnagar on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(2) Sri Ashok Srivastava, 8-3-320/A/1. Yellareddyguda, Hyderabad. (Transferor)

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1042 sq. yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2511/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,.
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 287/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having v fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

not bearing
No. Plot situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Vallabhnagar on Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Gurunanak Co-operative Housing Society, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri K. Poornachandra Rao, R/o, Edunugalli, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 774 sq.yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2513/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7 1983

FORM I.T.N.S. —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Gurunanak Co-operative Housing Society, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sti B. Nagabhushanam, R/o 1-1-380/38-A, New Baka ram, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 288/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Oazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imamovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 664 sq.yds. situated to Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2514/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabud (A.P.)

Date: 13-7-1983

(1) Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. Krishna Kumari, Nidamanuru, Krishna Dt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 289/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing No.

and bearing No.
Open land situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering officer at
Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

36-206GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land admeasuring 754 sq, yds., at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2509/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No 290/83-84.--Whereas, 1, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

S. No. 711 situated at Janwada village R.R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. Dt., on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; . and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely :---

(1) Sri D. N. Shenoy, c/o Shenoy Nursing Home, East Marredpally, Secunderabad.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor) (2) Smt. A. Sharada Devi and Others, R/o Janwada,

R. R. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 8 acres 37 guntas at Janwada village R. R. Dt., registered by the S.R.O., R. R. Dt., vide document No. 8161/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hydrodud (AP.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 291/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-2-438/5 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Khairatabad on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri B. S. Murthy,
 8/0 late B. R. Murthy,
 r/0 Saifabad Telephone Exchange,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Rieta Baiaj, w/o Harinder Singh, r/o 8-2-438/5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-438/5 at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2238/82.

M. JEGAN MOHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

(1) Sri A. Raja Raghunath S/o A. Maisalah, 1-6-147/1, Khandoji Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri Mohd, Ataur Rahman Farooqui S/o Mohd, Ismail, H. No. 1-19-1, Rascolpura, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref.No. RAC. No. 292/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. 8-3-222/1/4 Yellareddyguda situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 8-3-222/1/4, Yellareddyguda, Hyderabad admeasuring land area 500 sq. yards and plinth area 144 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7417/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 293/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 404 situated at Kondayapalem, Nellore Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Subbaramayya, Punnur Village, Indukurpet Tq., Nellore Dt.

(Transferor)

(2) Sri Dugga Chalamareddy
 S/o Linga Reddy,
 21/80, Balajinagar, Nellore and another.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 132-1/2 ankanams at Kondayapalem, Nellore Dt., registered by the S.R.O., Nellore vide Document No. 5333/82.

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 294/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 70, 72, 73 & 74 situated at Thokatta village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Merredpally on November 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri B. V. Prakash Rdedy, 1-12-195, Tarbund, Secunderabad.

(2) M/s Sanjeevaiahnagar Cooperative House Building Society
1-10-170, Bowenpally,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2420 sq. yards situated at Thokatta village, Bowenpally, Secunderabad Cantonment registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 2877/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
[yderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri P. C. Srivastava S/o Late Dr. D. L. Srivastava, R/o 4-1-912/5, Dinabad estate, Tilak Road, Hyderabad.

(2) Dr. Indira Venkataratnam W/o T. Audinarayana, H. No. 11-6-655, Nampally, Hyderabad.

(Transferge)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 295/83-84.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heteinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing 8-2-120/86/4/A/25, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a resiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House property bearing No. 8-2-120/86/4/A/25, Banjara Hills Hyderabad admeasuring 350 sq. yards, registered by the S.R.O., Khairatabad vide Document No. 2138/82.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 296/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Malkajgiri, Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sri Narishlal, Malkajgiri, Secunderabad.

(2) The Sanjeevaiahnagar Co-operative Housing Society, 5-95, Chintala, Kulbulapur, Madchal Tq.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2430 sq. yards situated at Malkajgiri, Secunderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide Document No. 2219/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 297/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 12-A situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Marredpally on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

37—206 GI/83

 M/s. Bhanodaya Builders, Plot No. 1218, Road No. 36, Jubilce Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. Govindarajan Flat No. 12-A, Padma Apartment, Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, 2nd floor, S.P. Road admeasuring 803 aft., registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 2732/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1983

(1) Sharad S. Aditya, R/o 1-11-251/2, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Emerald Builders C/o Totaram Sagarlal, 4-1-968, Abid Road, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 298/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Office No. 12 situated at 3rd Floor S.D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12, 3rd floor' Emerald House, S.D. Secunderabad admeasuring 360 sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 7885/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th July 1983

Ref. No. RAC. No. 299/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 5 situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Matredpally on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys x other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Bhanodaya Builders, Plot No. 1218, Road No. 36, Jubileo Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. T. Usharamanath, 5-9-202/1, Chirag-ali-lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on 1st floor in Paigah Colony, S.P. Road, Secunderabad admeasuring 803 sft., registered by the S.R.O. Marredpally vide document No. 2730/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-7-1983

(1) M/s. Bhanodaya Bullders, Plot No. 1218, Road No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. K. Kapoor, 30 Wellington Road, Secunderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 300/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. No. 16 situated at S.P. Road, Secunderabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Marredpally on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, on 3rd floor, Palgah Colony, S.P. Road Secunderabad 893 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 2735/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Bhanodaya Builders, Plot No. 1218, Road No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Trausferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri T. V. G. Krishna Murthy and Others, 1-8-200/10, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 301/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat situated at S.P. Road, Secunderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Marredpally on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 12 in 2nd floor, Paigah Colony, S.P. Road, Hyderabad admeasuring 893 sft., registered by the S.R.O., Marredpally, vide Document No. 2722/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometux, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P..)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 302/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Shop No. 223 to 225 Ranigunj situated at Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecu per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86/92, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Smt. A. Chiranjeevi, Shop No. 223, 224 and 225 Ranigunj, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 223, 224 and 225 in 5-4-86 to 92 Raniguni, Secunderabad admeasuring 1173 sft., registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 7848/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 303/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at S.P. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Marredpally on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 M/s. Bhanodaya Builders, Plot No. 1218, Road No. 36, Jubilee Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri V. Pardhasaradhi, Flat No. 9, Padma Apartment, Paigah Colony, Secunderabad. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective respective welsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE .

Flat No. 9, 2nd floor, S.P. Road, Secunderabad admeasuring 803 sft., registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 2731/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 13-7-1983

Scal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 304/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' i, mave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hyderabad on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) M/s. Nandanam Construction Co., Rep. by Siva Kumar Reddy, 5-8-42, Fatch Sultan Lane, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. V. Santharam, S/o Jagannadha Sastry, 38/4, RT, Barkatpura, Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B/202/22, Fateh Sultan Lane, Hyderabad admeasuring 1104 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7201/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-83

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT . COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 305/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at

Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 38-206 GI/83

(1) Gurunanak Co-operative Housing Society 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad (Transferor)

(2) Sti K. Radhakrishna, Dosapadu village Krishna Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid prsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 910 sq. yds. at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O. Vallabhnagar vide document No. 2512/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-83

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 306/83-84.--Wherens, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and bearing No. Land situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhangar in Nov, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair model with a continuous transfer value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the converte property as aforesaid property as a some property and I have property as aforesaid property as a some property and I have property as a some property and I have property as a some property as a some property as a some property as a some property and I have property as a some property and I have property as a some property as a some property and I have property as a some property as a some property and I have property as a some property as a some property and I have property as a some property as a some property and I have property as a some property as a said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gurunanak Cooperative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Dhananjaya Rao, R/o 16, Sundarnagar, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 788 sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2519/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Gurunanak Co-operative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri P. L. Narasimba Rao, R/o Tallaballi, Nalgondo Dt.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ret. No. RAC No. 307/83-84.--Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land

situated at Begumpet, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay taxunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 1042 sft., at Begumpet, Hydcrabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2510/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-83

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION KANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 308/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing No. Land situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Nov, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Mirza Farhatullah Baig, 10-3-14/B/4/1, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Padmamma, W/o late K. Ramachandra Reddy, R/o Mungoda village, Nalgonda Dt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admossaring 833 sq. yds. at Banjara Hills. Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7709/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-83

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 309/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot situated at

Plot situated at Begump⊴t Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Manta D. Shetty and Others,
 3-5-1090, Laxmi Colony, Opp. YMCA,
 Narayanaguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Hansa Vimal Kothari W/o Vimal Kothari, 49, M. G. Road, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property case be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 327 sq. yds., at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2527/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-83 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, RYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 310/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land.

situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Khairatabad in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee. for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sri Gulab Chand, S/o Amichand, 98, Tower Street, Secunderabad.

 (Transferor)
- (2) Sri Raghuva Reddy, S/o Chandra Reddy, 2-2-1108/1/A, Indiranagar, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1008 sq. yds. situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 2199/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 13-7-1983 Seal:

(1) Smt. Najmunnisa Begum W/o Sultan Salahuddin, 16-8-238/8, New Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

 (2) Smt. P. Anuradha, W/o P. Rameswar Reddy,
 (Pr. M/s. Vijaya Beedi Leaves Co.,)
 H. No. 5-11-47, Naimnagar, Hanamkonda, Warrangal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 311/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated of Paris

situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purioses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prenerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 833 sq. yds. situated at Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7721/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date 13-7-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 312/83-84.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land

situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Vallabhnagar in Nov. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Gurunanak Co-op. Housing Society, Hyderabad.
 (Transferor)
- (2) Sri M. Chandra Sekhara Rao, Dosapadu, Krishna Dt., A.P. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 1066 sq. yds. situaaed at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2523/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 13-7-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderobad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 313/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Vallabhnagar in Nov. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --- 39—206GI/83

(1) Gurunanak Co-op, Housing Society Hyderabad. (Transferor)

(2) Sri K. Koteswara Rao, R/o Edupugalli, Krishna Dt

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 774 sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2522/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (Λ P.)

Date 13-7-1983

Scal:

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 **ÓF** 19**6**1)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

. Hydembad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 314/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Land situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto)* has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Vallabhnagar in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Gurunanak Co-op. Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri R. Bhaskara Rao, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 746 sq. yds, situated at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2521/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date 13-7-1983 Seal:

(1) Gurunanak Co-op. Housing Society, Hyderabad.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Smt. A. N. T. Sundari, Dosapadu village, Krishna Dt.

thay be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 315/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Begumpet situated at Begumpet

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vallabhnagar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 1080 sq. yds, situated at Begumpet, Hyderobad vide document No. 2520/82, registered by the S.R.O., Vallabhnagar.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hydearbad (A.P.)

Date: 13-7-1983

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

No. RAC No. 316/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Vallabhnagar on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurunanak Cooperative Housing Society, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) I. Jayaram, 8-3-320/A/1, Yellareddyguda, Hyd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 833 sq. yds. situated at Begumpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 2518/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

(1) Master Ch, Suman Babu, S/o Ch. Ramoji Rao, II. No. 3, Chikoti Garden, Begumpet, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Stu Umashankar Oza, S/o Lalehand Oza, & 2 Others, 15-1-414, Feel Khana, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 317/83-84,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Pedda Amberpet, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at R.R. Dt., on Nov. 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land admpasuring 5 acres situated at Pedda Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., R. R. District vide document Nos, 7886, 7887, 7888, 7889, and 7891/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incoce-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hydcrabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 318/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25 000/- and bearing No.

No. Land situated at Pedda Amberpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. R. Di., on Nov. 1982

R. R. Dt., on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

- (1) 1. Sri M, Rajendranath, S/o Shanker Lingam, 2. Sri P. Dharma Reddy, S/o Venkatramnarsimha Reddy
 - 3. P. Suchismathi, d/o P. Dharma Reddy, 3-4-219, Lingampally, Hyderabad-27. (Transferor)
- (2) M/s. Ushodaya Publications Pvt. Ltd., Managing Director, Atloori Rammohan Ruo, Eenadu Compound, Somajiguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 acres situated at Pedda Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O. R. R. District vide document Nos. 7915, 7930 and 7931/82. (3 registrations).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 319/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Pedda Amberpet, Hyd. (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R. R. Dt., on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri P. Dharma Reddy, 3-4-219, Lingampally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) "Happy Home Furniture Pvt. Ltd.,"
Eenadu Compound, Somajiguda, Hyderabad.
(Transfere.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1 acres situated at Pedda Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., R.R. Dt., vide document No. 7929/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 155/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34 & 39 situated at Kothapeta Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Guntur on Nov. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. L. N. Sanstrit College, Tenali
- (2) President K. Prasada Rao, Vijayapuri Colony, Guntur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land No. 35 & 39 area of Ac. 1-00 at Kothapeta, Guntur, registered with S.R.O., Guntur, vide document No. 10676/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-83. Seal:

(1) K. Lalitha Vakamudi Bhaskhra Rao, Guntur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) D. Umamaheswari Devi & Sridevi, M. G. D. Chenna Krishnaiah, Arandalpeta Guntur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 154/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 39 situated at Koppuravuru Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Koppuravuru Guntur, in D. No. 39, area of Ac. 2-86 Cents, registered with S.R.O. Guntur, vide document No. 10640/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

ow-Date : 6-7-83. **S**eal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10—206GI/83

- (1) S. P. Rajeswara Rao, S/o Lingaiah, & 3 others, Brodipeta Guntur.
 - (Transferor)
 - (2) D. Chenna Krishnaiah, Arandalpeta, Guntur, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 153/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 254 situated at Namburu Guntur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on Nov. 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property and that the fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant site at Namburu, in D. No. 254 registered with S.R.O. Guntur.

S. No.	Document No.	Area in
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		A. C.
1.	10171/82	0 -37
2.	10172 / 82	0-25
2. 3.	10173 /82	0-12-1/2
4	10174 /82	0-25
5. 6.	10175/82 10176/82 10334/82	0-25
6.	1017 5 ′/82	0-50
7.	10334 / 82	0-50

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 6-7-83.

FORM 1.T.N.S.--

- (1) Shri Sajaed Ahmed Basha, & Others,
 Tobacco Merchant, Gandhi Road, Ongole.
 (Transferor)
 - (2) Shri K. Subbarao, Accountant Canara Bank, Chirala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 152/83-84,---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. 25/C situated at Ongole
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Ongole on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Ongole Plot No. 25/C, and D. No. 37-1-459, (3)(4)(5), area of 500-2/3 Sq. yds., registered with S.R.O. Ongole vide documents Nos. 6134, 6135, 6136/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: .6-7-83.

Seal

(1) N. Vijayalaxmi, W/o Narasimhayya, Mangamur Ongole,

(2) N. Ranga Rao, Lawyerpeta, Ongole.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 151/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 6/1 situated at Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ongole on Nov. 1982

at Ongole on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Mangamuru Donka Ongole, in S. No. 6/1, area of 0-26 Cents registered with S.R.O., Ongole, vide document No. 6021/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-83. Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDFRABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC. No. 150/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 498 situated at Eluru

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Eluru on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) K. Gandhi & Others, Dabagardens Vizag.
 (Transferor)
- (2) V. Krishnamohan & Othere Ashoknagar Eluru. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

acant site in T.S. No. 498, area of 757.8.9 sq yds. at Powerpeta, Illuru registered with S.R.O., Eluru, vide document No. 7697/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC. No. 149/83-84.—Whereas, I,-M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. BS 421 situated at Gunupudi Bhimayaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhimavaram on Nov. 1982.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) K. Bapiraju Ftc. S/o Sitaramaraju, Palakoderu Bhimavaram W.G. Dt.

(Transferor)

(2) K. Satyanarayanamurthy, President The Bhimava-ram Rice Miller's Association 9th Ward, Bhimava-ram W.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires laters
- (b) by any, other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 1-40 Cents in R.S. No. 421 of Gunupud Bhimavaram registered with S.R.O., Bhimavaram vide docu ment vide document No. 3812/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Ta: Acquisition Rang Hyderabad (A.P.

Dato: 6-7-83.

(1) V. V. Satyanarayanaraju, 1st Ward, Bhimavarm, W.G. Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) B. N. V. Narasimharaju Kumar, 13th Ward, Venkayyanaidu Veedhi, Bhimavaram-1. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC. No. 148/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
RS No. 217/2 situated at Bhimavaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Bhimavaram on Nov. 1982

at Bhimavaram on Nov. 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 217/2, of Bhimavaram area of Ac. 2-00 registered with S.R.O., Bhimavaram, vide document No. 3686,3685/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge-I,
Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. V. Kamalamani, W/o Sivapirao, Kakinada.

(Transferor)

(2) V. Mangatayaru, W/o Venkataraju, Kakinada.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 147/83-84,—Whercas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. 23312 situated at Kakinada
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

the Parietration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Vacant site in S. No. 23312 at Kakinada Municipality area of 913 & 870 Sq. yds. registered with S.R.O., Kakinada vide document Nos., 10462, & 10641/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Hyderabad (A,P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983.

Scal :

(1) Shri K. V. Satyendra Madan, R. R. Constructions Sriramnagar, Kakinada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri M. V. Mohanarao, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 146/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25/000/- and bearing

S. No. 396 situated at Sambamurthynagar, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
41-206 G1/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant site of 744 4/9 Sq. yds, situated at Sambamurthynagar, Kakinada, in S. No. 396 registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 10316/82.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

Scal:

15078

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 145/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the timmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No.

Vacant site situated at Aryapuram Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Ramalingayya, Etc., D. No. 36-6-4, Nalamyari Street, Kakinada.

(Transferor)

(2) S. Ch. Gangirdeddy, Polamuru (Po) Rayavaram (Tq.) E.G. Dt.

(Transferee)

Objections, if any, o the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant sit of 800 Sq. yds., situated at Aryapuram 8th Ward, Rajahmundry registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document No. 10191/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 144/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vacant land situated at Kakinada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri I. S. Prakasarao, Etc. Samarlakota.

(Transferor)

(2) Shri A. V. S. Murthy, The LIC Employees Co-op. Building Society, Ltd., Kakinada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Kakinada area of Ac. 1-00 registered with S.R.O., Kakinada vide document No. 10076/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 143/83-84.—Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable market value exceeding Rs. 25,000/ property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 12-1 situated at Ramanayyapeta, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at. Kakinada on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Shri B. Appayamma, Ramanayya peta, Sivaru, Kothur, Kakinada,

(Transferor)

(2) Shri K. Suryanarayana, President The Godayari Employees co-op. House Building Society Ltd., Kakinada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Vacant land at Ramanayyapeta, in S. No. 12-1, area of 1-18 Cents, registered with S.R.O., Kakinada, vide document No. 9873/82.

> M. JEGAN MOHAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri M. Radhakrishnam Raju, Tadepalli Gudem, West Godavari Dt.

(Transferor)

(2) Sri Kasmopolitan Club, Tanugu.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 142/83-84,—Whereas, I, M. JECAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.SS. No. 30 situated at Tanuku

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tanuku on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 30, at Shajjapuram, area of 2645-2-84 Sq. yds., registered with S.R.O., Tanuku, vide document No. 4551/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shri B. Appalaswamy & Others, Bheemunipatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Press Steel Eng., Services, Ltd., Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 141/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/Vacant land situated at Vemulavalasa, Bhimunipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Bhimunipatnam on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Vacant land at Vemulavalasa, registered with S.R.O. Bheemunipatnam.

S. No. Document No. Area in A. C.

1. 2492/82 1-35
2. 2493/82 1-13
3. 2496/82 1-35

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, ther love, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 140/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

·Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site situated at Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the state. At Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property be the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. A. E. Kumar Krishna Varma Etc., Hyderabad,

(Transferor)

(2) Vizia Co-op House Building Society Ltd., H. No. 47-9-13, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at ponds Layout near Timpany School, Vizag, area of Ac. 9.54 registered with S.R.O., Vizag vide document No. 11551/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

SeaI:

(1) Paramount Constructions R/p. by M/P Smt. B. Laxmi W/o Shri Prabhat Kumar, D. No. 11-2-16, Dasapalla, Hills, Vizae.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Grandhi Seetha Kakaraju, W/o Shri G. Kamaraju, Gandhinagar, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 139/83-84,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have tenson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and

movable property, having a ran market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No..

D. No. 16-1-16 situated at Vizag (and more; fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Vizag on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property D. No. 16-1-16, first floor, at Vijayawada area of 1300 Sq. ft. registered with S.R.O., Vijayawada vide document No. 10982/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1983

- ----

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri G. Peda Sanyasi, Porlapalem, Vizag Dt.

(Transferor)

(2) The Andhra Cement Co., Ltd., Sarojinidevi Devi Road, Secunderabad,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 138/83-84.—Whereas, I, Ref. No. RAC No. 138/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. No. S. 68/12 situated at Porlapakem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Vizag on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land of Ac. 5-15 Cents, at Porlapalem, Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 11110/82 (S. No. 68/12) Vizag.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the safe aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

42 - 206G1/83

FORM IT.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 137/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. 52 situated at Resapuvanipalem, Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceets the apparent consideration therefor by more than therefor per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the nortice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outht to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby innuite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269I) of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri A. V. Krishnarao Etc., Artala House, Gokhale Road, Pandimetta, Maharanipet, Vizag.

(Transferor)

(2) Shri M. Chinna Apparao, President Gopalapatnam Co-op. Building Society Ltd., Gopalapatnam Vizag.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 9490 Sq. yds., at Resapuvanipalem, Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 11244/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kumuda Kumari Bothre, W/o Sri Ralichand Bothru Das, D. No. 10-1-40, Travellors Bunglow Road, Vizag.

(1) Shri I. Ramakrishna Rao,

Vizag.

16-3-5, Official Colony,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 136/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

TS 1031 situated at Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The turns and expressions until herein as are defined in Charles Alice of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SELL DUT

Vacant site of 1010 S4 vis., the death, 15 F.S. No. 1031 Vizag Municipal Critical on Wolfing contacted with S.R.O., Waltair, vide document No. 11063/82.

M. TEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Containment of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .- -

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 135/83-84.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 45/1 situated at Maddilapalem, Vizag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vizag on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemid projectly and I have reason to believe that the fair market value of the aforemid projectly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen near condition of such apparent consideration and that the fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of one wasts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely : -

(1) Shri T. Gangadhara Rao Engineer, Kosanapalli Village Bhimadolu, W.G. Dt.

(Transferor)

(2) Shri S, N. Busi, Additional Collector of Customs, Custom House Maharanipeta, Vizag.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 500 Sq. yds, plot No. 2, S. No. 45/1, Maddilapalem Vizag, registered with S.R.O., Vizag, vide document No. 11310/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

- (1) S. Venkaţaraju, Karraladoddi Veedhi, Vizag. (Transferor)
- (2) Ch. Bhaskara Rambhadra Raju, 47-13-7, Dwarakanagar, Vizag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 134/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 668 situated at Allipuram Vizag

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Oilicer at Vizag in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evaluen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUCE

ACC Sheet House area of 405 Sq.vds, at Allipuram Ward, Vizag. (T.S. No. 668, Block No. 23 Dwarakanagar) registered with S.R.O., Vizag., vide document No. 11523/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 6-7-1983

(1) T. Varahalamma, Etc. Srikakulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. V. Narasimham, Etc., Gujarathipeta, Śrikakulam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 133/83-84.--Whereas, I

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T S No. 32 situated at Srikakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site of 17833 sq. gds. t. S. No. 32-1-2-, at Sakakulam, registered with S.R.Q., Srikakulam, registered with S. R. O. Srikakulam, vide document No. 3978/82.

> R. R. HAH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 6-7-1983

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 132/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27-7-7 situated at Kannavari tota Guntur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer of Guntur on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Western P. ct, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) D. Ramachandra Rap and Another Prakashnagar, Hyderabad.
 - (Transferor)
- 1. M. Vanamala Rao, S/o Katumbarao, Vijayawada.
 - 2. M.Kanakamahalaxmi V.jayawada.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cfficial Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at D. No. 27-7-7, Kaunavari Tota, Guntur, area of 422 Sq. yds, registered with S. R. O., Guntur vide document No. 10685, 10681/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

P.B. Bungarayamma, Kotlam adoppa Veedhi, Veranagaram.

(Transferor)
(2) Visionagoram Dst. Animal Hushandary, Employees,

K. Fog. Housing Society Ltd.,

Vision greato

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref.RAC No. 131/83-84.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 105 stuated at Pedatadiyada

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Officer at Bhogapuram

on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacous lend of Ac. 700, at Padatadivada Bhogapuram, in S. No. 135, registered with S.R.O., Bhogapuram, vide document No. 1354/82.

M. IFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

- (1) Ch. Venkataram, Hyderabad.
- (Transferce)
- Λ. Appalaraju, Vizionagaram,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 130/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. 14-2-14 situated at K. S. Ward Vijayanagaram
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Vijayanagaram on Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43—206 GI/83

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tiled House and site situated at K, S. Ward Asst. No. 10082, D. No. 14-2-14, area of 357 sq. yds, registered with S. R. O. Vizianagaram, vide document No. 4800/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) K. Parthasarathi, & Others ,Meraka Veedhi, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) E. Lalithamma, K. V. R. Swami Road, Rajahmundry,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 129/83-84,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Vacant land soituated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at 13 Ward, Laxmivarappota, area of 340 sq. yds, at Rajahmundry, registered with S.R.O., Rajahmundry, vide document No. 7493/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
cquisition Range, Hyderabad (A.P).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I-hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.-

- (1) K. Brahmam, S/o Mallayya, Business, Amalapuram (Transferor)
- (2) Y. Venkateswarlu, S/o Narasarma, Amalapuram.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A/P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 128/83-84.—Whereas, I I. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 8s. 25,000/- and bearing 8o. 789-1 situated at Amalapuram and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Amalapuram on Nov. 82

or an apparent consideration which is less than the air market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building-Site 824 sq yds, with Saw mil, at Amalapuram registered with S. R. O., Amalapuram vide document No. 5580/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Rcf. No. RAC No. 127/83-84.—Whereas, 1 M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 3-1-161 situated at K. Agraharam Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on Nov' 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the conscealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Sambamurthy, Head of Department of Economics, S. K. B. R. Colltge. Amalepuram.

(Transferor)

(2) Shri P. Sriramamurthy, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property at D. No. 3-7-161, Narayanapeta, Road, K. Agraharam, Amalapuram, area of 540 sq. yds., registered with S. R. O. Amalapuram, vide document No. 5551/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
uisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 126/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

RS No.35/4 situated at Kankipadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the registering Officer at Kankipadu on Nov.' 82 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objec of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parally: ing persons, namely:-

(1) Shri S. Ramaloxmi, Governorpeta, Vijayawada,

(Transferor)

(2) Shri S. Gopalakrishnaiah, Manikonda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R. S. No. 35/4, area of 0-34 Cents, registered with S. R. O., Kankipadu, vide document No. 2440/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 125/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. RS No. 109/1&2 situated at Kanumuru Machilipatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Machilipatnam on Nov. 82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Y, Venkateswara Rao, Suryaraopeta, Viiavawada.

(Transferor)

(2) Shri T. Jagannadharao, Kanumuru, Pamarru, Krishna Dt.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill No. RS. No. 109/1 and 109/2, Kanumuru village Pamarru Tq., registered with S.R.O., Machilipatnam, vide document No. 4065/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P).

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 124/83-84.--Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000 /s. and hearing

Rs. 25,000/- and bearing No. 27-18-49 situated at Governor Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Srirama Murthy, Congress Office Road, Governorpet, Vijayawada.
- (2) Shri P. Prasad S₁ o Brahmanandam Haddu Sahib Street, Islampeta, ³ Vijayawada,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Governorpet, Vijayawada Door No. 27-18-49, area of 450 sq. ft. registered with S.R.O., Vijaya-ada vide document No. 11444/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 123/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27-18-49 situate dat Governorpet Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vijayawada on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Anjaneya Sharma, etc., Congress Office Road, Governorpet, Vijayawada.

(2) Shri M. V. Sambasiva Rao S/o Siva Rama Krishnaiah Mogalrajapuram, Vijayawada. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by, any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 27-18-49 at Governorpet, Vijayawada area of 134-4-6 sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 11445/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 122/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS No. 10/5 situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—44—206GI/83

 Shri G. V. Kameswari W/o Sri Krishna & Others Maruthinagar, Vijayawada.

(2) Shri B. Venkayamma W/o Venkatarao Samisti Gudem, W. G. Dt. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Patamat, Vijayawada, in R. S. No. 10/5, area of 631 sq. yds., registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 11710/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri U. V. Ramaraju Mutyalampadu, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri T. Seetharamaraju The Andhra Kesari Co-op. House Building Society, Ltd.. Vijayawada.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC. No. 121/83-84.—Whereus, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable to the competence of the said Act') have reason to believe that the immovable of the competence of th property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

RS No. 4/5A situated at Mutyalampadu, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1906 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Vacant land at Mutyalampadu, Vijayawada in R.S. 4/5A, area of Ac. 1-55 Cents, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 11788/82.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(40 01 1701)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC No. 120/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the sain Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. RS No. 366/2 situated at Gunadala Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri V. Nagendrababu S/o Shri Santana Gopolain Vijayawada

(Transferor)
(2) Sri Kanakadurga Co-op. Housing Building Society,
Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOMEDULE

Vacant land at Gunadala in R.S. No. 366/2, area of Ac. 4-19 Cents, registered with S.R.O. Vijayawada vide document No. 11349/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tank
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 6th July 1983

Ref. No. RAC. No. 119/83-84.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 49/2 & 53 situated at Patamata Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on Nov. '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' the following persons, namely:—

(1) K. V. Rangarao, S/o Ramayya, Padamata Lanka, Vijayawada.

(Transferor)

(2) P. V. Subbarao, S/o Rameswara Rao, Friends Co-op. Housing Building Society Ltd., Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata, Vijayawada, in R.S. No. 49/2 & 53, area of Ac-1-40 Cents registered with S.R.O., Vijayawada, vide document No. 11350/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ÎNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th July 1983

Ref. No. RAC. No. 118/83-84,--Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS. No. 175 situated at Patamata Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on Nov. '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Andhra Pradesh Industries Steralisation Corporation Ltd, Vijayawada.

 (Transferor)
- (2) Shri Panchumarti Prasada Rao, S/o Shri Venkateswarlu, Vijayawada-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Patamata, Vijayawada, in R.S. No. 175, area of 833-30 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vido document No. 11130/82.

M. JEGAN MOHAN-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-7-83

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Jyothi Builders, 22-6-2 & 3, Kali Kaman, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shoukat Ali S/o late Niamath Ali, 22-5-250, Kali Kaman, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1983

Ref. No. RAC. No. 320/83-84.--Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 22-6-2 & 3 situated at Kali Raman Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shopping complex bearing Building No. 22-6-2 & 3, Kali Kaman, Hyderabad admeasuring 167 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7768/82,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Kolli Guruva Reddy, S/o Dr. Dilip, Fatehkhanpeta, Nellore.

(Transferor)

(2) Infant Jesus Educational Society, Rep. by its President, Dargamitta, Nellore. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC. No. 321/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

and bearing No.
Land situated at Kondayyapalem Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore in Nov., 1982

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such 'transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of t ansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 acres situated at Kondayyapalem village, Nellore registered by the S.R.O., Nellore vide document No. 5201/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. R. Govardhanamma, 525, Balaji Colony, Tirupathi.

(2) Dr. Pagadala M. V. Bharathl, c/o. P. S. Naidu, 14/519, Burma Street, Madanapalle.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

RAC No. 322/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Bandameda Kandriga, Madanapalle (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Madanpalle on Nov., 1982 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 619 sq. yds. situated at Kandriga, Madanapalli Town registered by the S.R.O., Madanapalli, vide document No. 5109/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) T. K. Nageswara Rao & Others, Biccavolu.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

RAC No. 323/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Rice Mill situated at Biccavolu village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—206 GI/83

(2) Smt. S. Lalitha, w/o. Veeraraghavareddy, 2. S. Laxmirajyam, w/o. Gopalakrishnareddy Biccavolu, E.G. Dt. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill situated at Biccavolu village admeasuring 7310 sq. yds. registered by the S.R.O., Kakinada vide document No. 10410/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 13th July 1983

RAC No. 324/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at S.R. Nagar Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in Nov., 1982

Hyderabad in Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Satyanarayana s/o. Veeroji, 8-3-389/1/B, Yellareddyguda, Hyderabad.

(Transferee)

(2) Sri S. Venkatesham s/o. S. Veniaiah, 7-1-396/1/A, S,R, Nagar, Hyderabad,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective errors, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Sanjeevareddynagar, Hyderabad admeasuring 400 sq. yds. land area plinth area 100 sft..., registered by the S.R.O. Hyderabad vide document Nos. 7856/82

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 4961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

RAC No. 325/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-fax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shujath Ali, s/o. Fazal Nawaz Juny, R/O. 6-3-1119, Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

Smt. A. Vijaya Laxmi, w/o. Mohan Reddy, 6-3-712/29, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Banjara Hills. Hyderabad admeasuring land area of 1025 sq. yds. and plinth area 300 sft., registered by the S.RO. Khairatabad vide document No. 2088/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. Date: 13-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONFR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

RAC No. 326/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 3-6-309 situated at Bashirbagh Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Progressive Builders, 3-6-309, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shahjahan Begum alias Ayesha Rasheed, w/o. Shaik. Gulam Rasool, 3-6-778, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 3-6-309, Bashcerbagh, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide doucment No. 1032/82.

M. JI'GAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 327/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Land situated at Sadasivapet Medak Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sadasivapet in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nizamgari Ameer Ali, s/o Meera Saheb and 16 others, R/o Sadasivapet, Medak Dt.

(Transferor)

(2) Privadurshini Spinning Mills Ltd., Executive Director: S. Veera Reddy, 16-3-841, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE 'SCHEDULE

Open land admeasuring 18-00 acres at Sadashivpet, McGak Distric registered by the S.R.O., Sadashivpet, vide document No. 1166/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad(A.P.)

Date: 13-7-1983

(1) M/s. Malik Builders, 3-6-290, Hyderguda, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri B. Afsar Ali Baig, s/o Osman Uddouliah, 10-3-304/D, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 328/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Flat situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. AV, in Vth floor, Hyderguda, Hyderabad admeasuring 1561 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7558/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderaba4 (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

(1) M/s Sri Krishna Construction Co., 8-2-626/6, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishanchand Pariyani, s/o Dulhanmul Pariyani, B-4/F-8, HIrd Floor, MIGH Housing Board Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.).

Hyderabad (A. P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 329/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat situated at Tilak Rd., Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad in Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
officer per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pny tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4-1-938/22/25 Tilak Road, Hyderabad admeasuring 1530 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7889/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 330/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

House situated at Sultan Bazar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ranganathan,
 s/o Srinivasachary,
 12-2-823/15/5, Mehdipatnam,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Goroknath,
 s/o Gyaneshwar Maharaj,
 H. No. 5-1-680/1/A, Sultan Bazar,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 5-1-680/1/A at Bank Street, Sultan Bazar, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7711/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 331/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pedda Amberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
46—206 GI/83

 Sri M. Rajendernath, 3-5-94/5/A, Rajamohalla, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri T. Nutan Prasad, Cine Artist, Krishnaraonagar, T. Nagar, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Pedda Amberpet, Hyderabad admeasuring 3 acres registered by two separate documents vide document Nos. 7916, 7992/82 by S.R.O., Hyderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE • INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 332/83-84.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Peddaamberpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Lukshmi Kant, 3-5-94/5/A, Rajmohalla, Hyderabad.
2. M. Rajendernath, 3-5-94/5/A, Rajmohalla,

Hyderabad.

(Transferor)

(2) HAPPY HOME FURNITURE PRIVATE LTD., Fenadu Compound, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the arcressic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 acres 31 guntas situated at Pedda Amberpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7917/82 and 7890/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 13-7-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. V. Mahalaxmamma, w/o Ramanayya, Buja Buja, Nellore.

(Transferor)

(2) Swemy Ayyappa Traders, by Managing Partner Sri G. Venkateswarlu, Santhapet Nellore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 333/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Nellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Nellore on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 arces 35 cents situated at Nellore, registered by the S.R.O., Nellore vide document Nos. 5227, 5304, 5306, 5338, 5307, 5308, 5308/82. (7 registrations).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 334/83-84.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Maddikunta & Sadasivapet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadasivapet in Nov., 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Mohanlal and others, Goshamahal, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sii Meghraj and 6 others, Shamsheergunj, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 106 and 107 and 746 at Maddikunta and Sadasivapet. Medak Dt. admeasuring 14.35 acres of land andd 4000sft., plinth area house registered by the S.R.O., Sadasivapet vide document No. 1266/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 335/83-84.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Shop situated at Kali Kaman, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Jyothi Builders, 21-3-76, Pattergatti, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shankerlal, 22-6-116, Kali Kaman, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 22-6-2/73, Kali Kaman, Hyderabad admeasuring 162 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 7555/8.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 336/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land situated at Narrayanaguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri T. V. R. Naidu, H. No. 3-5-997, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

(2) Smt. K. Parvathamma, w/o K. Rajanna, Smt. Y. Padmalatha, w/o Rajender, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Narayanaguda, Hyderabad admeasuring 178 sq. yds, registered by the S.R.O., Chikkadpally, vide document No. 1016/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 337/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Open land situated at Sadasivapet, Medak Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sadasivapet on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri Rukman Rao and Other, 3-8-60, Sadasivapet, Hyderabad.

(Transfero.)

(2) M/s. Migtay Batteries Pvt. 1.td., Rep. by M. D. Sri P. Shyamson, 16-11-20/9/2, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 3.25 acres situated at Sadasivapet, Medak Dt., registered by the S.R.O., Sidasivapet vide document No. 1328/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 338/83-84.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beaing No.
Land situated at Nellore Town, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Nellore in Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the projection of such apparent consideration and the projection for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Sri N. Saibaba, Nawabpet, Nellore.

2. Smt. Narayanamma, Nawabpet, Nellore.

3. Sri M. Saibaba, Nawabpet, Nellore.

4, Sri N. Subramanyam, Nawabpet, Nellore.

(Transferor)

(2) 1. D. Raghavulu,

D. Narasimham,
 D. Vinod and

4. D. Mohan, Nawabpet, Nellore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 4 acres 33 guptas situated at Bit-II, Nellore Town registered by the S. R. O., Nellore vide document No. 5382, 5430, 5383 and 5381/82.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :--

Date: 13-7-1983

FORM ITNS-----

(1) T. Varahalamma, Etc., Srikakulam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. V. Narasimham Etc., Gujarathipeta, Srikakulam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. T.)

Hyderabad (A. P.), the 13th July 1983

Ref. No. RAC No. 133/83-84.-Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.
T. S. 32.1.2 situated at Stikakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—47—206GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 17833 Sq. yds., T. S. No. 32-1-2, at Sri-kakulam, registered with S.R.O., Srikakulam, vide document No. 3978, 3939/82.

> M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderated (A.P.)

Date: 13-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1983

Ref. No. RTK/143/82-83.—Whereas 1, R. K. BHAYANA Ref. No. RTK/143/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half east portion of house measuring 250 sq. yds. situated at the line of the second second

Jhajjar Road, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rohtak in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Subedar Prahlad Singh adopted s/o Shri Raghunath r, o H. No. 367 Ward No. 32 Kath Mandi, Rohtak. (Transferor)
- Chandervir Singh s/o Thakar Vikram Singh s/o Sh. Bansidhar Singh r/o 17/9J, Medical College Enclave, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/2 east portion of house measuring 150 sq. yards situated at Jhajjar Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4468 dated 19-11-1982 with the Sub Registrar, Rohtak.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Rohtak

Date: 14-7-1983

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK Rohtak, the 15th July 1983

Ref. No. GRG 133/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 18 biswas (2754 sq. yards) situated at Rail-

way Mal Godown Road, Gurgaon

(and more fully described in he Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suld instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Manohar Lal Chopra s/o Sh. Narsingh Dass Chopra, s/o Shri Des Raj Chopra r, o H. No. 152, Ajmeți Gate, Delhi-6.
- (Transferor) (2) S Shri Radhey Sham, Ram Gopal, Sat Narain, Mahender Kumar ss.o Shri Chiranji Lal s/o Shri Durga Parshad r/o 2911, Kinari Baar, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being land measuring 18 biswas (2754 sq. yards) situated at Railway Mal Godown Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2606 dated 22-11-1982 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtuk

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th July 1983

Ref. No. GRG/128 82-83.—Whereas J, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial plot No. 60 area 2358.69 sq. yards building only situated at Industrial area, Mahrauli Road, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (1t of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sh. Surender Pal Uppal s/o Sh. Ramsaran Dass r o H. No. 188, 19-A, Chandigarh,

 - Smt. Rekha Lamba w/o h. Anil Lamba,
 Shri Anil Lamba s/o Sh. Narender Singh r/o H. No. 797/4, Urban Estate, Gurgaon.
 Shri Sunil Kumar s/o Sh. Narender Singh,
 Sh. Sushil Kumar s/o Sh. Narender Singh s/o Sh. Gopal Singh through Sh. Narender Singh s/o Sh. Gopal Singh r/o Alakpura Teh. Bawani Khera, District Bhiwani.

(Transferor)

(2) Mrs. R. S. I. Switch Gear Private Limited, 1-Bishop Leifroy Road, Calcutta-700020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being building only on Industrial plot No. 60 measuring 2358.69 sq. yards situated at Industrial area Mahrauli Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2402 dated 5-11-1982 with the Sub Registrat, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tal Acquisition Range Rohtal

Date: 14-7-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Robiak, the 14th July 1983

Ref. No. GRG/157/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

An Industrial plot measuring 2358.69 sq. yards only situated at Industrial area, Mahrauli Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Surinder Pal Uppal s, o Shri Ram Saran Dass Uppal, House No. 188, Sector 19-A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) M/s. R. S. I. Switchgears Pvt. Ltd., through Prop. Sh. Sarwar Gangjee, 1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700020.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being only plot No. 60 measuring 2358.69 sq. yds. situated at Industrial area, Mahrauli Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2401 dated 5-11-1982 with the Sub Registrar. Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Rohtak

Date: 14-7-1983

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th July 1983

Ref. No. UKL/3/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 9 kanals 8 marla situated at near bus stand Uklana

Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Uklana in Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Rohtas Chander s/o Krishan Chauder s/o Sh. Gokal Chand r/o New Delhi P.A.O. Smt. Mohni Devi wd/o Sh. Jagat Narain, Jaipur, Smt. Sita Devi wd/o Sh. Krishan Chand r/o New Delhi, Smt. Uma Devi wd/o Sh. Jagat Narain, Jaipur, Smt. Sita Devi through Sh. Bal Chand s/o Sh. Chandu Lal r/o Tilak Bazar, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Yashodha Rani w/o Sh. Ram Niwas 10/100 share, Shri Ramesh Kumar s/o Chuni Lal 10/100 share, Smt. Pushpa Devi w/o Sh. Krishan Kumar 10/100 share, Sh. Dalip Singh s/o Sh. Sheokaran Dass 10/100 share, Sh. Bhim Sain s/o Sh. Chaudgi Ram 15/100 share, Sh. Bujrang Dass s/o Sh. Om Parkash 15/100 share, Smt. Bimla Devi w/o Sh. Lakhi Ram 15/100 share, Sh. Bhagat Ram s/o Sh. Sahi Ram, 15/100 all rs/o Uklana Maudi, Distt. Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that

THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals 8 marla situated near Bus Stand, Uklana Mandi and as montioned in the sale deed registered at No. 267 dated 10-11-1982 with the Sub-Registrar, Ukalana.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 13th July 1983

Ref. No. A.P. No./4459.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. \$\mathbf{5},000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mota Singh Nagar, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Jagmohan Singh S/o Ishar Singh R/o 696, Mota Singh Nagar, Jalandhar. (Transfer(r)

(2) Pritam Kaur W/o Surjit Singh R/o V. Bandhal Himat, Teh. Phillaur, Distt. Jalandhar.

(Transferee) (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 299 situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5258 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandher

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-7-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th July 1983

Ref. No. A.P. No./4460,-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at G.T. Road Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Jalandhar in Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s P, S. Jain Motors, Pvt .Ltd. G.T. Road, Jalandhar through Sh. Nem Chand Jain, Executive Director Firms,

(Transferor)

(2) Narinder Kaur W/o Kartar Singh
2. Harbhajan Kaur W/o Paramjit Singh
3. Parkash Kaur W/o Santokh Singh,
all resident of V. & P.O. Shanker Teh.
Nakodar Distt. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to to be interested in the property,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property building No. 14 situated on G.T. Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5535 of dated November. 1982 of the registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 13-7-83

(1) Kharati Lal S/o Dharam Chand R/o Sukhera Basti, Abohar.

whichever period expires later;

(3) As S. No. 2 above.

(Transferor)

(2) Pisti Devi Wd/o Om Parkash R/o Nai Abadi, Gali No. 1, Abohar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4461.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar ni Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--48-206GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to

(Person in occupation of the property)

to be interested in the property)

(b) by any other person, interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2136 of Nov. 1982 of the Registering Authority. Abohar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-83

- ---:-

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4462.—Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Bhannda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov. 82

Omeer at Bratinda in Nov. 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under he said Act
in respec of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ...

(1) Moti Singh S/o Vir Singh Bhatinda.

(Transferer)

(2) Balwant Kaur W/o Jarnail Singh Bhatinda.

(Transferee)

(3) A: S No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the esaid immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 5075 of Nov. 82 of the Registering Authority Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Data: 15-7-83

FORM ITN3-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4463.—Whereas, 1, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcerted under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov. 82 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

(1) Jallour Singh S/o Kartar Singh C/o Guru Nanak Cold Store, Bibiwala Chowk, Bhatinda.

(Transferor)
(2) Harchand Singh S/o Munshi Singh Vill. Thatha Bhaika Bhatinda 2. Bhag Singh S/o Puran Saigh V. Sivian, Distt. Bhatinda 3. Harnek Singh S/o Gurdial Singh V. Gill Kalan Distt. Bhatinda, Bhagwan Kaur D/o Rikhi Singh R/o Partap Nagar, Jallour Singh Basti, Bhatinda, Madan Lal S/o Bhag Chand R/o Partap Nagar, Jallour Singh Basti, Bhatinda, Bogha Singh S/o Inder Singh Vill. Kot Bhai, 7. Jarnail Singh S/o Sh. Jora Singh Vill. Kot Bhai. (Transferor)

(Transferec)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5092 of Nov. 1982 of the Registering Authoтity, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Onte: 15-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4464.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ved Parkash Garg S/o Sh. Hari Ram k/o Bhatinda.

(Transferee)

(2) Harminder Kaur W/o Chanan Singh R/o Vill. Mam Pal Distt. Faridkot. C/o Chanan Singh Manager, Pb. & Sindh Bank, Dhuri.

(Transferor)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration Sale deed No. 5105 of Nov. 82 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 15-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandbar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4465.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lubility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Pritam Chand S/o Arjan Dass Mukhtiare—am of Januir Singh S/o Bhag Singh, Old Bus Stands to Mehna Chowk Road, Bhatinda.
- (Transferor) (Transferor)
 (2) Sukhchani Kaur W/o Rajinder Singh 2. Balwinder Kaur W/o Mewa Singh 3. Sukhvinder Kaur W/o Jagjit Singh, Randhawa 4. Raman Kumar Melhotra S/o Parkash Malhotra, 5. Dhiano Devi W/o Bhukhar Singh Rakra 6. Vniod Kumar S/o Hari Ram, 7. Anil Kumar Sahu S/o Narinder Kumar 8. Jit Singh S/o Puran Singh, Bhatinda. C/o N.F.L. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5108 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date 15-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4466.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov. 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Bachan Kaur D/o Balja S/o Sh. Ram Singh Old Bus Stand to Mehna Chowk Road, Bhatinda. (Transferor)
- (2) Hem Raj S/o Daya Chand, Nathana 2, Leela Devi W/o Vishwa Nath, 3. Rita Jaiswal W/o Vincd Kumar, 4. Sivinder Kaur D/o Gurbant Singh 5. Kartar Singh S/o Gurbant Singh, 6. Joginder Singh S/o Bhola Singh 7. Ashok Kumar Prasher S/o Dilbagh Rai, 8. Dev Raj Goal S/o Diwan Chand C/o N.F.L. Bhatinda,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2° above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5109 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 15-7-83 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Rcf. No. A.P. No./4467.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing exceeding Rs. 25,000/- and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Bachan Kaur D/o Balia S/o Ram Singh, Old Bus Stand to Mehna Chowk Road, Bhatinda.
- (2) Shri Niranjan Singh S./o Karam Singh, 2. Parm Sukh Singh S/o Dhanna Singh, 3. Pritam Singh S/o Phagan Singh, 4. Sashpal Avasthy S/o Ram Kishan, 5. Baldev Singh S/o Jangir Singh, 6. Mahadev Dass S/o Jago Dass, 7. V. Rama Krishna S/o P. R. Venkatraman, 8. Hari Lal S/o Rala Ram C/o N.F.L. Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5130 of Nov., 1982 of the Registering Authority.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date:15-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4468.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bhatinda on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Pritam Chand S/o Atian Dass Mukhtiare-am of Govinder Singh S. o Bhag Singh R/o Old Bus Stand to Mehna Chowk Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Makhan Singh S/o Kartar Singh, 2. Parkasho Shri Makhan Singh S/o Kartar Singh, 2. Parkasho Devi W/o Devi Dyal Bansal, Dialpur, Bhaika, 3. Savitri Chowdhury W o Harbans Lal, 4. Indra Vati D/o Chaman Lal, 5. Sohan Lal S/o Tek Chand, 6. Subhash Chander Chopra, 7. Rajiv Talwar S/o Kishori Lal, 8. Surinder Mohan S/o Dwarka Dass, 9. Karamvir Bhardwaj S/o Panjkoo Ram C/o N.F.L. Bhatinda.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5154 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date :15-7-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4469.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--49-206GI/83

(1) Shri Hazoor Singh S/o Havela Singh R/o Guru Nanak Pura, Bhatinda.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Rakesh Kumar S/o Ved Parkash, -
 - Jagdev Raj S/o Prabhu Mal.
 Amrit Lal S/o Mohan Lal.
 Dharma Devi W/o Balbir Singh.

 - 5. Preji Lal S/o Hant Rum.

 - Kamlesh Kumari W/o Preji Lal.
 Nirmal Gupta W/o Mehat Raj, R/o Shiv Saw Mill, Lal Singh Basti, Bhatinda. (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5299 of November 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALAND: JAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4470.—Whereas, 1 J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per scholule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov a box 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market vidue of the alcressid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Λct, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the Louis of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sukhdev Singh S/o Jangir Singh, R/o Multanin Road, Bhatinda.

(Tinnsferor)

- W/o (2) 1. Smt. Gulshan Kaur Manjit Singh, Bhatinda.

 - Manjit Singh S/o Gurcharan Singh. Bhupinder Kaur W/o Sarbiit Singh. Ashok Kumar S/o Partap Chand.

Raj Rani W/o Jagan Nath. Subhash Malhotra S/o Shri Basant Lal.

Mamta D/o Baldev Raj,
Gobinder Singh Chopra R/o Shiv Saw Mill,
Lal Singh Basti, Bhatinda C/o Achhru Ram
Teacher, MHR, Higher Secondary School,
Bhatinda of The Tagote Co-op House Building
Society, Ltd. Lal Singh Basti, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in tha

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 5312 of Nov. 1982 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. J. GIRDUA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range, Jalandha.

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4471.-Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Bhatinda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the site Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Gurbux Singh S/o Jangir Singh, R/o Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Raj Garg W/o Surinder Kumar.
2. Bhupinder Kaur W/o Vijay Kumar.
3. Nirmala Devi W/o Ved Parlash.
4. Parveen Kumar S/o i achiman Dass, Bhatinda.

Parveen Kunar S/o i achhman Dass, Bhatinda.
 Gurmohinder Singh S/o Chanan Singh.
 Pawan Kumar S/o Sant Ram.
 Chanan Dass S/o Sh. Pamua Lal.
 Jaster Singh S/o Gurcharan Singh.
 Nirmala Devi W/o Bhagwan Dass.
 Krishan Kaur W/o ratch Singh C/o Achhru Ram, Teacher, MHR Sr. Sec. School, Bhatinda of The Tagore Co.-op. House Building Society Ltd. Lal Singh Basti, Bhatinda
 (Transferee)

(Transferee)

(3) As per Si. No. 2 abov.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested as the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oligical Gazette.

Explanation:--The terms and expressions of deliver as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and periods as of an election the control sale deed No. 5313 of Nov., 1982 of the Bost wing Authority, Bhatinda.

> β , 1. Ourdhar Inspecting Assistant Commissioner of Income tax. Acquisition Isinge, Jalandhar

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Rcf. No. A.P. No./4472.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda in November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely;--

(1) Shri Malkiat Singh S/o Sh Jangir Singh, R/o Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(Transferor)

(2) 1. Shri Surinder Kumar S/o Hati Chand, Bhatinda.

2. Ram Moorti W/o Surinder Kumar.

3. Raminder Kaur D/o Karamjit Singh.

4. Bhola s/o Teja Singh.

5. Jarnail Singh S/o Bishan Singh.

6. Chand Rani W/o Mohan Lal

7. Raj Mittal W/o Surinder Kumar.

8. Krishna Devi W/o Janak Rai.

9. Sunita Devi W/o Madan Lal Singlu.

10. Amrit Kumar W/o Harinder Singh.

11. Swarn Kaur W/o Parkash Singh, Bhatinda.

C/o Achbru Ram, Teacher, MHR Higher Secondary School, Bhatinda of The Tagore Co.

op House Building Society Ltd. Lal Singh op House Building Society Ltd. Lal Singh Basti, Bhatinda

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above,

(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5314 of November 1982 of the Registering Authority; Bhatinda,

J. I. GIRDHÁR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax quisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1983

FORM-ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGO JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No /4473.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatiada. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nd/one
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee-for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shii Baldev Siagh S/o Jangir Singh, R/o Multania Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) 1. Sheimati Raksha Devi W/o Brij Lal.

- Birmala Kumari W/o Ram Niwas.
 Parnecta B. jaj W/o Abaash Chander, Bhatinda.
 Rakesh Kumar S/o Varlok Chand, Jullandur.
 Dr. Surjan Lal Gerg S/o Flardev Sahai,
- Bhatinda.

- 8. Sakuntla Devi W/o Diwan Chand, Bhatinda.
 7. Resham Devi W/o Kashmiri Lal.
 8. Sakuntla Devi W/o Sai Pal, Maur Mandi.
 9. Pushpa Devi W/o Taisera Chand, Maur Mandi.
 10. Divarna Devi W o Krishan Lal, Barnala of The Tagors Co-op House Building Society Ltd. Lal Singh Pasts, Bhatmaa C/o Achbru Ram, Teacher, MHR Higher Sec. School, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per St. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imme table property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properly and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5396 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Bhotinda.

> J. 1. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1983

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4474.—Whereas, I J. L. GIRDHAR,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatmala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhatinda in November 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mooney or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Gurmel Singh S/o Sh. Jangir Singb R/o Multania Road, Bhatindo.

(Transferor)

- (2) I. Shrimati Krishna Devi W, o Harbans Lal,
 - 2. Saroj Mangla W/o Pawan Kumar, Rampura Phool
 - 3. Sudha Goal W/o Suresh Kumar Rampura Phool.
 - 5. Sudha Godi Wobard Lal, BTL.
 5. Amrit Lel S/o Diwan Chand, Kot Kapura.
 6. Kanda Rani W/o Brit Lel, Bhatinda.
 7. Amar Nath S o Walaiti Ram, Boha
 8. Jagan Nath S/o Bachna Ram, BTL.

 - Sat Pal S/o Gandhi Rum, Mansa.

Lal Singh, Basti, Bhatmda.

 Ramdev Saran Pathak, Rampura Phool.
 Harr Chand Bansal S/o Banarsi Dass, Rampura Phool C/o Achhiu Pam Teacher, MHR. Higher Sec. School, Phatinda, of The Tugore Co-op, House Building Society Ltd.,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other nersons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5399 of Nov. 1982 of the Registering Authority. Bhatiada

> J. I. GIRDHAR Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1983

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4475. - Whereas, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda,

No. as per schedule situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

, (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely :--

(1) Shrimati Shamo W/o Banacsi Dass S.o Balak Ram R/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Professor Sham Lal S/o Sh Banarsi Dass, R/o Opp. Dr. Dev Dutt, Dhobi Bazar, Bhatinda

(Transferee)

(3) As per Sr No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5221 of November 1982 of the Registering Authority. Bhatinda,

J. J. GIRDHAR Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhai

Date: 15-7-1983

T-ORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDII AR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A.P. No./4476.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Bhatiada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Shri Anil kumar S/o Dev Raj, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Rillesh -Kumar Goel S/o Sh. Munshi Ram R/o Attia Mal R/o Bhatinda.

(Transferes)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perold of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5222 of Nov 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-198*

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A. P. No./4477.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at Bhatinda

as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhim Sen S/o Bihari Lal .
 Ahluwalia Vill. Fatehpur Jeh. Kaithal Distt. Kurukshetra.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi W/o Sham Lal S/o Nasib Chand C/o M/s. Nasib Chand Sham Lal, Bidi Cigarette Sreerampuram, Bhatinda.

(Transferee)

*(3) As per Sr. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5391 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 15-7-1983

Seal;

50-206G1/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Rcf. No. A. P. No./4478.—Whereas I, J. L. Girdhar,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'of'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 35 per schedule situated at Dada Colony, Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Sushil Kumar S/o Hukam Chand R/o 197-Dada Colony, Industrial area, Janandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Kumari W/o Inder Jit and Smt. Serla Rani W/o Tarsem Lal, 51-Dindyal Upadhya Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Dada Colony, Industrial area, Jaian-dhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5281 of November, 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons, namely:—

Date: 15-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A. P. No/4479.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at Adarsh Nagar, Jalandhar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Rajesh Kumar S/o Dev Raj and Pardip Kumar S/o Ram Chand turough Shri Ashok Kumar, G.A. r/o 94, Nijatam Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Niemla Rani W/o Ashok Kumar r/o Vijay Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 1/2 House situated in Adarsh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5140 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax Acquisition Range, Jalandbar.

Date: 15-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A, P. No/4480,---Whereas, I.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Baldev Singh S/o Jangir Singh R/o Multaina Road, Bhatinda.

(Transferor)

- 1. Shrimati Raksa Devi W/o Brij Lal,
 2. Nirmala Kumari W/o Ram Niwas, Bhatinda.
 - 3. Parneeta Bajaj W/o Dr. Avnash Chander,
 - 4. Rakesh Kumar S/o Tarlok Chand, Jullundur.
 - 5. Dr. Niranjan Lal Garg S/o Hardev Sahai,
 - 6. Laxmi Devi W/o Diwa nChand, Bhatinda, 7. Reshma Devi W/o Kashmiri Lal, Bhatinda 8. Sakuntla Devi W/o Sat Paul, Mansa,

 - 8. Sakuntia Levi W/o Sat Faut, Matisa,
 9. Pushpa Devi W/o Tarsen Chand, Maur Mandi
 10. Parma Devi W/o Kishan Singh of The
 Tagore Co-op. House Building Society Ltd.,
 Lal Singh Basti Bhatinda C/o Sh. Achbru Ram
 Teacher MHR Higher Sec. School, Bhatinda.
 (Transferce)
- (3) As per S. No. 2 above.
- (4) Any other person in occupation of the property)
 (Person in occupation of the property)
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5398 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Jalandhar.

Date: 15-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A. P. No./4481.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property us aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Joginde Singh, Jagjit Singh Ss/o Jeon Singh R/o Kothi Amar Pura Back of thermal Colony, Bhatinda.
 - (Transferor)
- (2) Capt. Harjinder Singh Sidhu S/o Kaur Singh Vill. Mehraj Teh. Phool.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5091 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Kange Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uncer subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th July, 1983

Ret. No. A. P. No./4482.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fitteen per cent of such apparent consideration and that is consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kulwant Rai S/o Walaiti Ram C/o Walaiti Ram Kulwant Rai, Mansa Mandi Mukhtiaream of Hukam Chand Ved Parkesh New Cloth Market, Bhatinda.

(Transferor)

1. Shri Mohinder Singh S/o Daulat Ram Bhatinda.
 2. Parveen Devi W/o Ranjit Singh Vill. Kesri Singhpura, Rajasthan.
 3. Tarsem Singh S/o Mohinder Singh, Bhatinda.
 4. Jagraj Rani W/o Amarjit Singh Vill. Doda Tch. Muktsar.
 5. Karnail Singh S/o Prem Singh Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5321 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
According to Range
Jalandhar.

Date: 15-7-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th July 1983

Ref. No. A. P. No./4483.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immediate property having the content of th

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at
Bhatinda on Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D on the said Act, to the following ing persons. namely:-

(1) Shri Mohant Sohan Dass Chela Jeon Ram S/o Uttam Dass, Vill. Kotshamin.

(Transferor)

(2) Shri Chand Singh S/o Kesar Singh Vill. Dod Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said we, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and person as mentioned in the Registeration Sale deed No. 5417 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar,

Date: 15-7-83.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560,001, the 13th July 1983

R. No. 62/36591/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. 37/106, situated at Malleswaram, 12th cross Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Rajajinagar under document No. 3419/82-83 on 27-11-82
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri A. M. Umashankar No. 2/1, 13th Cross, 10th Main Road, Sreerampuram Bangalore-3

(Transferor)

(2) Shri H. Sampathraj Kothari No. 1137/83, 3rd Cross, Sreeranyaram, Bangalore-21

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3419/82-83 dated 27-11-1982) All that property bearing No. 37/106 situated at 12th cross, Malleswaram Bangalore.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Date .: 13-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Anantharama Tantry S/o P. Padmanabha Tantry Kolambe of No. 76, Badagabethu village, udupi Town post udupi (Transferor)

(2) Shri K. Narayana Bhat Supervisor, Canara Bank Kodavoor Branch, Kodawoor

(Transferee)

15157

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> 'ACOUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560-001, the 13th July 1983

C. R. No. 62/37191/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

76, now S. M. 52/IBIR situated at Badagubettu village,
Bailore ward udupi Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at udupi under document No. 702/82-83 on 27-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or ·

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 702/82-83 dated 27-11-82) All that property bearing No. 76 now S. No. 52/IBIR situated at Badagabethu village Bailore ward udupi Town.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 13-7-1983

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

51-206 GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore-560-001, the 13th July 1983

C. R. No. 62/36590/82-83/ACQ/B.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41/1 situated at 7th Main road, 4th Division Malleswaram Bangalore-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar under document No. 3414/82-83 on 25-11-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Krishna Moorthy No. 28, Anjaneya Temple road, 2nd Street, Seshadripuram Bangalore-20

(Transferor)

 Shri S. Shantha Bai
 D/o Late Sabanna
 Dept, of Health and Family Welfare Services, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 From the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3414/82-83 dated 25-11-82) All that property bearing No. 41/1 situated at 7th Main road, 4th Division, Malleswaram, Bangalore'3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date : 13-7-1983

(1) Smt. T. Anasuya Bai No. 1602, 40th A Cross IV T Block Jayanagar, Bangalore-41.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. Srinivasa No. 1398, 28th Main 'A' Cross, 9th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th July 1983

C.R. No. 62/36607/82-83/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1602/44 situated at outhouse, 40th cross, IV T Block,

Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jayanagar under document No. 8562/82-83 on 4-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice of the period of the reservice of the period of the reservice of the period of the p pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2562/82-83 Dated 4-11-19821 All that property bearing No. 1602/44, old No. 1602 of Block, Jayanagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-7-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid porperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 13th July 1983

C.R. No. 62/38354/82-83/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN

MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-16-878 in Sy. Nos. 105-2E, 105-1 & 72-1A1 & 62-1 stituated at Kadri village &Monoli village of Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city under document No. 342/82-83 on Nvember, 1982 Nvember, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Mrs. June Bibiana pinto Wd/o Shri Harald, Sangam Santa Cruz, West Bombay by GPA S. T. Coclho S/o Shri J. P. Coclho, Candle Garden, Maugalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Mohamed Salih S/o Shri Mohamed Ibrahim C/o Sheik Abdulla Chartered Accountant Church Building, Kodialbail, Mangalore-575003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) facilitating the resuction or evasion of the liability 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 342/82-83 Dated Nov. 82] All that property bearing No. 15-16-878 in Sy. Nos. 105-2E, 105-1 & 72-1A1 & 62-1 situated at Kadri & Manoli villages of Mangalore respectively.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 14th July 1983

Ref. No. Acqu. Range-III 37EE/211/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nos. 8 & 9 Part 4 situated at Mahakali Road, Andhra (E.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 12-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mahal Pictures Pvt. Ltd.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Udbaram Bhajanmal Luthria
 - 2. Mr. Shyamlal Bhajanmal Luthria 3. Mr. Girdharlal Bhajanmal Luthria
 - 4. Mr. Mahesh U. Luthria 5. Mr. Kishore U. Luthria 6. Mrs. Radha U. Luthria 7. Mrs. Kavita S. Luthria

 - 8. Mrs. Manobar Bhajanmal Luthria 9. Mrs. Rekha M. Luthria

 - 10. Mrs. Moolibai B. Luthria
 - 11. Mr. Pundi Santhanam Raghavan
 - 12. M/s. Luthria Bros Trust
 - 13. M/s. Kabir Bros Trust.

(Transferee)

(3) Hundreds of encroachments, claims of possession of Mr. J. M. Yagnik, Mr. A. J. Rebello and family Omax Builders, Mchtab Developers, Sardar Harindra-Singh & Others.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- .(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 26.85 acres, with hutments/encroachments, bearing Survey Nos. 8 & 9 part 4, Village Varavali, Taluka Andheri (E), BSD., Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ACON-Range-III/21/82-83, dated 12-11-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acugisition Range-III,

Date: 14-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 11th July 1983

Ref. No. AR-II/3416/82-83.—Whereas, 1, S. H. ABBAS ABID1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

original plots Nos. 31 & 32 TPS No. 12, Santa Cruz, now designated as Plot 'C' CTS No. 1460 situated at Santacruz (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 18-11-1982 Document No. S-1036/82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Capt. Yashwant Shripad Ranadive & Smt. Vinaya Yeshwant Ranadive.

(Transferor)

- (2) M/s. Rameshchandra Mahavirprasad & Co., (Transferee)
- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1036/82 and Registered with the Sub-Registrar, Bombay on 18-11-1982.

S. H. ABBAS ABIDL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 11-7-1983

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ganapatrai Gorodia, and Mr. Ishwari Prasad Garodia,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. Dattani Constructions. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1983

Ref. No. AR-II/37EE/68/82-83.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 21, 2nd floor "Gokul Apartment". situated at Malad (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the I.T.

Act 1961, in the office of the competent Authority at

Bombay on 22nd November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any moons of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 21 on 2nd floor, "Gokul Apartment" Village Malad at Gaushala Lane, Off. Daftary Rd., Mulad (E), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn.11/62, dated 22nd November, 1982.

> S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1983

Seal;

1. Smt. Jyoti Bharat Sheth

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri 'Niti Chandra Mulchand Jobanputia. Karta HUF

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th July 1983

Ref. No. Acqn. Range-II/37EE/35/82 83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Industrial Unit No. C/22A on Ground floor at Bonanza Industrial Estate, Ashok Chakravati Rd., Kandivli(E), Bombay situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 and the agreement is registered under sec. 269AB, of the Income/tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11th Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C/22A on Ground floor at Bonanza Industrial Estate Ashok Chakravati Rd. Kandivli (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. Range-II/32/82 dated 11th Nov. 1982

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1983

Scal

1. Smt. Jyoti Bharat Sheth

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Niti Chandra Mulchand Jobanputra. Karta HUF

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th July 1983

Ref. No. Acqn. Range-II/37EE/35/82 83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Industrial Unit No. C/22A on Ground floor at Bonanza Industrial Estate, Ashok Chakravati Rd., Kandivli(E), Bombay situated at Kandivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 and the agreement is registered under sec. 269AB, of the Income/tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11th Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C/22A on Ground floor at Bonanza Industrial Estate Ashok Chakravati Rd. Kandivli (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. Range-II/32/82 dated 11th Nov. 1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-7-1983

(1) Bonanza Industrial Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kiritkumar R, Patel & Chanchalben R, Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th July 1983

Ref. No. AR-II/37EE/43/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Indul, Unit No. C-24 at Bonanza Industrial Estate, Ashok Chakravati Road Kandivli (E), Bombay situated at Kandivli

(E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under sec. 269AB of the I.T. Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 15-11-1982 situated at Kandivli (E)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act in the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C. 24 at Bonanza Industrial Esta'e, Ashok Chakravati Road, Kandivli (East), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. II/38/82 dated 15th November, 1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-7-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 13th July 1983

Ref. No. AR-II/37EE/83/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 1, Building No. 1, Sai Ashish, Off: Dr. Peter Dias Road, Bombay-50 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under sec. 269AB. of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27th Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dolly Fali Havewala.

(Transferor)

(2) Pervin Jehangir Chothia.

(Transferee)

(3) Dolly Fali Havewala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 19dg. No. 1, Sai Abbish, Off. Or. Peter Dias Road. Bandra, Bombay-50, The agreemen has been registered by the Compitent Authority, Bombay until scaled 510. Acq. 11/53/82-83 defed 27th November 1982.

5. 11. 408 AS ABIDI Compet at Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Bombay

Date: 13-7-83

Scal:

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 16th July 1983

Ref. No. Acqu. Range-III/37EE/1.82-83.--Whereas, I S. H. ABBAS ABIOL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 301, Amar Bldg., 7 Bungalows, Andheri (West), Bombay-58

situated at Andheri (West) Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under sec. 269AB, of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 23-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentracat of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (47 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) Shri Sanat Kumar R. Sheth

(Transferor)

(2) Shri Mahesh S. Arora,

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, in Amar Building, 7 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400 058. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. Acqn. Range— III-89/82-83 dated 23-11-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 16-7-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR.

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-779/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Bihar Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Thana No. 684, Khata No. 153, Khesru No. 68 (New) as well
as Thana No. 6, Khata No. 85, Khesru No. 107, Ward No.
33, Circle No. 244 situated at Abdal Nagar, Muzaffarpur
and Kidwaipuri Paina
and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

 Mahanth Raghunath Das Chela Mahanth Shri Siyaram Das ji, Mohalla—Janki Asthan, Sitamarhi Bazar, Dist. Sitamarhi.

(Transferor)

(2) Shri Amar Nath Pandey S/o Shri Raghunath Pandey Mohalla—Moti Jheel, P.O. Moti Jheel, Muzaffarpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Dhurs at Abdal Nagar, Muzasfarpur as well as 2 Kathas at Kidwaipuri, Patna and morefully described in deed No. 19665 dated 10-11-82 registered with D S.R. Muzaffarpur.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mahanth Raghunath Das Chela Mahanta Shri Siyaram Dasji, Mohalla—Janki Asthan, Sitamarhi Bazar, Dist. Sitamarhi.

(Transferor)

(2) Raghunath Pandey S/o Shri B. Pandey, Mohalla—Moti Jheel, P.O. Moti Jheel, Muzaffarpur,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-778/Acq/83-84.—Whereas, 1, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 684, Khata No. 153 Ghasera No. 68 as well as Touzi No. 197, Thana No. 6 Khata No. 85 Ward No. 33 Circle No. 244 and Kidwaipuri Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 10-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Dhurs at Abdal Nagar, Muzaffarpur as well as 2 Kathas at Kidwaipuri, Patna and more fully described in deed No. 1966, dated 10-7-82 registered with D.H.R. Muzaffarpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-780/Acq./83-84.--Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Holding No. 327/252, Circle No. 6, Ward No. 2 (old) and 9 (New), Sheet No. 19 situated at Mohalla—Jamal Road, Town and Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 4-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) Dr. Durga Kishore Bhattacharya S/o Late Bihari Lal Bhattacharya R/o Bihari Lal Bhattacharya Road also known as Makhania Kuan Road, P.S. Pirbahore, Town and Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ujwal Kumar Jain S/o Shri Bimal Singh Jain R/o Road No. 7, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Town and Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1223 Sq. ft. with building situated at Mohalla Jamal Road P.S. Kotwali, Town and Distt. Patna and more fully described in deed No. 9690 dated 4-11-1982 registered with D.S.R. Patna,

> P. K. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 14-7-1983

FORM ITNS—~

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

Patna-800 001, the 14th July 1983

Ref. No. III-782/Acq/83-84.-Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Holding No. 64B Circle No. 163, Sheet No. 246, Ward No.
27 (old) 33 (New) situated at Mohalla—Chowkshikarpur, Patna City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patua city on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195'7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shefali Ranı Sarkar W/o Shri B. B. Sarkar Mohalla-Kalisthan, Patna City, P.S. Chowk, Patna City, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Renu Arora W/o Shri Satya Pal Arora (2) Smt. Kiran Arora
W/o Shri Madhukar Arora
both R/o Mohalla—Ganesh Lal Road,
P.S. Chowk, Patna City, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kathas 12 Dhurs 15 Dhurkies with building situated in Mohalla Chowkshikarpur "Bag Shadho Ram" Patna city, P.S. Chowk, Patna City, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6157 dated 8-11-82 registered with S.R. Patna City.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Paina

Date: 14-7-1983

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

> > Patna-800 001, the 15th uJly 1983

Ref. No. III-781/Acq/83-84.—Whereas, I, P. K. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 327/252, Circle No. 6, Ward No. 2 (old) & 9 New, Sheet No. 19 situated at Mohalla—Jamal Road, Town and Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 5-11-1982

Patna on 5-11-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-53-206 G1/83

(1) Shri Ranjan Kishore Bhattacharya S/o Dr. Durga Kishore Bhattacharya R/o Bihari Lal Bhattacharya oRad also known as Makhania Kuan Roud, P.S. Pirbahore, Town and Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Sajal Kumar Jain S/o Shri Birnal Singh Jain R/o Road No. 7, Rajendra Nagar, P.S. Kadamkuan, Town and Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1223 Sq. ft. with building situated at Mohalla Jamal Road, P.S. Kotwali, Town and Dist. Patna, morefully described in deed No. 9731 dated 5-11-82 registered with D.S.R. Patha.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-7-1983

6**

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1984

New Delhi, the 20th August 1983

No. F. 11/4/83-EI(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD. AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORTBLAIR, RAIPUR SHILLONG, SRINAGAR, TIRUPATT TRIVANDRUM VISHAKHAPATINAM, and at selected Indian Missions abroad commencing on 5th February, 1984 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 20th August, 1983.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OR THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I Para 11).

- 2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below:
 - (f) Indian Foreign Service (B)— (Grade II of the Stenographers Sub-cadre)
 - (ii) Railway Board Secretariat
 Stenographers' Service—
 Grade C (for inclusion in
 the Select List of the Grade)
 - (iii) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C (for inclusion in the Select List of the Grade)
 - (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers Service—Grade C
 - (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service
 - Vacancies not intimated by Government.
 - Reservations will be made for candidates belonging, to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

The number of vacancles mentioned above is liable to alteration.

- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/poem mentioned in para 2 above.
- If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 7 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.
- Note—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (Cf. para 4 of Appendix I to the Rules).
- 4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/Posts for which he is competing would be considered from a candidate unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination, in the Employment News.

- 5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian postal Order payable to the Secretary Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.
 - NOTE—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
 MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
 THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE
 STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1984. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE
 ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1984 WILL NOT BE
 ENTERTAINED.
- 6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 18th October, 1983 (1st November, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of I&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 18th October, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh. Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad, may at the discretion

of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 18th October, 1983

- Note (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 7. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form, a fee of Rs. 12.00 (Rupees Twelve) [Rs. 3.00 (Rupees Three) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes! through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH, THE ABOVE REQUIREMENTS WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH & BELOW.

8. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan who had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Force of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 18th October 1983, and

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

- (ii) has to serve for not more than six months as on 18th October, 1983, for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesoid.
- 9. A refund of Rs, 3.00 (Rupees Three) [Re. 1.00 (Rupee one) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 10 below, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

- 10. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1983 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1983 Examination, his candidature for the 1984 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund or fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final results of the 1983 Examination in the Employment News.
- 11. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 12. The question papers in General English and General Knowledge, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules, will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "candidates Information Manual" at Annexure II.

M. BALAKRISHNAN,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service

Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 5th January, 1984 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. All entries answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Note—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 9 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPER ON ESSAY AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS VIDE PARAGRAPH 4 OF APPENDIX-1 TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPER WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

Candidates should note that only international form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even, if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprises, are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
 - CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificates in support of claim for fee remission (See paras 7 and 8 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (ili) Attested/Certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate, one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided for it.

- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Schedule Tribewhere applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5(b) below).
- (vii) Attendance sheet (attached with the application form (duly filled in.).
- (viii) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. \times 27.5 cms.

NOTE (i) CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) and (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION. OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1984, CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii) CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CFRTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WIFH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6:

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft will also not be accepted.

Note—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidate

on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application. the application will be rejected.

NOTE 1—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 3—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CHANGED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT FXAMINATION.

Note 4—A Candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education. Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3 (iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

Note 5—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualifications.

51—206GI/83

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A Candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

Note 1—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear as such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

Note 2—A Candidate who holds a campleted Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

Note 3—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned:—

The form of certificate to be produced by the candidate [cf. : Note 4 under para 3 (ii) and Note 3 above]

This is to certify that:-

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is

This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school*.

(Signature of Headmaster/Principal*)

(Name of the School)

Place----

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable

explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be cutertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Costes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below of the District in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate. If both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the District, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his owneducation.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
in District/Division* of the
State/Union Territory* — belongs to the —
Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—
the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar, Haveli) Scheduled Castes Order, 1962
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968"
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. Shri/Shrimati/Kumari) and/or* his/her* family ordinardy reside(s) in village/town?
Signature -
†Designation ———
(with seal of office)
State/Union Territory
Place
Date -
*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term "oldinatily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Office competent to issue Caste/Tribe Certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class stipendiary Magistrate/City Magistrate/"Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - **(Not below the rank of 1st Class stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshdweep.
- 5(a) Stenographers (including language Stenographers) Clerks/Stenotypists claiming age concession under Rule 6(B) should submit a certificate in original from the Head of their Department/Office in the following form:—
- *(i) Certified that Shri/Shrimati/Kumari*

 is a regularly appointed Stenographer employed in the Office of which is a Department/Office of the Government of India/Union Territory* of and has rendered/would render not less than 3 year continuous Service as Stenographer/Clerk/Stenotypist/R.M.S. Sorter* on 1st January, 1984 and continues/would continue to be employed as a Stenographer.

AND ,
Certified further that he/suc has not been appointed or
the results of an earlier examination held by the Union Pub-
lic Service Commission in CSSS/RBSSS/IFSB Stenographers
Sub-Cadre/Armed Forces Headquarters Stenographer's
Service.**
•
(ii) Certified that Shri/Shrimati/Kumari
is a regularly appointed Clerk/Steno-Typist/
R.M.S. Sorter* employed in the Office of the
which is a Department/Office of the Government of India,
which is a Debutinetit/Onice of the government of those

Union Territory* of ______ and has rendered/
would render not less than 3 years continuous service as a
Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter/Stenographer* on 1st
January 1984 and continues/would continue to be employed
as a Clerk/Steno-Typist/R.M.S. Sorter*.

Place______

Signature _____

Designation_____

Ministry/Office ______

Office Stamp______

*Strike out whichever is not applicable.

- (b) (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6 (C) (ii) or 6 (C) (iii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to Indiaduring the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District Magistrate in Charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6 (C) (iv) or 6 (C) (v) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tangonvik and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Majawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(C) (vi) or Rule 6(C) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C) (viii) or 6(C) (ix) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st lune, 1963, or an attested/certified copy of

a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C) (x) 6(C) (xi) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No.

Shri

of Unit

was disabled while in the Detence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation

Date

- *Strike out whichever is not applicable.
- (vi) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 6(C) (xii) of Rule 6 (C) (xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a hona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age concession in terms of Rule 6(C) (xiv) or 6(C) (xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned:—
- (A) Applicable for Released/Retired Personnel.

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment other wise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Scal

Date

- (B) Applicable for serving personnel.
- It is certified that No. Rank
 Name whose date of birth is serving in the Λrmy/Navy/Air Force from
- 2. He is due for release/retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by
 - 3. No disciplinary case is pending against him,

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL.

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:-

- (a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.
 - Army—Directorate of Personnel Services, Army Hqrs., New Delhi.
 - Navy-Directorate of Personnel Services, Naval Hgrs., New Delhi.
 - Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs., New Delhi.
- (b) In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force,

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force-Air Force Records, New Delhi.

- (viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 6(C)(xvi) or 6(C)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a hona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective Districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(b) (i), (ii), (iv) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 8 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- An ex-serviceman claiming remission of fee under para 8 of the Notice should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his join-

- ing the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment should be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tempered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso-facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Pailure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication has also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the five preceding examinations are on sale with Controller of Publications, Cívil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal. Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyor Bhavan. New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Pook Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Montal pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussit towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. Communications regarding Application.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NO., ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO., ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.

N.B. (i)—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii)—If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full name and roll number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

15. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. Objective Test

Your examination in General English and General Knowledge will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. Nature of the Test

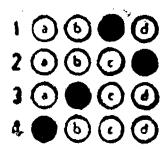
The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3..., etc. Under each item will be given suggested answers married a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer, if your select more than one, your response will be considered wrong.

C. Method of Answering

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate), will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular

spaces marked. a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT--

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. Some Important Regulations

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- 2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate wil be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after the commoncement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpner, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you

on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. Special Instructions

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. Some Useful Hints

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. Conclusion of Text

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLES ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -*Denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- *(b) the pressure of blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms).

There was a record turnout of voters at the municipal elections

- (a) exactly known.
- (b) only those registered.
- (c) very large.
- "(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arher, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below.

- *(a) Spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (e) planting in the correct season
- (d) planting with close pacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of H₃ VO₄ is

- (a) VO_3
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d) V 2O5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product.

(Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $_{3}C$
- (b) C
- *(c) C₃
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x \times be^{-x}$
- *(d) $y = ae^x a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 42
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) --5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country.

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy).

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following.

- (a) Buddhism, Nyāyā, Cārvāka, Mimāmsā
- (b) Nyāyā, Vaisescikā, Jainism and Buddhism, Cārvākā
- (c) Advaita, Vedāntā, Sāmkhya, Cārvāka Yoga
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvākā

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.